RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, गुरुवार

19.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 147

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

राजनीति में 'फुल स्टॉप' नहीं होता, जनसेवा सदन के बाहर भी जारी रहती है : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा के 59 सदस्यों को विदाई देते हुए कहा कि राजनीति में कभी 'पूर्ण विराम' नहीं होता और जनसेवा का कार्य सदन के बाहर भी निरंतर जारी रहता है। उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि एक 'ओपन यूनिवर्सिटी' है, जहां हर सदस्य को सीखने, विचार साझा करने और खुद को विकसित करने का अवसर मिलता है। राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चाओं में हर सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यकाल के दौरान खट्टे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं, लेकिन विदाई के समय सभी दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर एक समान भावना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विदाई ले रहे कुछ सदस्य भविष्य में फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक जीवन में नए योगदान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, "जो सदस्य जा रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव राष्ट्र जीवन में हमेशा उपयोगी रहेगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने एचडी देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार आदि वरिष्ठ नेताओं के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे संसदीय अनुभव वाले नेताओं से नई पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है और उनका अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सराहना करते हुए उन्हें मृदुभाषी और कुशल संचालक बताया। उन्होंने कहा कि सदन को सुचारु रूप से चलाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हरिवंश सदन के बाहर भी युवाओं के बीच सक्रिय रहते हैं और उन्हें देश की परिस्थितियों से अवगत कराने का कार्य करते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामदास अठावले के हास्यपूर्ण और व्यंग्यात्मक अंदाज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में 24x7 मीडिया के कारण सदन में हास्य-विनोद के अवसर कम हो गए हैं, लेकिन अठावले अपने अंदाज से वातावरण को सहज बनाए रखते हैं और लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री ने संसदीय प्रणाली में "सेकंड ओपिनियन" की अवधारणा को लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया।

लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को सीख लेनी चाहिए : पीएम मोदी

देवगौड़ा, खड़गे और शरद पवार के लंबे संसदीय अनुभव का किया उल्लेख

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को 37 सदस्यों को विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावपूर्ण संबोधन देते हुए सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों के योगदान की सराहना की और नए सदस्यों से उनके अनुभवों से सीखने की अपील की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सदन से विदा ले रहे कई सदस्य ऐसे हैं, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है। उन्होंने विशेष रूप से एच. डी. देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे और शरद पवार का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपनी आधी से अधिक उम्र संसद में बिताई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी और समर्पण का भाव इन वरिष्ठ नेताओं से सीखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी विदा हो रहे सदस्यों के योगदान को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यहां बताते चलें कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का बुधवार को आठवां दिन है। इससे एक दिन पहले ही निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन भी वापस ले लिया गया, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चली। राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों के सवालों के जवाब दिए और इसके बाद विनियोग विधेयक 2026 पेश किया। इस विधेयक के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार के 2.01 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। चर्चा के बाद राज्यसभा ने विनियोग विधेयक को वॉइस वोट से पारित कर लोकसभा को भेज दिया।

पालम अग्निकांड: एक ही रास्ते ने ली 9 जिंदगियां

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली का पालम इलाका बुधवार सुबह उस वक्त चीख-पुकार और अफरा-तफरी से भर गया, जब साध नगर की गली नंबर-2 स्थित एक चार मंजिली इमारत में भीषण आग लग गई। सुबह लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें तीन मासूम बच्चियां भी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस वक्त आग लगी उस समय इमारत में रह रहे अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बिल्डिंग के अंदर सिर्फ एक ही संकरा रास्ता था, जो बाहर निकलने का जरिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश वहीं सबसे ज्यादा आग भड़क रही थी। कुछ ही देर में कमरों में जहरीला धुआं भर गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा। बालकनियों में खड़े लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन लपटों की भयावहता के आगे कोई अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। इस भयावह मंजर के बीच एक पिता का साहसिक कदम सामने आया। राजेंद्र कश्यप के बेटे अनिल ने अपनी एक साल की मिताली बच्ची को बचाने के लिए उन्हें दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। नीचे खड़े लोगों ने किसी बच्ची को संभालने की कोशिश की। इस बीच अनिल भी नीचे कूद गए। उनके सिर में भी गंभीर चोट आई है। चश्मदीदों के मुताबिक एक व्यक्ति दमकल विभाग की सीढ़ी के जरिए नीचे उतर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। इस घटना ने बचाव कार्य की मुश्किलों को और बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह इमारत मार्केट के प्रधान राजेंद्र कश्यप की थी और इसका ढांचा किसी 'डेथ ट्रैप' से कम नहीं था। बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर ब्यूटी पार्लर, चूड़ी और कॉस्मेटिक का बड़ा शोरूम था, जहां भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी गई थी।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मृतकों के आश्रितों को दो लाख के मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के पालम इलाके में बहुमंजिला इमारत में लगी आग की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि पालम में आग लगने की घटना दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

संक्षिप्त समाचार

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के बाद इंतजार करें, वितरणकर्ताओं के यहां लाइन लगाने से बचें: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोगों से अपील की है कि लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग के बाद इंतजार करें और वितरणकर्ताओं के यहां लाइन लगाने से बचें। वर्तमान में एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं बुकिंग के लिए अब 93 प्रतिशत लोग ऑनलाइन तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास नहीं करने और गैस का उचित उपयोग करने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही कीमतें बढ़ रही हों, फिलहाल भारत में डीजल-पेट्रोल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं होगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि कच्चे तेल की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही है। घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल की कमी की कोई खबर नहीं है और पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों के लिए, आर्मेनिया और अज़रबैजान की भूमि सीमा से यात्रा करने के संबंध में एक सलाह जारी की है।

एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा, एक अमेरिकी नागरिक भी हिरासत में

नई दिल्ली। एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इन पर अवैध रूप से मिजोरम में प्रवेश करने और फिर पड़ोसी देश म्यांमार जाकर उग्रवादियों को लड़ाई की ट्रेनिंग देने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक एनआईए ने दिल्ली और लखनऊ समेत कई प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स से इन छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा है। इसके अलावा एक अमेरिकी नागरिक को कोलकाता एयरपोर्ट से हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान मैथ्यू वैनडाइक के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी विदेशी नागरिक मिजोरम पहुंचे थे, जो कि सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य माना जाता है। यह राज्य म्यांमार के साथ करीब 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के प्रवेश के लिए 'रिस्ट्रिक्टेड एरिया परमिट' अनिवार्य है, लेकिन आरोप है कि इन लोगों ने बिना अनुमति के इस क्षेत्र में प्रवेश किया। इतना ही नहीं, एजेंसियों का यह भी कहना है कि इन विदेशी नागरिकों ने म्यांमार के अंदर सक्रिय कुछ जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया और उन्हें कथित तौर पर प्रशिक्षण और उपकरण उपलब्ध कराए।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है। चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं। आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध

है। डीईओ/आरओ स्तर पर किसी भी शिकायत/प्रश्न को दर्ज करने के लिए कॉल सेंटर नंबर +91 (एसटीडी कोड) 1950 भी उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सके।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 'भव्य' को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) लाई है। इसके तहत देशभर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार ने इनके लिए 33,660 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 100 से 1000 एकड़ तक के औद्योगिक पार्कों का विकास किया जाएगा। प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। वित्तीय सहायता मूलभूत अवसंरचना (आंतरिक सड़कें, भूमिगत उपयोगिताएँ, जल निकासी व्यवस्था, सार्वजनिक उपचार सुविधाएं, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी एवं प्रशासनिक प्रणालियां), मूल्यवर्धित अवसंरचना (तैयार कारखाने के शेड, आवश्यकतानुसार निर्मित इकाइयाँ, परीक्षण प्रयोगशालाएं, भंडारण) और सामाजिक अवसंरचना (श्रमिकों के लिए आवास एवं सहायक सुविधाएं) के विकास के लिए होगी। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) ढांचे के तहत विकसित औद्योगिक स्मार्ट शहरों की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, भव्य परियोजना को राज्यों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के साथ मिलकर कार्यान्वित किया जाएगा। बाह्य अवसंरचना के लिए परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक का समर्थन भी प्रदान किया जाएगा, जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी और मौजूदा नेटवर्क के साथ एकीकरण सुनिश्चित होगा।

केंद्र ने सीसीआई को 1,718 करोड़ की एमएसपी फंडिंग की मंजूरी दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने देश में भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को 2023-24 सीजन के लिए 1,718.56 करोड़ रुपये की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की फंडिंग को मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि एमएसपी संचालन किसानों को आश्वस्त करता है कि बाजार भाव गिरने पर भी उन्हें उचित मूल्य मिलेगा। इससे किसानों को कपास की खेती जारी रखने की प्रेरणा मिलती है और भारत को गुणवत्तापूर्ण कपास उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलती है।

प्रधानमंत्री के इंदौर में आग लगने की घटना पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख के मुआवजे की घोषणा

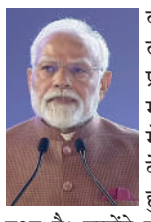

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के इंदौर में आज सुबह करीब 4 बजे एक मकान में इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट से हुए हादसे छह लोग जिंदा जल गए, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं।

ईडी को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं : ममता

नई दिल्ली। बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर रेड मामले में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने सवाल खड़े किए हैं। ईडी की याचिका में दावा किया गया है कि रेड के वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आला पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और छापेमारी में बाधा डालकर सबूत नष्ट किए। याचिका में रेड में बाधा डालने और सबूत नष्ट करने पर ममता और सीनियर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की गई है। इस याचिका पर बुधवार को बंगाल सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं कर सकती है, यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए है और ईडी कोई व्यक्ति नहीं है इसलिए उसके मौलिक अधिकार नहीं हो सकते। वकील दीवान ने कहा कि क्या ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर सकती है, यह एक संवैधानिक प्रश्न है।

सेवानिवृत्ति अंत नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरुआत: सी.पी. राधाकृष्णन

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आगामी अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति को अंत नहीं, बल्कि नई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की शुरुआत के रूप में देखना चाहिए। सभापति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार हर दो वर्ष में सदन के एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है और नए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो अनुभव और नई ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखती है। सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। यह परंपरा नए सदस्यों को अवसर देने के साथ-साथ अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन को भी बनाए रखती है। सेवानिवृत्त सदस्य अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से आगे भी सार्वजनिक जीवन में योगदान देते रहेंगे। विदाई भाषण में सभापति ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाया। उनके अनुभव और किसानों एवं ग्रामीण समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता ने सदन की चर्चाओं को समृद्ध किया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खरगे ने संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया। इसके साथ ही उपसभापति हरिवंश के कार्यकाल की सराहना करते हुए सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन का संचालन गरिमा, निष्पक्षता और धैर्य के साथ किया और सभी दलों का सम्मान अर्जित किया।

नवरात्र पर वैष्णो देवी में बिना आरएफआईडी कार्ड नहीं मिलेगी एंट्री, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी। जम्मू

19 मार्च से शुरू होने जा रहे पावन चैत्र नवरात्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपराज्यपाल के निर्देशों के बाद श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि यात्रा मार्ग पर आरएफआईडी कार्ड प्रणाली का सख्ती से पालन किया जाएगा। केवल वैध कार्ड धारकों को ही भवन की ओर जाने की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे मार्ग को पांच जोन—कटड़ा, बाणगंगा, अर्धकुंवारी, ताराकोट-सांझीछत और भवन में बांटा गया है। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के समन्वय से एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार किया गया है, जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया दल भी शामिल रहेंगे। आधुनिक वायरलेस उपकरणों और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से पूरे मार्ग की 24 घंटे रियल टाइम निगरानी की जाएगी। भीड़ अधिक होने की स्थिति में यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जाएगा। कटड़ा शहर में यातायात सुचारू रखने के लिए अवैध पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान चलेगा। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर चलने वाले पिट्ठू, पालकी और पोनीवालों का कड़ाई से सत्यापन किया जा रहा है ताकि फर्जीवाड़े को रोका जा सके।

दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं : दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए निहारिका परिसर में विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, जबकि सभी भोजनालयों में फलाहार की व्यवस्था रहेगी। नवरात्र को लेकर भक्तों में भारी उत्साह है, जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, रोपवे और ठहरने की ऑनलाइन बुकिंग अभी से फुल हो चुकी है। बोर्ड को इस बार तीन से चार लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने बताया कि बोर्ड का लक्ष्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करना है और सभी विभाग निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय से काम कर रहे हैं।

अब हर फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें मुफ्त में करानी होंगी उपलब्ध

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार को एयर ट्रैवल को और आसान बनाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि किसी भी फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें मुफ्त में उपलब्ध करानी होंगी। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि एयरलाइन यात्रियों के लिए पारदर्शी और सुविधाजनक हो। डीजीसीए के जरिए जारी नए दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को साथ में बैठाया जाए। कोशिश की जाएगी कि वे पास-पास की सीटों पर ही बैठ सकें। इससे परिवार या ग्रुप में सफर करने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि स्पोर्ट्स इक्विपमेंट और म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जैसी चीजों को भी पारदर्शी और आसान तरीके से फ्लाइट में ले जाने की सुविधा दी जाएगी, बशर्ते सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों का पालन हो। इसी तरह, एयरलाइंस को पालतू जानवरों को ले जाने के लिए स्पष्ट और पारदर्शी नीति बनानी होगी। इसके अलावा, मंत्रालय ने यात्रियों के अधिकारों पर भी जोर दिया है। इसमें लेट होने, कैंसलेशन या डिनाइड बोर्डिंग जैसी स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का पालन करना अनिवार्य होगा।

भारत से पश्चिम एशिया के लिए कल संचालित होंगी 50 उड़ानें

नई दिल्ली। भारत से पश्चिम एशिया के लिए कल, 18 मार्च को कुल 50 उड़ानें संचालित की जाएंगी। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की ये उड़ानें वेस्ट एशिया के विभिन्न गंतव्यों को जोड़ेंगी। सूत्रों के अनुसार, इन उड़ानों में 14 शेड्यूल्ड फ्लाइट्स जेद्दा और 12 फ्लाइट्स मस्कट के लिए उड़ान भरेंगी। शेड्यूल्ड उड़ानों का संचालन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, मैंगलोर, कोझिकोड, कन्नूर, कोच्चि, लखनऊ और तिरुवनंतपुरम जैसे प्रमुख शहरों से किया जाएगा। इसके अलावा, 24 नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट्स यूएई और सऊदी अरब के लिए संचालित की जाएंगी। इन उड़ानों का उद्देश्य विशेष रूप से उन यात्रियों और भारतीय नागरिकों को सेवा देना है, जो मौजूदा तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचना चाहते हैं। एयरलाइनों ने यात्रियों से समय पर एयरपोर्ट पहुंचने और सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अतिरिक्त उड़ानों से मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय नागरिकों की आवाजाही सुगम बनेगी। विशेष रूप से हाल के अंतरराष्ट्रीय तनाव और मध्य पूर्व में सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए, यह कदम भारतीय नागरिकों और व्यापारिक यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी, ईद और सरहुल को लेकर गोला थाना में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

गोला: गोला थाना में बुधवार को रामनवमी, ईद और सरहुल पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में बीडीओ सुधा वर्मा, सीओ सीताराम महतो, पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार मौजूद थे। इस दौरान सभी त्यौहार आपसी प्रेम और सौहार्दपूर्ण रूप से मनाने की अअपील की गई। कहा गया कि निर्धारित रूट से ही रामनवमी जुलूस निकाले और डीजे का प्रयोग बिल्कुल भी न करें। कहीं भी कोई समस्या हो तो फौरन प्रशासन को सूचित करें। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार का भ्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। रामनवमी जुलूस में शराब का सेवन कर शामिल नहीं होने की भी हिदायत दी गई। बैठक में पूर्व विधायक अर्जुन राम, प्रमुख गीता देवी, उपप्रमुख विजय ओझा, मुखिया बुलटी देवी, अलका महतो, प्यारेलाल महतो, कमाल शहजादा, संतोष सोनी, अशोक महतो, प्रीतम झा, जितेंद्र साहू, महेंद्र प्रसाद, एहशान उल हक, हरीश बर्मन, विकास मणि पाठक सहित कई लोग मौजूद थे।

सामर्थ कंपनी में मजदूर की मौत, प्रबंधन पर दबाने का आरोप

सरायकेला : आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सामर्थ इंजीनियरिंग कंपनी प्रा. लि. में एक ठेका मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मजदूर छत पर सिटिंग का काम कर रहा था, तभी अचानक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद उसे कंपनी के निजी वाहन से नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने टाटा मेन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले का निवासी बताया जा रहा है।

सूत्रों का आरोप है कि हादसे के बाद कंपनी प्रबंधन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है, ताकि किसी तरह की कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके। अब तक इस घटना की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और मजदूर संगठनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों पर कार्रवाई और मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने की बात कही है।

लोकसभा में उठा बैंकिंग सुविधा का मुद्दा, रेडमा शाखा खोलने की मांग

मेदिनीनगर : सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए मेदिनीनगर के रेडमा में भारतीय स्टेट बैंक की बंद शाखा को पुनः चालू करने और गढ़वा जिले के बरगढ़ व बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय में नई शाखाएं खोलने की मांग की।

उन्होंने कहा कि पलामू और गढ़वा दोनों आकांक्षी जिले हैं, जहां बैंकिंग सेवाओं का विस्तार जरूरी है। रेडमा जैसे घनी आबादी और व्यावसायिक क्षेत्र में एसबीआई शाखा बंद होने से हजारों खाताधारकों, पेंशनभोगियों और व्यापारियों को परेशानी हो रही है। सभी ग्राहकों को मुख्य शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां अत्यधिक भीड़ के कारण सेवा प्रभावित हो रही है।

सांसद ने यह भी कहा कि बरगढ़ और बिशुनपुरा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं की कमी के कारण लोगों को बैंकिंग सेवाओं, किसान क्रेडिट कार्ड और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने वित्त मंत्रालय से इन क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं सुदृढ़ करने की मांग की है।

बोकारो में नई पुलिस गाड़ियों का फ्लैग ऑफ, कानून-व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिला में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नई पेट्रोलिंग गाड़ियों का भव्य फ्लैग ऑफ समारोह आयोजित किया गया। बोकारो पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने पूजा-अर्चना के बाद नई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर संबंधित थानों के लिए रवाना किया। इस दौरान डीएसपी आलोक रंजन, एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह, डीएसपी बी एन सिंह सहित सभी थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार की ओर से पुलिस संसाधनों को सुदृढ़ करने के तहत बड़े पैमाने पर वाहनों का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित योजना के तहत कुल 1,485 आधुनिक वाहनों का वितरण किया जाना है, जिसमें प्रथम चरण में 636 पेट्रोलिंग वाहन और 849 दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों को दिए गए हैं। इसी कड़ी में बोकारो जिले को 39 बोलेरो वाहन प्राप्त हुए, जिन्हें चिन्हित थानों में तैनात कर दिया गया है।

इन आधुनिक वाहनों का उपयोग गश्ती, त्वरित प्रतिक्रिया, ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी और संवेदनशील इलाकों में सक्रिय पुलिसिंग के लिए किया जाएगा। खासकर दूरदराज और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इन वाहनों से पुलिस की पहुंच और कार्रवाई की गति में तेजी आने की उम्मीद है।

पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने बताया कि नए वाहनों के शामिल होने से न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। इस पहल से पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आम लोगों में सुरक्षा की भावना भी मजबूत होगी।

साइबर अपराध पुलिस की कारवाई, छः साइबर बदमाश गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : साइबर ठगी के लिए बदनाम जामताड़ा में पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 साइबर अपराधियों को रंगे हाथ दबोच लिया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में आरोपियों को फर्जी मोबाइल, सिम कार्ड, लैपटॉप और मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया।

एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सूचना मिली थी कि करमाटांड़ थाना क्षेत्र के पदमडीह गांव के पास कुछ लोग साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। इसके बाद साइबर थाना प्रभारी अमृत कुमार राम के नेतृत्व में टीम बनाई गई और मौके पर छापेमारी की गई। पुलिस ने टॉड़ इलाके में घेराबंदी कर सभी आरोपियों को पकड़ लिया।

पकड़े गए अपराधियों में उज्जवल कुमार शाही, राजेन्द्र मंडल, राजकिशोर शाही, अजीत कुमार मंडल, अमित कुमार शाही और कुन्दन कुमार मंडल शामिल हैं। सभी करमाटांड़ थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सामान बरामद किया। इनमें 13 मोबाइल फोन, 18 फर्जी सिम कार्ड, एक लैपटॉप और 4 मोटरसाइकिल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन सभी उपकरणों का इस्तेमाल साइबर ठगी को अंजाम देने में किया जा रहा था।

पुलिस के मुताबिक, ये अपराधी गूगल पर फर्जी कस्टमर केयर नंबर डाल देते थे। जब कोई ग्राहक मदद के लिए कॉल करता, तो ये खुद को कंपनी का अधिकारी बताकर भरोसा जीत लेते थे। इसके बाद Quick Support और AnyDesk जैसे ऐप डाउनलोड करवाकर मोबाइल का एक्सेस ले लेते थे और बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी निकालकर पैसे उड़ा देते थे।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इनका नेटवर्क सिर्फ जामताड़ा तक सीमित नहीं था, बल्कि देश के अलग-अलग राज्यों में लोगों को निशाना बनाया जा रहा था। इस पूरे मामले में जामताड़ा साइबर थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह से और कौन-कौन जुड़े हैं और कितने लोगों को इन्होंने अपना शिकार बनाया है।

गोड्डा में शिक्षा और संस्कृति का संगम, एफएलएन मेला बना आकर्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : ऐतिहासिक गांधी मैदान में बुधवार को पीएम श्री विद्यालयों के तत्वावधान में एफएलएन मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, नवाचार और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन बैद्यनाथ उरांव, मिथिला टुडू और दीपक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बैद्यनाथ उरांव ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र बन रहे हैं, जहां विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप व्यवहारिक और कौशल आधारित शिक्षा दी जा रही है।

मेले में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान मॉडल, शैक्षणिक परियोजनाएं, कला-शिल्प और डिजिटल लर्निंग से जुड़े आकर्षक स्टॉल लगाए, जिसने आगंतुकों को खासा प्रभावित किया। इन प्रस्तुतियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की रचनात्मकता और तकनीकी समझ को भी उजागर किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को और जीवंत बना दिया। विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, लोक नृत्य, गीत, नाटक और देशभक्ति प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में स्थानीय संस्कृति और परंपरा की झलक स्पष्ट रूप से दिखी।

कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी, शिक्षाविद्, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

जिला स्तरीय एफएलएन का आयोजन

» बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान की क्षमता को विकसित करना ही एफएलएन का उद्देश्य - संजीत कुमार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़: मुख्यमंत्री उत्कृष्ट गांधी मेमोरियल +2 उच्च विद्यालय रामगढ़ के सभागार में रामगढ़ जिला स्तरीय एफएलएन(बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान) प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार , विशिष्ट अतिथि पी.एम. श्री विद्यालय के राज्य प्रभारी शशि सिंह,अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन , पॉलीथिन मुक्त भारत मिशन एवं पर्यावरण संरक्षण के निदेशक उपेंद्र कुमार विद्यालय के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार अनल

शामिल हुए। सभी अतिथियों को शॉल ओढाकर व पौधा देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला स्तरीय एफएलएन प्रदर्शनी मेला में पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट चितरपुर, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातू गोला, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय कूल्ही दुलमी, पीएम श्री उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय मनुवा मांडू, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय तापीन मांडू, पीएम श्री मध्य विद्यालय मँझिला टोला रामगढ़, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोईरीटोला रामगढ़,पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय पाली पतरातु ने भाग लिया। टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) के माध्यम से बच्चों की ओर से कई प्रकार मॉडल बनाकर प्रदर्शनी लगाया गया। प्रदर्शनी मेला में पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय मनुवा मांडू को बेहतर मॉडल बनाकर प्रदर्शन करने पर प्रथम स्थान, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट चितरपुर को द्वितीय स्थान और पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातू को तृतीय स्थान मिला। सभी विजेता विद्यालयो के मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसएमसी के सभी अध्यक्ष को विद्यालय में बेहतर कार्य करने के लिए शॉल ओढाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस प्रदर्शनी के ज्यूरी सदस्य में सुमित्रा कुमारी, मिथलेश कुमार रविदास, डॉ.रूपम कुमारी,अंजू सिंह,संजय राय, सतेन्द्र कुमार सिंह, हरेन कुमार कुशवाहा ने भूमिका निर्वहन कर रहे थे । जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने सभी मॉडलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा टीएलएम मॉडल आधारित शिक्षण से बच्चे किताबी ज्ञान के साथ-साथ अपने वातावरण में पाए जाने वाले विभिन्न सामग्रियों से अनुभव कर सीखने का प्रयास करते हैं। टीएलएम प्रदर्शनी में सभी प्रतिभागियों ने एफएलएन के भाषा विकास और गणितीय संक्रियाओं को आधार मानकर टीएलएम निर्माण किया गया जो बुनियादी स्तर के बच्चों को सीखने सिखाने में सहज और मनोरंजन पूर्ण साबित होगे ।बच्चे कठिन विषय को भी सहज तरीके से सीख सकते है। वहीं पीएम श्री के राज्य प्रभारी शशि सिंह ने कहा कि इस तरह के मेले से बच्चे उत्साहित होकर आपने अपने विद्यालय में मॉडल बनाकर अपने आगे बढ़ने अवसर मिलता हैं। वहीं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन ने कहा कि ऐसे मॉडल बनाने वाले बच्चे ही भविष्य में जाकर वैज्ञानिक बनकर राष्ट्र की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।मौके पर एपीओ कुमार राज, तजिंदर कौर,जितेंद्र कुमार महतो, सुरेंद्र प्रसाद, सुनील कुमार रविदास, शेखर कुमार, दीपक कुमार सिंह, सुनील कुमार, तेजू कुमार मुंडा, अजीत कुमार तिवारी,मनीष कुमार सिंह ,संजय कुमार, अनीता देवी सहित कई लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विहिप ने निःशुल्क दिखाया द केरला स्टोरी टू फिल्म, महिलाओं को लव जिहाद पर किया जागरूक

» लव जिहाद के षड्यंत्र में फंसने से बचें हिन्दू माताएं बहनें: छोटू वर्मा
» फिल्म दिखाई गई घटना काल्पनिक नहीं, बल्कि सच्ची घटना है: अनामिका श्रीवास्तव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : लव जिहाद की सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म द केरला स्टोरी टू बुधवार को विश्व हिन्दू परिषद रामगढ़ के द्वारा राजीव पिक्चर प्लेस सिनेमा घर रामगढ़ में हिन्दू बहन बेटियों और माताओं को लव जिहाद से जागरूक करने के लिए फिल्म निःशुल्क फिल्म दिखाया गया। रामगढ़ जिले के दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति सहित सैकड़ों हिन्दू माताएं बहनें फिल्म देखने पहुंची। विश्व हिंदू परिषद के द्वारा फिल्म निःशुल्क दिखाने का एक मात्र उद्देश्य यह था कि पूरे देश में जिस तरह से लव जिहाद के षड्यंत्र में हिन्दू माताएं बहनें फंस रही। अपने जीवन को बर्बाद कर रही उससे हिन्दू बहन बेटियों को जागरूक करना तथा लव जिहाद से बचाना है।

लव जिहाद के षड्यंत्र में फंसने से बचें हिन्दू माताएं बहनें: छोटू वर्मा - विश्व हिंदू परिषद के रामगढ़ जिला मंत्री छोटू वर्मा ने कहा कि जिहादियों के सिंडिकेट के माध्यम से लव जिहाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग लव जिहाद के षड्यंत्र को जड़ से खत्म करेगा। लव जिहाद के षड्यंत्र में फंसने से बचें हिन्दू माताएं बहनें, हिन्दू बहन बेटियों को पहले उनसे झूठे वादे कर जिहादी अपने प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं। फिल्म के माध्यम से दिखाया गया कि लव जिहाद फंसी हिन्दू लड़कियों को जिस्म परोसी के धंधा में धकेल जाता है। उनका हत्या कर दिया जाता है। जब तक हिन्दू लड़कियों को समझ आता है तब तक वह अपने परिवार से बहुत दूर जा चुकी होती है।

जिहादी सिर्फ हिंदू बहन बेटियों को टारगेट करते हैं: अनामिका श्रीवास्तव-दुर्गा वाहिनी रामगढ़ जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव ने कहा कि द केरला स्टोरी 2 में दिखाई गई सभी घटनाएं काल्पनिक नहीं बल्कि सच्चाई है। जिहादी सिर्फ हिंदू बहन बेटियों को टारगेट करते हैं। जिस प्रकार से हिंदू लड़कियों को धर्मांतरित करने का यह कार्य किया जा रहा है, इस फिल्म के द्वारा समाज को जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर बजरंग दल पूर्व रामगढ़ जिला संयोजक विनय शर्मा,रवि चंद्रवंशी ,सचिन प्रजापति, डब्लू साहू,राजू,शशि सिंह,सोना मिश्रा,गीता कुमारी सहित सैकड़ों माताएं बहने उपस्थित थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सख्ती, एसडीओ ने दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगर : नगर स्मृति भवन में बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बैठक आयोजित हुई। इसमें सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर शामिल हुए।

बैठक में मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। सुलोचना मीणा ने हाउस नंबरिंग, नए मकानों की पहचान और बिना नंबर वाले घरों को नियमानुसार नंबर आवंटित करने पर जोर दिया। साथ ही मतदाताओं की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए फील्ड वेरिफिकेशन को अनिवार्य बताया गया। उन्होंने 2003 के एसआईआर और वर्तमान मतदाता सूची के आधार पर उम्र और पारिवारिक मैपिंग की जांच, संदिग्ध मामलों के सत्यापन और दस्तावेजों के आधार पर मतदाताओं की पुष्टि करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने को कहा गया, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह सही और अद्यतन हो सके।

शिवानी गोराई हत्याकांड को लेकर गोराई समाज का गम्हरिया थाना में प्रदर्शन, कड़ी कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

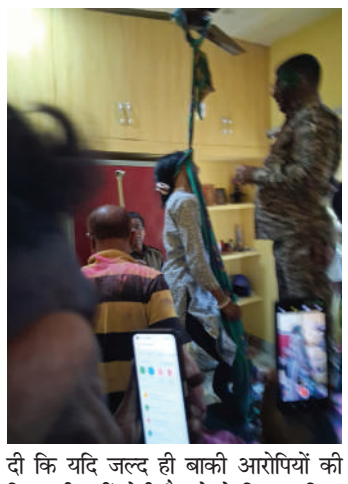

सरायकेला : गम्हरिया थाना क्षेत्र के निर्मल पथ रोड नंबर 6 निवासी आशीष गोराई के साथ 26 नवंबर 2025 को विवाह के कुछ ही महीनों बाद उनकी पत्नी शिवानी गोराई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। 4 फरवरी, होली महापर्व के दिन शिवानी का शव कमरे में फंदे से झूलता हुआ मिला था, जिसके बाद इसे दहेज हत्या का मामला बताया जा रहा है।

परिजनों और समाज के लोगों का आरोप है कि शादी के बाद से ही शिवानी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। घटना के बाद पुलिस ने पति आशीष गोराई को हिरासत में लिया, लेकिन मामले में कथित रूप से शामिल दो अन्य आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, आशीष गोराई की एक और पत्नी कोलकाता में रहती है और इस घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है।

इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर झारखंड और पश्चिम बंगाल के गोराई समाज के लोग गम्हरिया थाना पहुंचे। समाज के प्रतिनिधियों ने थाना प्रभारी को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो वे जिला पुलिस अधीक्षक से लेकर डीआईजी तक इस मामले को उठाएंगे।

वहीं, पश्चिम बंगाल कुलु तेली समाज ने भी इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। समाज के नेताओं ने कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिला, तो वे मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे। केंद्रीय कुलु तेली समाज की महिला अध्यक्ष ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब तक उचित कार्रवाई नहीं की गई है।

इस पर गम्हरिया थाना प्रभारी ने बताया कि मामला फिलहाल सुपरविजन में है और डीएसपी के निर्देश के बिना फरार आरोपियों—सुभाष गोराई और सुप्रिया गोराई—की गिरफ्तारी संभव नहीं है।

मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग जल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बोकारो थर्मल में शांति समिति की बैठक, ईद, सरहुल और रामनवमी सौहार्दपूर्वक मनाने का संकल्प

बोकारो थर्मल : आगामी ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के पावन अवसरों को देखते हुए बुधवार को बोकारो थर्मल थाना परिसर में शांति समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न समुदायों के त्योहारों को आपसी प्रेम, अटूट सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न कराना था। बैठक का कुशल संचालन इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव ने किया, जिसमें प्रशासन और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने एक सुर में शांति व्यवस्था बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ मुकेश कुमार ने त्योहारों के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अक्सर विवाद की स्थिति तब पैदा होती है जब परंपरागत मार्गों को छोड़कर नए रास्तों से जुलूस निकालने का प्रयास किया जाता है या फिर दूसरे धर्म के स्थलों के बाहर अनावश्यक नारेबाजी और प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने सभी समुदायों से पुरजोर अपील की कि समाज के हर व्यक्ति को एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि त्योहार असल में खुशियां बांटने का अवसर होते हैं और इनमें अनुशासन का पालन करना प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य कर्तव्य है।

इस अवसर पर प्रशासन की ओर से कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति, अवर निरीक्षक दीपक कुमार पासवान, मनोज सिंह और प्राण गोपाल सेन सहित भारी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जोगेंद्र गिरी, जानकी महतो, मंजूर आलम, जितेंद्र यादव, श्रवन सिंह, संजय गिरि, विनय सिंह, महबूब आलम, दीपक रजक, मुखिया विश्वनाथ महतो, चंदना मिश्रा, रवि शंकर पंडित, भागीरथ शर्मा, दीपक कुमार, प्रदीप कुमार प्रसाद, मणिराम मांझी, भैरव महतो, विश्वनाथ यादव, बिरेंद्र प्रसाद, घनश्याम यादव, नरेश महतो, बिरसा रजक और हरे राम यादव सहित कई गणमान्य ग्रामीणों ने भी अपने विचार साझा किए। सभी उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा देते हुए यह सुनिश्चित किया कि बोकारो थर्मल में त्योहारों की गरिमा और शांति अक्षुण्ण रहेगी।

बोकारो का दिव्यांशु राष्ट्रीय नेटबॉल चैम्पियनशिप मे चयनित

बोकारो : चिन्मय विद्यालय की कक्षा नौवीं में पढ़ने वाले होनहार छात्र दिव्यांशु रंजन ने अपनी खेल प्रतिभा के दम पर झारखंड की जूनियर मिश्रित राष्ट्रीय नेटबॉल टीम में अपना स्थान पक्का कर लिया है। दिव्यांशु का चयन आगामी द्वितीय जूनियर मिश्रित राष्ट्रीय नेटबॉल चैम्पियनशिप के लिए हुआ है, जो खेल जगत में उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस बड़ी उपलब्धि की खबर मिलते ही पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष और गौरव का माहौल व्याप्त हो गया है। दिव्यांशु रंजन अब उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित श्री प्यारेजी महाराज स्पोर्ट्स अकादमी, जौला में 29 मार्च से 31 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय के छात्र की इस गौरवमयी उपलब्धि पर चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष बी. मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा और उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने दिव्यांशु को विशेष रूप से बधाई दी।

बीएसएल में नवाजे गए हुनर के उस्ताद

» 'स्किल एक्सीलेंस प्रतियोगिता-2026' के विजेताओं का भव्य सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) स्किल एक्सीलेंस प्रतियोगिता-2026 के पुरस्कार विजेताओं के सम्मान में एक अत्यंत ही प्रभावशाली समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी एवं अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में ही मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मठ कार्मिकों को सुरक्षा की शपथ दिलाई, जो संयंत्र की कार्य संस्कृति में सुरक्षा की सर्वोपरि महत्ता को दर्शाता है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता कुल दस प्रमुख तकनीकी श्रेणियों में आयोजित की गई थी, जिसमें फिटर, टर्नर, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक्स, ड्राइव्स, पीएलसी (प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर), हाइड्रोलिक्स, कोपा (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट), इलेक्ट्रिशियन एवं इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे।

प्रतियोगिता के विस्तृत परिणामों के अनुसार, फिटर श्रेणी में ब्लास्ट फर्नेस के बीरेन्द्र कपरदार विजेता घोषित किए गए, जबकि सौविक दास ने प्रथम रनर-अप और अमरजीत गरेरी ने द्वितीय रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। टर्नर श्रेणी में ब्लास्ट फर्नेस मैकेनिकल के संदीप पूर्ति ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं सिंटर प्लांट के शशि भूषण खाल्खो दूसरे और बीरेन्द्र बी पूर्ति तीसरे स्थान पर रहे। आधुनिक तकनीक की एआई श्रेणी में सीईडी-एस आई जी एस के मोहित गुप्ता विजेता बने, जबकि ए. के. पाण्डेय प्रथम रनर-अप और अमर्त्य शिवम द्वितीय रनर-अप रहे। इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक्स में एम. के. पाण्डेय ने अपनी दक्षता का लोहा मनवाते हुए बाजी मारी, वहीं डी. कुमार और आर. कुमार क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार ड्राइव्स श्रेणी में एसएमएस-I के उत्कर्ष ऋषभ विजेता रहे, जबकि करुणेश जायसवाल प्रथम रनर-अप और संदीप कुमार द्वितीय रनर-अप रहे। पीएलसी श्रेणी में एचएसएम के अवधेश कुमार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि सीआरएम- 3 के विजय प्रसाद और पी. सिंह क्रमशः उप-विजेता रहे।

तकनीकी कौशल के अन्य क्षेत्रों में हाइड्रोलिक्स श्रेणी के अंतर्गत सीआरएम- 3 के नंदलाल महतो विजेता रहे, जबकि आनंद कुमार मौर्य और पंकज ठाकुर क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय रनर-अप घोषित किए गए। कोपा श्रेणी में कंप्यूटर एवं ऑटोमेशन विभाग की सुकन्या भारती ने विजेता बनकर गौरव प्राप्त किया, वहीं अमर्त्य शिवम दूसरे और शैलेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। इलेक्ट्रिशियन श्रेणी में एसएमएस-II एवं सीसीएस के लक्ष्मण कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आदित्य नारायण और संगीता बनर्जी उप-विजेता रहे। इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक्स में एसएमएस- 1 के अवनीश यादव विजेता रहे, जबकि सुकन्या भारती और करुणेश जायसवाल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस भव्य कार्यक्रम का सफल समन्वय सहायक महाप्रबंधक मंजरी श्रीवास्तव, प्रबंधक जयनारायण यादव, सच्चिदानन्द मिश्रा, सहायक प्रबंधक एस. के. डी. भौमिक एवं अन्य सहयोगियों द्वारा अत्यंत कुशलतापूर्वक किया गया।

उत्कृष्टता की ऊंचाइयों पर पहुंचाती हैं प्रतियोगिताएं : दत्त-समारोह को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने कार्मिकों के नवाचार और अटूट समर्पण की प्रशंसा की और सभी विजेताओं को बधाई दी। अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने विजेताओं की अद्वितीय तकनीकी कुशलता की सराहना करते हुए स्पष्ट किया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होती हैं। यह प्रतियोगिता बोकारो इस्पात संयंत्र के कार्मिकों की तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कार्यस्थल पर सुरक्षा और गुणवत्ता के मानकों में क्रांतिकारी सुधार होता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता और भविष्य की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए एक अत्यंत कुशल कार्यबल तैयार करने में भी सहायक सिद्ध होता है।

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सदर अस्पताल में चला सफाई अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिला गंगा समिति, बोकारो के तत्वावधान में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को सदर अस्पताल परिसर में एक वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य न केवल अस्पताल परिसर को स्वच्छ बनाना था, बल्कि आम नागरिकों को स्वच्छता और उससे जुड़े स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना भी था। नमामि गंगे परियोजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने जल स्रोतों की स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के अटूट संबंध को रेखांकित किया। इस अभियान की सफलता में सदर अस्पताल के प्रशिक्षुओं और सफाई कर्मियों ने अत्यंत सराहनीय और सक्रिय भूमिका निभाई। उत्साह से लबरेज इन युवाओं और कर्मियों ने मिलकर अस्पताल के विभिन्न वार्डों के बाहरी हिस्सों, गलियारों और सार्वजनिक स्थलों की गहन सफाई की। झाड़ू थामकर सफाई करते हुए इन लोगों ने समाज को यह कड़ा संदेश दिया कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखना किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सफाई कार्य के उपरांत आयोजित जागरूकता सत्र में उपस्थित लोगों को स्वच्छता के गहन महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि एक स्वच्छ और कीटाणुमुक्त वातावरण न केवल बीमारियों को रोकने के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारे जल स्रोतों, जैसे कि पवित्र गंगा और अन्य नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने की दिशा में भी पहला महत्वपूर्ण कदम है। जब हम अपने परिवेश को कचरा मुक्त रखते हैं, तभी नदियों में जाने वाले अपशिष्टों को रोका जा सकता है। मौके पर अस्पताल के प्रशासक, प्रशासनिक कर्मचारी, नोडल पदाधिकारी तथा डीपीओ (नमामि गंगे) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में स्वच्छता बनाए रखने और समाज के हर वर्ग में इसके प्रति निरंतर जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियान केवल पखवाड़े तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इन्हें दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा ताकि बोकारो को एक स्वस्थ और स्वच्छ जिला बनाया जा सके।

संपत्ति विवाद में लहराई पिस्टल, आरोपी हिरासत में

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के चास थाना क्षेत्र अंतर्गत राणा प्रताप नगर में मंगलवार को पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे को लेकर उपजा विवाद उस समय बेहद संगीन हो गया, जब एक युवक सरेआम पिस्टल लहराते हुए अपने ही परिजनों को डराने-धमकाने पहुंच गया। गनीमत रही कि आरोपी युवक की नजर पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे पर पड़ गई, जिसे देखते ही उसने गोली नहीं चलाई और अनहोनी टल गई। घटना की सूचना मिलते ही चास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के संबंध में पीड़ित पक्ष के सूरज राणा ने बताया कि विवाद का मुख्य कारण घर की छत पर बाउंड्री वॉल के निर्माण को लेकर था। उन्होंने जानकारी दी कि परिवार में संपत्ति का बंटवारा पहले ही आपसी सहमति से हो चुका था, जिसके अनुसार छत पर बनी 10 इंच की पुरानी दीवार को तोड़कर दोनों पक्षों को अपने-अपने हिस्से में 5-5 इंच की अलग-अलग दीवार बनानी थी। मंगलवार को जब इसी निर्माण कार्य के लिए राजमिस्त्री को बुलाया गया, तभी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई जो देखते ही देखते हिंसक मोड़ लेने लगी। सूरज राणा ने आरोप लगाया कि उनके चाचा दिनेश राणा और भाई आशुतोष राणा ने काम रुकवा दिया और इसी गहमागहमी के बीच आशुतोष अचानक पिस्टल लेकर वहां पहुंच गया। आशुतोष ने सरेआम हथियार निकालकर जान से मारने की धमकी देने का प्रयास किया, लेकिन तकनीक की निगरानी (सीसीटीवी) ने उसे बड़ी वारदात करने से रोक दिया। फिलहाल चास पुलिस ने एहतियात के तौर पर दोनों तरफ से एक-एक शख्स को हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सर्किट हाउस का होगा कायाकल्प, अब 'बोकारो थाली' से सजेगा दस्तरखान

» सुरक्षा और स्वच्छता के लिए तैनात होगी नई एजेंसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो परिसदन (सर्किट हाउस) को आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया है। समाहरणालय में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित बोकारो परिसदन संचालन समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस नई कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य परिसदन के संचालन, सुरक्षा और खान-पान की व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार करना है, ताकि यहां रुकने वाले विशिष्ट अतिथियों और अधिकारियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकें। परिसदन के बेहतर प्रबंधन के लिए अब होटल उद्योग और आवासीय भोजन व्यवस्था में अनुभवी एक पेशेवर एजेंसी का चयन खुली निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि एजेंसी का चयन तकनीकी मूल्यांकन और प्रेजेंटेशन के आधार पर पारदर्शी तरीके से हो। चयनित एजेंसी के कार्यों की एक वर्ष तक समीक्षा की जाएगी और संतोषजनक प्रदर्शन पर ही अनुबंध का विस्तार होगा। इसके अलावा, परिसदन में कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी और उनके लिए ड्रेस कोड व आईडी कार्ड अनिवार्य किया जाएगा, जिससे एक अनुशासित और पेशेवर वातावरण सुनिश्चित हो सके।

24 घंटे सुरक्षा और स्वच्छता की गारंटी-परिसदन की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए अब 24 घंटे सुरक्षा गार्डों की तैनाती रहेगी और पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। स्वच्छता और हाइजीन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सफाई कर्मियों की 24×7 शिफ्टवार तैनाती का निर्णय लिया गया है। समिति के सदस्य हर सप्ताह परिसर का औचक निरीक्षण करेंगे और अपनी विस्तृत रिपोर्ट सीधे उपायुक्त को सौंपेंगे, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे। इस नई पहल की सबसे अनूठी विशेषता स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देना है। अतिथियों के लिए विशेष रूप से बोकारो थाली, बोकारो स्पेशल वेज थाली और बोकारो स्पेशल नॉन-वेज थाली की व्यवस्था की जाएगी। इन थालियों का दर निर्धारण संचालन समिति करेगी, ताकि गुणवत्ता के साथ-साथ किफायती दाम भी सुनिश्चित हों। संचालन करने वाली एजेंसी को सुबह के नाश्ते और अन्य समय के भोजन के लिए एक विशेष मेनू तैयार करना होगा, जिसे समिति से अनुमोदित कराना अनिवार्य होगा। बैठक में डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, नजारत उप समाहर्ता प्रभाष दत्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस पुनरुद्धार योजना से न केवल परिसदन की सूरत बदलेगी, बल्कि यह जिले की मेहमाननवाजी और क्षेत्रीय पहचान को भी एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

नन्हे कदमों के बड़े सपनों को मिला ईएसएल स्टील का साथ

» सिंदूरपेटी नंदघर में डिप्टी सीईओ ने बच्चों के साथ बांटीं खुशियां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने और सामुदायिक जुड़ाव को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से ईएसएल स्टील लिमिटेड की सीएसआर टीम ने सिंदूरपेटी स्थित वेदांता समर्थित नंदघर में एक विशेष नेतृत्व दौरे का आयोजन किया। इस गरिमामय पहल का नेतृत्व स्वयं ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीईओ एवं होल-टाइम डायरेक्टर रवीश शर्मा ने किया, जिनकी आत्मीय उपस्थिति ने इस पूरे आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक बना दिया। यह दौरा केवल एक औपचारिक निरीक्षण मात्र नहीं था, बल्कि इसने बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामूहिक प्रगति का एक सशक्त संदेश प्रसारित किया।

समारोह के दौरान श्री शर्मा के साथ ईएसएल स्टील के सीएसआर हेड कुणाल दरिपा, बिजुलिया के मुखिया बसुदेव राजवार और द अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के शिक्षा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर आनंद कुमार सहित सीएसआर टीम के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के भव्य स्वागत के साथ हुआ, जिसके उपरांत नंदघर पहल के माध्यम से बच्चों की शिक्षा और पोषण पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभावों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने मनमोहक कविता पाठ कर पूरे माहौल को भावनात्मक और खुशनुमा बना दिया, वहीं उपस्थित अभिभावकों ने भी नंदघर से मिल रहे लाभों पर अपने सुखद अनुभव साझा किए।

पारस्परिक सम्मान और सौहार्द के प्रतीक के रूप में इस दौरान मुखिया और कंपनी प्रतिनिधियों के बीच शॉल का आदान-प्रदान किया गया। अतिथियों ने वहां आयोजित पारंपरिक गोधभराई और अन्नप्राशन समारोह में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो नंदघर के उस समग्र विकास दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है जिसमें मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वह पल रहा जब बच्चों के बीच स्कूल बैग और पानी की बोतलों का वितरण किया गया। ये छोटे-छोटे उपहार असल में बच्चों के बड़े सपनों को हकीकत में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा परिसर में पौधारोपण किया गया, जो एक बेहतर, समृद्ध और हरित भविष्य के प्रति ईएसएल स्टील की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सामुदायिक उत्थान की दिशा में हम प्रतिबद्ध : शर्मा-इस विशेष अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए रवीश शर्मा ने कहा कि ईएसएल स्टील में हम स्वयं को केवल उद्योग तक सीमित नहीं मानते, बल्कि समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह वचनबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि नंदघर एक ऐसा पवित्र स्थान है जहां बच्चों का भविष्य संवारा जाता है और माताओं को आवश्यक सहयोग मिलता है, और इन बच्चों के चेहरों पर खिलखिलाती मुस्कान देखना ही हमारे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। वास्तव में वेदांता की यह नंदघर पहल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव को एक सूत्र में पिरोने का एक अनुकरणीय मॉडल है। ईएसएल स्टील ऐसे निरंतर प्रयासों के माध्यम से समाज को अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि नंदघर की सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़े और अंतिम व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंच सके।

बोकारो में तालगड़िया से आईटीआई मोड़ और उकरीद मोड़ से स्टेशन तक बनेंगे फ्लाईओवर

» सड़क सुरक्षा पर डीसी का कड़ा रुख, निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश

» ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर अब रोजाना होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस उच्चस्तरीय बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को सुधारने, दुर्घटनाओं में कमी लाने और जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा अब जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारूति मिंज सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शहर में बढ़ते वाहनों के दबाव और लगातार लगने वाले जाम को देखते हुए उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को एक दूरगामी निर्देश दिया है। उन्होंने तेलगड़िया मोड़ से आईटीआई मोड़ तक तथा उकरीद मोड़ से बीएस सिटी रेलवे स्टेशन मोड़ तक फ्लाईओवर निर्माण हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। एनएचएआई को इस दिशा में तकनीकी पहलुओं, लागत आकलन और व्यवहार्यता रिपोर्ट शीघ्र समर्पित करने का आदेश दिया गया है, ताकि भविष्य में सुगम और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थलों जैसे उकरीद मोड़ से स्टेशन चौक तक स्थायी व अस्थायी बैरिकेडिंग करने और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

हर दिन चलेगा अब विशेष जांच अभियान-सड़क सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए अब पुलिस और ट्रैफिक विभाग को प्रतिदिन विशेष अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि तेज गति से वाहन चलाने वाले और बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों के विरुद्ध अब रोजाना कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अभियान केवल औपचारिक नहीं होना चाहिए बल्कि इसका असर धरातल पर दिखना चाहिए। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन आवर के भीतर उपचार मिले, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को पेटरवार और चंदनकियारी में ट्रॉमा सेंटर संचालित करने हेतु ठोस प्रस्ताव तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया है।

रोड जाम कर परेशान करनेवालों की अब खैर नहीं-बैठक में एक और सख्त निर्णय लेते हुए उपायुक्त ने कहा कि अनावश्यक रूप से सड़क जाम कर आम जनता को परेशान करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अब नामजद प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाएगी। हर माह इसकी समीक्षा होगी कि कितनी घटनाओं पर कानूनी कार्रवाई हुई। दूसरी ओर, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले 'गुड समैरिटन' (नेक मददगारों) को चिन्हित कर सम्मानित किया जाएगा ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए। विशेष रूप से पेटरवार चौक पर लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए थाना प्रभारी और अंचलाधिकारी को अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध संयुक्त रूप से जुर्माना वसूलने और नियमित निगरानी रखने का सख्त आदेश दिया गया है।

साबुन कारोबारी के खाते से 17 लाख का रहस्यमयी लेनदेन, बैंक ने फ्रीज किया अकाउंट तो उड़े होश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: स्टील सिटी के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र अंतर्गत बारी कोऑपरेटिव कॉलोनी में बैंकिंग धोखाधड़ी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने डिजिटल सुरक्षा के दावों की पोल खोल कर रख दी है। आस्था एंटरप्राइजेज की प्रोपराइटर जूली कुमारी के बैंक खाते से पिछले दो-तीन महीनों के भीतर उनकी जानकारी के बिना ही 17 लाख रुपये का भारी-भरकम ट्रांजैक्शन हो गया। यह सनसनीखेज खुलासा तब हुआ जब संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए बैंक ने खुद ही खाते को 'फ्रीज' कर दिया। अब पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लेकर साइबर थाने के चक्कर काट रहा है।

किडनी की मरीज माँ की सेवा में व्यस्त था परिवार, पीछे से साफ हो गई गाढ़ी कमाई-पीड़िता के पति शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने हाल ही में साबुन की एजेंसी खोली थी। उनकी मां किडनी की गंभीर मरीज हैं, जिनकी देखभाल और इलाज में व्यस्त रहने के कारण वे पिछले कुछ समय से न तो बैंक जा सके और न ही मोबाइल पर ट्रांजैक्शन के मैसेज चेक कर पाए। उन्हें इस वित्तीय शिकंजे का अहसास तब हुआ जब वे घर के खर्च के लिए पैसे निकालने पंजाब एंड सिंध बैंक पहुँचे। वहां अधिकारियों ने जब 17 लाख के लेनदेन की बात बताई, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

एफडी पर लिया था ओवरड्राफ्ट, अब लगा 17 लाख का झटका-शैलेंद्र कुमार सिंह के अनुसार, उनके खाते में 8 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) है, जिस पर उन्होंने ओवरड्राफ्ट (ओडी) की सुविधा ले रखी थी। इसी खाते से दुकान और घर का सारा काम चलता था। लेकिन उनकी जानकारी के बिना इतनी बड़ी राशि का हेरफेर किसने और कैसे किया, यह अभी भी एक गहरा राज बना हुआ है। उन्होंने आशंका जताई है कि वे किसी बड़े साइबर ठगी नेटवर्क के शिकार हुए हैं। बैंक का कहना है कि गहन जांच के बाद ही पता चलेगा कि यह पैसा किन-किन खातों में ट्रांसफर किया गया है। बोकारो साइबर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बैंक स्टेटमेंट का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है ताकि पता चल सके कि यह किसी तकनीकी खामी का नतीजा है या फिर शातिर साइबर अपराधियों की कोई सोची-समझी साजिश। पुलिस ने आम नागरिकों को भी चेतावनी दी है कि वे अपने बैंक अलर्ट्स और मैसेज को कभी नजरअंदाज न करें, क्योंकि आपकी एक छोटी सी लापरवाही उम्र भर की कमाई पर भारी पड़ सकती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कासियाटांड़ 8-लेन के पास खदान में मिला 3 दिन पुराना शव, पहचान में जुटी पुलिस

धनबादः जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत कासियाटांड़ स्थित 8-लेन सड़क के पास बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद पड़े पत्थर क्रेशर के समीप लगभग 80 फीट गहरी खदान से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ।

शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी तुरंत बरवाअड्डा थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस जाँच-पड़ताल में जुट गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शव से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि घटना दो से तीन दिन पुरानी हो सकती है।

मृतक की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसके सिर पर गहरे चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय निवासी मनोहर महतो ने भी अंदेशा जताया कि किसी ने व्यक्ति की हत्या कर शव को खदान में फेंक दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि वह कहाँ का रहने वाला था। खदान की गहराई अधिक होने के कारण शव को बाहर निकालना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस की टीम शव को बाहर निकालने के प्रयास के साथ-साथ मामले की गहन जाँच कर रही है।

उप विकास आयुक्त ने योजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

धनबादः बुधवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने अपने कार्यालय कक्ष में कार्यकारी एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के बाद कार्यों में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त ने संबंधित एजेंसियों को लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिया।

प्रबंधन की हठधर्मिता के खिलाफ गरजे बैंककर्मी, जोरदार प्रदर्शन

बोकारो : बोकारो सहित देशभर में बैंक प्रबंधन की कथित मनमानियों और कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी के खिलाफ विरोध की आवाज बुलंद हो गई है। फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत बुधवार शाम आंचलिक कार्यालय के समक्ष एक विशाल और आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने प्रबंधन की नीतियों के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और अपनी एकता का परिचय देते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, संघर्ष जारी रहेगा।आंदोलन के इस चरण में यूनियन के सदस्यों ने न केवल शक्ति प्रदर्शन किया, बल्कि आंचलिक प्रबंधन को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से बैंक प्रबंधन को कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांगों से औपचारिक रूप से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की चेतावनी दी गई है। यूनियन नेताओं का कहना है कि प्रबंधन की मनमानी कार्यशैली से कर्मचारियों में भारी असंतोष है और यह प्रदर्शन उसी आक्रोश की एक झलक है।

इस विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने में कई समर्पित पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मुख्य रूप से प्रियंका कुमारी, रामजी कुमार, शशि मिश्रा और ब्रजेश ने आंदोलन की कमान संभाली। इनके साथ ही विनय कुमार, सुजीत झा, सरयू शर्मा, धर्मेंद्र, नागेंद्र सिंह और सुजाता कुमारी ने भी कंधे से कंधा मिलाकर प्रदर्शन का नेतृत्व किया। यूनियन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया है और आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करने के संकेत दिए हैं।

पत्रकार विप्लव को मातृशोक

बोकारोः जिले के जैनामोड़ निवासी सेवानिवृत बीएसएल कर्मी दीनबंधु सिंह की धर्मपत्नी एवं पत्रकार विप्लव सिंह की माता सुजाता देवी (57) का बुधवार को आसामयिक निधन हो गया। वह कुछ समय से अस्वथ्य चल रही थी। बुधवार की सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, तो अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन पर स्थानीय पत्रकारों, समाजसेवियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

राज्य की पहली 8 लेन सड़क की गुणवत्ता पर सवाल, विधानसभा में राज सिन्हा ने की जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बुधवार को राज्य की पहली 8 लेन सड़क के धंसने का मामला विधानसभा में उठाया। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि मंगलवार को झारखंड मोड़ से 99 कोयलांचल सिटी के बीच सर्विस लेन में धंस कर बड़ी गोफ बन गया। विधायक ने सदन में बताया कि अक्टूबर 2024 में गोल बिल्डिंग से लेकर काको मठ के बीच 20 किलोमीटर लंबी 8 लेन सड़क का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था। इतनी जल्दी लगातार लगभग तीन-चार महीने के अंतराल पर आधा दर्जन स्थानों पर यह सड़क बुरी तरह धंस चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक के लोन से बनी इस सड़क का उद्घाटन के 24 घंटे के बाद से ही धंसना शुरू है। जो अब तक जारी है। इस रोड की गुणवत्ता एवं निर्माण की अविलंब जांच कराई जाने की जोरदार मांग की। विधायक के मांग पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने निश्चित रूप से जल्द से जल्द जांच कराए जाने की बात कही।

विधायक ने शून्य काल के दौरान ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य अंतर्गत सभी जिलों में लोकपाल की नियुक्ति एवं उन्हें हटाने के संबंध में अहम सवाल किया। उन्होंने पूछा की नियुक्ति के बाद विभागीय आदेश से उन्हें हटा दिया गया एवं नई नियुक्तियां नहीं होने के कारण विभाग और संवेदक की मिली भगत से मनरेगा संबंधित कार्य में अनियमितताएं और मशीनों द्वारा कार्य किया जा रहा है। जो उच्च स्तरीय जांच का विषय है। विधायक ने मांग की कि जब तक नहीं

नियुक्तियां नहीं हो तब तक पूर्व के लोकपालों से कार्य लिया जाए।

विधायक ने कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से संबंधित अहम सवाल किया। उन्होंने कहा कि विभाग के द्वारा वर्ष 2024 -25 में फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना का क्रियान्वयन किया गया था। जिसके अंतर्गत किसानों के मध्य पौधा संरक्षण केंद्रों को स्थापित कर कीटनाशक ,फफूंदी नाशक एवं खरपतवार नाशक दवाओं का वितरण किया जाना था। फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 करोड रुपए ,वित्तीय वर्ष 2025 -26 में 21 करोड़ को घटाते हुए तृतीय वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजटीय प्रावधान 15 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने सवाल किया कि,किस आधार पर बजट कटौती की गई है?

विधानसभा में अल्प सूचित प्रश्न के तहत सवाल किया कि क्या यह बात सही है कि विभाग में भूमि संरक्षण पदाधिकारी और जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी का पद झारखंड सरकार की विभागीय अधिसूचना अ.स. 06/कृ. स्था./ विविध -01/2014 1683/ रांची दिनांक -21/07/2022 के अनुसार कोटि- 01 (राज्य) के लिए चिन्हित किया गया है. क्या यह बात सही है कि झारखंड कृषि सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली 2013 के कंडिका 15.3 के अनुसार सिर्फ विशेष परिस्थिति में किसी एक पदाधिकारी को दूसरे कोटि में पदस्थापन किया जा सकता है. और वह भी कार्यहित को ध्यान में रखकर सीमित अवधि के लिए किया जा सकता है?

क्या यह बात सही है कि ,कोटि 01 (शस्य) कोटि -(कृषि रसायन), कोटि- 05(पौधा संरक्षण) और कोटि -07(उद्यान) मिलाकर 68 कृषि स्नातक पदाधिकारी होते हुए भी विभाग किसी विशेष परिस्थिति में कोटि -02 (कृषि अभियंत्रण) के ज्यादातर पदाधिकारी को भूमि संरक्षण पदाधिकारी और जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित कर रहे हैं?

तो क्या सरकार स्पष्ट करना चाहेगी कि वर्ष 2022 के झारखंड कृषि सेवा में चयनित पदाधिकारी में से पदाधिकारी पदस्थापन एवं स्थानांतरण नीति कृषि.स्था. -107/01-2013 कृ. सचि., रांची दिनांक 22.12.201 के कंडिका 13 के अनुसार कितने पदाधिकारी प्रशिक्षण पास किए हैं? एवं बिना प्रशिक्षण के किस आधार पर पदस्थापन की गई है?

बरोरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

» डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): ईद एवं रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से बरोरा थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थाना प्रभारी साधन कुमार ने की। पुलिस जन सहयोग समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर त्योहारों को भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ मनाने का संकल्प लिया तथा प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी साधन कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी जुलूस एवं शोभायात्राएं केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग पर ही निकाली जाएंगी और किसी भी प्रकार का रूट उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर अफवाह, भ्रामक या उकसाने वाली खबर साझा करना दंडनीय अपराध होगा। थाना प्रभारी ने बताया कि त्योहारों के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा सोशल मीडिया पर लगातार पैनी नजर रखी जाएगी। जेके झा, मिथलेश कुमार, देवानंद साव, विनय पांडेय, छोटन अंसारी, कुदूस अंसारी, गौतम मंडल, देवानंद राजभर, निप्पू सिंह, हासिम अंसारी, समीर अंसारी, गोपाल सिंह, मंगल हेमब्रम, गोकुल रवानी, शिवजी सिंह, गौतम सिंह मास्टर, शशि यादव, बिनोद सिंह, प्रदीप रवानी, विनय विसियार, चन्द्रभूषण तिवारी और संतोष चौहान सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आईआईटी (आईएसएम) ने जनजातीय छात्रों के लिए आईटी स्किल विकास पहल को दी नई गति

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः समावेशी और प्रभावशाली शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने झारखंड के जनजातीय छात्रों के लिए बेसिक और एडवांस्ड आईटी एवं कंप्यूटर स्किल्स पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। यह कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत संचालित किया जा रहा है।

इस पहल का संचालन प्रो.रश्मि सिंह (ऑपरेशंस एवं एनालिटिक्स) और प्रो.निलाद्रि दास (फाइनेंस) द्वारा, प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग (DMSIE) के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय छात्रों के बीच डिजिटल साक्षरता बढ़ाना और उन्हें रोजगार उन्मुख कौशलों से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत 18–19 मार्च 2026 को ईएमआरएस तमार (रांची) और ईएमआरएस कुजरा (लोहरदगा) में कक्षा 10, 11 और 12 के छात्रों के लिए मिड-सेमेस्टर परीक्षा एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। यह पहल छात्रों के सीखने के स्तर का आकलन करने के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है।

प्रशिक्षण में एमएस ऑफिस, एडवांस्ड स्प्रेडशीट टूल्स और पाइथन प्रोग्रामिंग जैसे विषयों को शामिल किया गया है, जिससे छात्रों में डेटा आधारित सोच, विश्लेषण क्षमता और वास्तविक समस्याओं के समाधान की समझ विकसित हो सके। कार्यक्रम की विशेषता इसका इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच है, जिसमें आईटी स्किल्स को फाइनेंस और एनालिटिक्स के साथ जोड़ा गया है।

यह पहल न केवल डिजिटल शिक्षा को मजबूत कर रही है, बल्कि एक ऐसा स्केलेबल मॉडल तैयार कर रही है, जिसे व्यापक स्तर पर लागू किया जा सकता है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद का यह प्रयास देश के जनजातीय युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

उपायुक्त ने महापौर व वार्ड पार्षदों को दिलाई शपथ

» महापौर संजीव सिंह ने नवनिर्वाचित उप-महापौर अरुण कुमार चौहान को दिलाई शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 में धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर संजीव सिंह एवं सभी 55 वार्ड पार्षदों को समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में शपथ दिलाई।

सर्वप्रथम उपायुक्त ने धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर संजीव सिंह को शपथ दिलाई। इसके बाद धनबाद नगर निगम के सभी 55 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद धनबाद नगर निगम के उप-महापौर के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। दोपहर 12:30 बजे से 1:00 बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रुटनी की गई। तत्पश्चात विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई। जबकि दोपहर 1:30 बजे से 1:45 बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित किया गया। तत्पश्चात 1:45 बजे से 2:15 बजे तक मत पत्र की तैयारी की गई। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे से 3:00 बजे तक धनबाद नगर निगम के उप-महापौर के लिए मतदान किया गया। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई।

जिसमें अरुण कुमार चौहान विजय घोषित किए गए। नगर निगम चुनाव में महापौर के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने नवनिर्वाचित उप महापौर को प्रमाण पत्र सौंपा। अरुण कुमार चौहान को 50 वोट प्राप्त हुए। जबकि दूसरे स्थान पर मेनका सिंह को 5 वोट प्राप्त हुए। इसके बाद धनबाद नगर निगम के मेयर संजीव सिंह ने उप महापौर को शपथ दिलाई।

इस मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) मुकेश कुमार बाउरी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बाल किशोर महतो, विशाल कुमार पांडेय, संजय झा, राम विलास राम, रूपेश मिश्रा, सुशील सिन्हा, आनंद पटेल, प्रशांत झा, विजय कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, अंशु देव, उमेश प्रमाणिक, नाविक कुमार के साथ सभी 55 वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र के छत का प्लास्टर गिरा, बाल-बाल बचे बच्चे

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

बाघमारा (धनबाद): बाघमारा पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 4 के भवन के छत का प्लास्टर टूट कर गिर गया। इस घटना में बेंच आदि क्षतिग्रस्त हो गया। संयोग ही था कि घटना के समय कमरे में बच्चे नहीं थे, अन्यथा बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। सेविका ज्योति कुमारी ने बताया कि बच्चों को खाना खिलाने के बाद घर जाने को कहा। वह स्वयं भी प्रखंड कार्यालय जाने के लिए निकल गई। उस समय केंद्र में सहायिका मामूनी रविदास मौजूद थी। बताया कि इसके बाद छत के प्लास्टर का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया। घटना के बाद अभिभावक डर के मारे बच्चों को केंद्र भेजने से कतरा रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब तक क्षतिग्रस्त छत की मरम्मती नहीं हो जाती या वैकल्पिक तौर पर दूसरी जगह कक्षा नहीं लिया जाता, बच्चों को केंद्र नहीं भेजेंगे।

मुखिया कल्पना गोराय व पूर्व मुखिया संजीत गोराय ने केंद्र पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली। सेविका ज्योति कुमारी ने इस संबंध में बलियापुर की सीडीपीओ को आवेदन देकर इसकी जानकारी दी है। विभाग की पर्यवेक्षका मुसर्रत नसिर ने सेबिका के आवेदन पर क्षतिग्रस्त प्लास्टर की मरम्मती यथाशीघ्र करने की अनुशंसा की है।

शिक्षकों को दिया गया विद्यालय के आधारभूत संरचना और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के द्वारा शिक्षा स्तर को सुधारने और स्कूलों के बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट इम्पैक्ट' के तहत एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में धनबाद सदर एवं तोपचांची प्रखंड के सभी मध्य विद्यालयों (मिडिल स्कूल्स) के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर जोर देने के लिए नए शिक्षण तरीकों की जानकारी दी गई। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को और अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के गुर सिखाए गए।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है। विद्यालय की स्वच्छता, अनुशासन और बच्चों की सृजनात्मकता को बढ़ावा देना 'प्रोजेक्ट इम्पैक्ट' का प्राथमिक लक्ष्य है।

धनबाद सदर और तोपचांची प्रखंड के शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा की और इसे अपने-अपने विद्यालयों में लागू करने का संकल्प लिया।

उप विकास आयुक्त ने अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों को दिलाई शपथ

» अध्यक्ष सुनीता देवी ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव को दिलाई शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बुधवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 में चिरकुंडा नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनीता देवी एवं सभी 21 वार्ड पार्षदों को समाहरणालय के तृतीय तल पर स्थित कमरा नंबर 314-315 स्थित सभागार में शपथ दिलाई।

सर्वप्रथम उन्होंने चिरकुंडा नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनीता देवी को शपथ दिलाई। इसके बाद चिरकुंडा नगर परिषद के सभी 21 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। दोपहर 12:30 बजे से 1:00 बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रुटनी की गई। तत्पश्चात विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई। जबकि दोपहर 1:30 बजे से 1:45 बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित किया गया। तत्पश्चात 1:45 बजे से 2:15 बजे तक मत पत्र की तैयारी की गई। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे से 3:00 बजे तक चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए मतदान किया गया। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई।

जिसमें विजय कुमार यादव विजय घोषित किए गए। चिरकुंडा नगर परिषद के निर्वाची पदाधिकारी सह एडीएम सप्लाई मोहम्मद जियाऊल अंसारी ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को प्रमाण पत्र सौंपा। विजय कुमार यादव को 12 वोट प्राप्त हुए। जबकि दूसरे स्थान पर मोहम्मद जियाउद्दीन को 9 वोट प्राप्त हुए। इसके बाद चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष को शपथ दिलाई।

इस मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, निर्वाची पदाधिकारी सह एडीएम सप्लाई मोहम्मद जियाऊल अंसारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ कलियासोल जय प्रकाश नारायण, अंचल अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, संदीप कुमार महतो, अजय कुमार महतो, राजेंद्र राय व सभी 21 वार्ड के पार्षद उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

दुमका सिविल कोर्ट में समर टाइमिंग लागू

दुमका : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुमका के कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार गर्मी के मौसम को देखते हुए सिविल कोर्ट एवं न्यायालयीन कार्यालयों के समय में बदलाव किया गया है।

जारी आदेश (संख्या- 70/2026) के अनुसार दुमका सिविल कोर्ट में सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक न्यायालय की बैठक होगी। वहीं न्यायालयीन कार्यालय सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कार्य करेंगे।

इसके साथ ही सुबह 9:00 बजे से 9:30 बजे तक आधे घंटे का अवकाश भी निर्धारित किया गया है।

यह नई समय-सारिणी 6 अप्रैल 2026 से लागू होकर जून 2026 के अंतिम शनिवार (27 जून 2026) तक प्रभावी रहेगी।

इस संबंध में सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

कृष्ण बाल लीलाओं से गूंजा कथा पंडाल, भक्तिमय हुआ माहौल

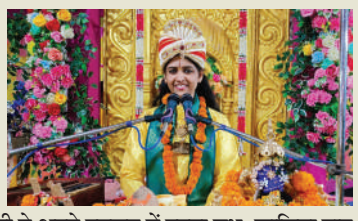

दुमका : रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत बौड़िया में चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालु श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का श्रवण कर भक्ति भाव में सराबोर हो उठे। कथा वाचिका दिव्या देवी ने अपने प्रवचन में पूतना वध, कालिया नाग मर्दन, नामकरण संस्कार और गोवर्धन पूजा का विस्तार से वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

कथा में उन्होंने बताया कि बालकृष्ण ने पूतना का उद्धार कर उसे मोक्ष प्रदान किया। साथ ही नारद मुनि के कहने पर भगवान शिव के गोकुल आगमन और बालकृष्ण के दर्शन की कथा का भी सुंदर चित्रण किया गया। कालिया नाग मर्दन प्रसंग में कृष्ण के साहस और दिव्य शक्ति का वर्णन करते हुए बताया गया कि कैसे उन्होंने यमुना को विषमुक्त किया।

कथा के दौरान जैसे ही बाल लीलाओं का प्रसंग आया, पूरा पंडाल "जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा। भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धालु झूमते नजर आए और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिसमें ग्रामवासियों का भी सराहनीय सहयोग दिखा।

बाल विवाह पर सख्त पुलिस, बेटियों की शिक्षा पर जोर

पाकुड़ : बाल विवाह की कुरीति को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने स्पष्ट किया है कि बाल विवाह कानूनन अपराध होने के साथ-साथ बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है। उन्होंने समाज से इस कुप्रथा के खिलाफ एकजुट होकर काम करने की अपील की।

निधि द्विवेदी ने कहा कि बाल विवाह रोकना केवल प्रशासन नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और कम उम्र में शादी से बचें।

उन्होंने कहा कि बचपन सीखने और आगे बढ़ने का समय होता है, इसे जिम्मेदारियों के बोझ तले दबाना गलत है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और कानून की जानकारी मिल सके।

प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर इस कुरीति पर रोक लगाई जा सके।

गोड्डा ट्रिपल मर्डर से दहशत, तीन आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा : जिले के देवडाँड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत डांगा विशु टोला गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की बेरहमी से हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। 17 मार्च की सुबह घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतकों की पहचान दरबारी मुर्मू, मक्कु बास्की और जीतराम मुर्मू के रूप में हुई है। तीनों की हत्या धारदार हथियार से सिर पर वार कर की गई।

प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे आपसी गोतिया विवाद की बात सामने आई है। वादिनी के आवेदन के आधार पर देवडाँड़ थाना में कांड संख्या 10/2026 दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी संतलाल मुर्मू, हेमलाल मुर्मू और तालाबाबु मुर्मू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर खून से सनी दो टांगी भी बरामद की है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अमित मार्की के नेतृत्व में महाबीर पंडित सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है।

पाकुड़ में पुलिसिंग को मिला बूस्ट, 11 नए पेट्रोलिंग वाहन सड़कों पर उतरे

- नए वाहनों से पुलिस की कार्यक्षमता और रिस्पॉन्स टाइम बढ़ेगा– डीसी
- शहर से गांव तक तेज होगी पुलिस की पहुंच– एसपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़: जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बुधवार को एक अहम पहल की गई। राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए 11 नए पेट्रोलिंग बोलेरो वाहनों को समाहरणालय परिसर से विभिन्न थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने पारंपरिक तरीके से नारियल फोड़कर एवं हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

इस मौके पर उपायुक्त मनीष कुमार ने राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन आम नागरिकों की सुरक्षा और बेहतर विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नए वाहनों के जुड़ने से पुलिस की कार्यक्षमता और प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा, जिससे आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि इन संसाधनों से जिले में शांति और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा।

वहीं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि नए पेट्रोलिंग वाहनों के मिलने से पुलिसिंग व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने बताया कि इन वाहनों के जरिए शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी।

एसपी ने जानकारी दी कि सभी वाहनों को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। इनका उपयोग नियमित पेट्रोलिंग, विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं आपातकालीन परिस्थितियों में किया जाएगा। इससे अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और आम लोगों में सुरक्षा की भावना और मजबूत होगी।

त्योहारों पर शांति के लिए प्रशासन सख्त, अफवाह फैलाने पर चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : ईद, रामनवमी, गुड फ्राइडे और सरहुल को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। बुधवार को बाजार समिति सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई, जिसमें अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में तय किया गया कि ईद की नमाज केवल निर्धारित ईदगाह और मस्जिदों में ही होगी, जहां सुरक्षा, साफ-सफाई और पेयजल की समुचित व्यवस्था रहेगी। वहीं रामनवमी पर जुलूस तय रूट और समय के अनुसार ही निकलेगा, बिना अनुमति जुलूस पर रोक रहेगी। डीजे और तेज ध्वनि यंत्रों के उपयोग को नियंत्रित रखने तथा भड़काऊ गानों और भाषणों से परहेज करने का निर्देश दिया गया।

डीसी मनीष कुमार ने लोगों से भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की, जबकि एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, गश्ती और सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

बैठक में साइमन मरांडी, जेम्स सुरीन, जितेंद्र कुमार, दयानंद आजाद, विजय कुमार सहित कई पदाधिकारी और धर्मगुरु उपस्थित रहे।

सहियाओं के लिए ढाल बने विधायक स्टीफन, दिलाया बकाया मानदेय

- सहियाओं के खाते में पहुंचे 24 हजार, विधायक का जताया आभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़: झारखंड की स्वास्थ्य सहियाओं के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। करीब 14 महीने से लंबित मानदेय का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। राज्य सरकार ने प्रत्येक सहिया के खाते में 24,000 रुपए एकमुश्त बकाया राशि के रूप में भेज दिए हैं।मानदेय मिलने के बाद पाकुड़िया और महेशपुर प्रखंड की सहियाओं में खुशी का माहौल है। सहियाओं ने इसके लिए महेशपुर के विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी के प्रति आभार जताया है। उनका कहना है कि विधायक ने विधानसभा में मजबूती से उनका मुद्दा उठाया, जिसके बाद सरकार ने यह फैसला लिया।दरअसल, झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रो. स्टीफन मरांडी ने सहियाओं के मानदेय का मुद्दा जोरदार तरीके से रखा था। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा था कि "मैयां सम्मान योजना" के तहत 2,500 रुपए दिए जाते हैं, जबकि स्वास्थ्य सहियाओं को सिर्फ 2,000 रुपए मिलते हैं, जो उनके काम के मुकाबले कम है।उन्होंने यह भी कहा कि सहियाएं अक्सर अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के बाहर धरना देती हैं और कोरोना काल में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विधायक ने सहियाओं का मानदेय बढ़ाकर 10,000 रुपए करने की मांग भी रखी थी।उसी दिन सरकार ने बजट सत्र के दौरान सहियाओं को एक साल का बकाया मानदेय एकमुश्त देने की घोषणा की थी, जिसका भुगतान अब कर दिया गया है।मानदेय मिलने के बाद सहियाएं काफी खुश नजर आ रही हैं और उन्होंने विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी पहल से ही यह संभव हो पाया।

पुलिस का सीसीटीवी-ड्रोन निगरानी के साथ सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार

- त्योहारों से पहले हर संवेदनशील जगह पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर
- पेट्रोलिंग बढ़ाएं, अपराध पर लगाएं ब्रेक– एसपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरूल शेख : पाकुड़: पाकुड़ जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई और कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए गए।एसपी ने सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को निर्देश दिया कि संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा जुलूस के दौरान ड्रोन कैमरे का उपयोग किया जाए। जुलूस मार्ग का भौतिक सत्यापन कर मार्ग में पड़ने वाले धार्मिक एवं संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जुलूस मार्ग में लटके बिजली के तार, क्षतिग्रस्त खंभे और ईंट-पत्थरों को तत्काल हटाने तथा असामाजिक तत्वों पर निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा गया।बैठक में बताया गया कि फरवरी माह में दर्ज 55 मामलों की तुलना में 63 मामलों का निष्पादन किया गया है। शेष लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए।पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए बोलेरो वाहन एवं पूर्व में दिए गए मोटरसाइकिल का उपयोग करते हुए चोरी, गृहभेदन और छिनतई जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सघन पेट्रोलिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।इसके अलावा अवैध कोयला, पत्थर और बालू के उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ जिला खनन टास्क फोर्स के साथ मिलकर नियमित छापेमारी अभियान चलाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया।

पिछले पांच वर्षों में संपत्तिमूलक अपराधों में दोषी अपराधियों का नाम दागी पंजी में दर्ज कर सतत निगरानी रखने तथा पोक्सो और अन्य मामलों के अपराधियों को गुंडा पंजी में शामिल करने का निर्देश दिया गया।लंबित पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन एवं परिवादों का निर्धारित समय के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को देखते हुए सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में विशेष सतर्कता और सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान एससी/एसटी एक्ट से संबंधित धाराओं पर पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया तथा परीक्षा भी आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।

ट्रैक्टर से खेती को रफ्तार, आय बढ़ाने पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : किसानों को आधुनिक कृषि से जोड़ने की दिशा में बुधवार को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत दो स्वयं सहायता समूहों को ट्रैक्टर वितरित किए गए। समाहरणालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार ने लाभुकों को चाबी सौंपी। इस मौके पर अरुण कुमार एक्का, प्रवीण मिश्रा, गुलाम अहमद और सुचित एक्का सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

योजना के तहत रोमाना स्वयं सहायता समूह भवानीपुर और शांति लता स्वयं सहायता समूह पाकुड़िया को ट्रैक्टर दिया गया। लाभुकों ने कहा कि इससे खेती के कार्यों में तेजी आएगी, उत्पादन बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

इस योजना के अंतर्गत ट्रैक्टर पर 50 प्रतिशत और अन्य कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जिससे किसानों को आधुनिक उपकरण कम लागत में मिल रहे हैं।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लाभुकों से ट्रैक्टर का सही उपयोग करने और अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करने की अपील की।

ऐतिहासिक स्थल संथाल काटा पोखर में जल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: रानीश्वर प्रखण्ड अन्तर्गत गोविन्दपुर पंचायत स्थित ऐतिहासिक स्थल संथाल काटा पोखर में "जल महोत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, जिला परिषद् सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया एवं अन्य के द्वारा जल अर्पण कर जल महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के संबंध में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा के द्वारा संक्षिप्त रूप से जानकारी देते हुए यह बताया गया कि जल महोत्सव कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य जल प्रबंधन और संरक्षण करना है। जल संरक्षण के विभिन्न उपायो जैसे जल संचयन, जल का पुनः उपयोग एवं जल की बर्बादी रोकने पर विशेष बल दिया, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकेगें। जल संचयन एवं संर्वद्धन पर ग्रामों में जागरूकता की आवश्यकता के बारे में उनके द्वारा बल दिया गया। इस कार्यक्रम के साथ-साथ सभी ग्रामों में भी जल महोत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम मनाये जाने के बारे में कहा गया। विदित हो कि सभी जलसहियाओं को जिला द्वारा जल की गुणवत्ता जाँच हेतु कीट प्रदान की गयी है एवं समय-समय पर उन्हें जल की गुणवत्ता जाँच करते रहना है। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली पाँच जलसहिया अर्चना दत्ता माल (सुखजोड़ा), मीनु हेम्ब्रम (पाटजोर),अलबिना हाँसदा (सालतोला), हासु घोष (गोविन्दपुर) और श्रीमति अल्पना माल (गोविन्दपुर) को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।उक्त कार्यक्रम के अवसर पर जिला परिषद् सदस्य रानीश्वर विमान सिंह, प्रखण्ड कार्यालय रानीश्वर के पदाधिकारी एवं कर्मी, जिला एवं प्रखण्ड समन्वयक एस०बी०एम०, जनप्रतिनिधिगण, जल सहिया तथा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दुमका में डॉ. प्रवीण तोगड़िया का भव्य स्वागत, बाइक रैली से गूंजा शहर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : दुमका में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया के आगमन पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उनके आगमन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

डॉ. तोगड़िया के स्वागत में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय महिला परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में युवा, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। पूरे शहर में रैली के दौरान जोश और उत्साह का माहौल बना रहा।

बाइक रैली दुधानी टावर चौक से प्रारंभ हुई, जो टिन बाजार चौक, विवेकानंद चौक, डीसी चौक, नगरपालिका चौक, कांडू सिंह चौक सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने स्वागत किया और कार्यक्रम के प्रति अपना समर्थन जताया।

रैली के समापन के पश्चात सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां डॉ. प्रवीण तोगड़िया का औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरान मंच से संगठन के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन की ओर से आवश्यक कदम उठाए गए थे, जिससे रैली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।

इस आयोजन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी एकजुटता एवं सक्रियता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने इसे सफल आयोजन बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, गुरुवार, 19 मार्च, 2026

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए।

पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रीय गीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार जन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। इस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से "संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित" सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।

इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एम|के| स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि0 नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत है कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अतः उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

आभाषी अध्यक्ष

पूर्णेन्दु पुष्पेश

हमारे समाज में अध्यक्ष बनने की परंपरा बड़ी पुरानी है। फर्क बस इतना आया है कि पहले लोग सचमुच अध्यक्ष होते थे, अब "आभाषी अध्यक्ष" हो गए हैं। यानी ऐसे अध्यक्ष, जिनका अस्तित्व कागज, बैनर, व्हाट्सऐप और फेसबुक तक सीमित होता है। असलियत में वे न कहीं दिखते हैं, न किसी बैठक में मिलते हैं, पर पद ऐसा कि मानो पूरे देश की बागडोर उन्हीं के हाथ में हो।

आजकल हर गली, हर मोहल्ले और हर संगठन में एक आभाषी अध्यक्ष जरूर मिल जाएगा। संस्था चाहे "राष्ट्रीय स्तर की" हो या "मुहल्ला कल्याण समिति", अध्यक्ष महोदय का फोटो बैनर में सबसे बड़ा रहता है। बैनर देखकर लगता है कि कोई महान व्यक्तित्व है, जिनकी कृपा से समाज चल रहा है। लेकिन जब किसी कार्यक्रम में उनकी तलाश कीजिए, तो पता चलता है कि वे किसी "अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य" में व्यस्त हैं।

आभाषी अध्यक्षों की खासियत यह होती है कि वे कार्यक्रम के दिन तो नहीं आते, पर दूसरे दिन अखबार में छपी फोटो जरूर ढूंढते हैं। अगर फोटो में उनका नाम नहीं छपा, तो अगले दिन संगठन के सचिव की शामत तय है। फिर बैठक होती है, जिसमें अध्यक्ष महोदय वीडियो कॉल पर जुड़ते हैं और गंभीर स्वर में कहते हैं- "देखिए, संगठन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए।"

कुछ आभाषी अध्यक्ष तो इतने आधुनिक हो गए हैं कि उनकी अध्यक्षता पूरी तरह डिजिटल हो गई है। वे व्हाट्सऐप ग्रुप में रोज सुबह "सुप्रभात" का संदेश भेजते हैं और शाम को "जय संगठन" लिखकर अपना कर्तव्य पूरा समझ लेते हैं। बीच-बीच में कोई सरकारी योजना या प्रेरणादायक उद्धरण भी फॉरवर्ड कर देते हैं, जिससे सदस्यों को यह एहसास बना रहे कि अध्यक्ष महोदय सक्रिय हैं।

सबसे दिलचस्प दृश्य तब होता है, जब किसी कार्यक्रम में मंच सजता है। मंच पर कुर्सियों की कतार लगती है, लेकिन बीच की सबसे बड़ी कुर्सी खाली रहती है। आयोजक धीरे से घोषणा करते हैं- "हमारे आदरणीय अध्यक्ष महोदय किसी अत्यावश्यक कार्य से नहीं आ सके हैं, पर उनकी शुभकामनाएं हमारे साथ हैं।" यह सुनकर दर्शक भी समझ जाते हैं कि अध्यक्ष महोदय का आशीर्वाद ही सबसे बड़ा योगदान है।

आभाषी अध्यक्षों की एक और खूबी होती है.... वे हर जगह अध्यक्ष होते हैं। एक दिन वे सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष, दूसरे दिन व्यापार मंडल के अध्यक्ष और तीसरे दिन किसी सामाजिक मंच के संरक्षक बन जाते हैं। पदों की संख्या इतनी होती है कि कभी-कभी उन्हें खुद याद नहीं रहता कि वे किस संस्था के अध्यक्ष हैं।

समाज में इन आभाषी अध्यक्षों का महत्व भी कम नहीं है। वे संगठन को यह सिखाते हैं कि पद बड़ा हो सकता है, लेकिन जिम्मेदारी छोटी भी हो सकती है। वे यह भी बताते हैं कि नेतृत्व केवल भाषणों और बधाई संदेशों से भी निभाया जा सकता है।

इसलिए जब अगली बार आप किसी बैनर पर किसी बड़े अक्षरों में "अध्यक्ष" लिखा देखें, तो घबराइए मत। संभव है कि वह भी हमारे समाज के किसी प्रतिष्ठित "आभाषी अध्यक्ष" हों; जिनकी उपस्थिति दिखाई कम देती है, लेकिन जिनकी अनुपस्थिति हर कार्यक्रम में महसूस जरूर होती है।

कहते हैं, लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है, लेकिन हमारे संगठनों में बैनर सर्वोपरि हो गया है। और जब तक बैनर पर फोटो चमकता रहेगा, तब तक आभाषी अध्यक्षों की यह महान परंपरा भी यूँ ही फलती-फूलती रहेगी।

विविधता में एकता का जीवंत उत्सव-गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्र, चेट्रीचंड्र, ईद-उल-फितर और राम नवमी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गुड़ी पड़वा,चैत्र नवरात्र,चेट्रीचंड्र, ईद-उल-फितर और राम नवमी- एक ऐसा दुर्लभ संगम जो भारत की धर्मनिरपेक्षता को सशक्त व सर्वधर्म समभाव की अवधारणा को जीवंत करता है

जब गुड़ी पड़वा, नवरात्र, चेट्रीचंड्र, ईद और राम नवमी जैसे पर्व एक साथ मनाए जाते हैं,तो यह संदेश पूरी दुनियाँ तक जाता है कि विविधता के बावजूद एकता संभव है वैश्विक स्तरपर भारत, जिसे सदियों से आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह-अस्तित्व की भूमि के रूप में जाना जाता है, मार्च 2026 में एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।यह वह समय है जब विभिन्न धर्मों और समुदायों के प्रमुख त्योहार लगभग एक ही सप्ताह के भीतर मनाए जा रहे हैं,एक ऐसा दुर्लभ संगम जो न केवल भारत की धर्मनिरपेक्षता को सशक्त बनाता है,बल्कि "सर्वधर्म समभाव" की उस अवधारणा को भी जीवंत करता है, जो भारतीय संविधान और सामाजिक ताने-बाने की आत्मा है।19 मार्च से 27 मार्च 2026 के बीच का यह समयखंड केवल कैलेंडर का संयोग नहीं है,बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना,सांस्कृतिक समृद्धि और पारस्परिक सम्मान का उत्सव है।इस अवधि में गुड़ी पड़वा,चैत्र नवरात्र,चेट्री चंड्र ,ईद-उल-फितर और राम नवमी जैसे प्रमुख पर्व एक के बाद एक मनाए जाएंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह विविधता में एकता का ऐसा सशक्त उदाहरण है,जिसे दुनियाँ के सामने एक सांस्कृतिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम सबसे पहले आने वाले त्योहार गुड़ी पड़वाः नववर्ष, विजय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक इसको समझने की करें तो19 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को आता है और हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन घरों के बाहर गुड़ी" स्थापित की जाती है जो विजय, समृद्धि और शुभता का प्रतीक होती है।गुड़ी में नीम के पत्ते,आम की पत्तियां, पुष्पमाला और एक उल्टा रखा हुआ तांबे का कलश शामिल होता है।यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि यह ऐतिहासिक विजय विशेषकर राजा शालिवाहन की जीत का भी स्मरण कराती है। सुबह तेल स्नान, नए वस्त्र धारण करना और "पूरन पोली" जैसे पारंपरिक व्यंजनों का सेवन इस त्योहार को और भी खास बनाता है।यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह वसंत ऋतु के आगमन,कृषि चक्र के पुनरारंभ और सामाजिकनवजीवन का प्रतीक भी है। गुड़ी पड़वा भारतीय समाज की उस सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है, जिसमें हर नया वर्ष नई आशाओं और अवसरों के साथ शुरू होता है। चैत्र नवरात्रः शक्ति, साधना और आध्यात्मिक अनुशासन का पर्व है।

साथियों बात अगर हम उसी दिन दूसरे त्यौहार चैत्र नवरात्र को समझने की करें तो गुड़ी पड़वा के साथ ही 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्र का शुभारंभ हो रहा है, जो 27 मार्च तक चलेगा। यह नौ दिनों का पर्व देवी दुर्गा के नौ रूपों की उपासना का समय है। इस दौरान श्रद्धालु उपवास रखते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं और आत्मसंयम का पालन करते हैं।इस वर्ष विशेष बात यह है कि मां दुर्गा "पालकी" (डोली) पर सवार होकर आएंगी, जिसे शुभ संकेत माना जाता है। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 19 मार्च की सुबह 06:52 से 07:43 के बीच निर्धारित है। यह समय आध्यात्मिक ऊर्जा के जागरण और नए संकल्पों की शुरुआत का प्रतीक है।चैत्र नवरात्र केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और सकारात्मकता का संदेश भी देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन और आत्मनियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम चेट्रीचंद्र सिंधी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और आस्था का उत्सव इसको समझने की करें तो,20 मार्च 2026 को मनाया जाने वाला चेटी चंद सिंधी समुदाय का प्रमुख पर्व है, जो उनके नववर्ष का आरंभ भी है। यह दिन भगवान झूलेलाल को समर्पित होता है, जिन्हें जल देवता के रूप में पूजा जाता है।"चेटी चंद" का अर्थ है "चैत्र का चंद्रमा",जो नईशुरुआत और आशा का प्रतीक है। इस दिन सिंधी समुदाय झांकियां निकालता है, भजन-कीर्तन करता है और सामूहिक रूप से उत्सव मनाता है।यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सिंधी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है।

यह दर्शाता है कि भारत में हर समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता में योगदान देता है।सिंधी समाज पर हो रहे अत्याचार की पुकार सुन जल देवता से आकाशवाणी के 2 दिन बाद चैत्र माह की शुक्ल पक्ष में नासरपुर (पाकिस्तान की सिन्धु घाटी) के देवकी व ताराचंद के यहाँ एक बेटे ने जन्म लिया, जिसका नाम उदयचंद रखा गया। हिंदी में उदय का मतलब उगना होता है।

नवरात्रिः आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

-शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव

नवरात्रि (19 से 27 मार्च) पर विशेष

नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज असंभव सा लगने वाले किसी काम में आज आपको सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर से संबंधित किसी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज आपको अपने किसी भी काम को टालने से बचना चाहिए ,समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आज आपको किसी पारिवारिक अनुस्थान में शामिल होने का सुअवसर मिल सकता है।

वृष राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने से आपको थकान लगेगी फिर भी आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा कठिन प्रयास करेंगे, काम उतना ही आसान और बेहतर ढंग से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सजावट के सामान की खरीदारी करेंगे। आज आप जीवनसाथी की तरक्की से खुश होंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज आप नया व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आज आपको परफोर्मेंस करने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सालों से रुके हुए पैसे वापस दिलाने मे कुछ इष्ट मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके कर्मठशीलता की तारीफ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

सिंह राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आओ जीवनसाथी के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको माता-पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है, जिसकी आपको हेल्प करने का अवसर मिलेगा। आज ऑफिस में आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये बहुत फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श होगा।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आपको किसी यात्रा पर जाने का योग बन रहा है, जिससे आपको लाभ भी होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। अध्यात्म की तरफ आपका रुझान अधिक रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिये सामान्य रहने वाला है। आज किसी खास रिश्तेदार की मदद से आपका रुक हुआ काम समय पर पूरा ही जाएगा। आज आपके प्रति शत्रु भाव रखने वालों व्यक्तियों से सावधान रहें। किसी भी कार्य को करते समय मन एकाग्र रखेंगे तो काम आसानी से व बिना किसी व्यवधान के पूरा हो जायेगा। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। जल्दबाजी में किए गए पूंजी निवेश से आपको थोड़ी बहुत टेंशन हो सकती है। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। समस्याओं के लिए दूसरों लोगों को जिम्मेदार मानने से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है। आमतौर पर आप किसी बात का बुरा नहीं मानेंगे। अपने अहम पर काबू करके परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा। आज आपका किसी के प्रति अधिक आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है, इससे आपके पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं। आप सामाजिक स्तर पर कुछ नए बदलाव करने की सोचेंगे आपको अनुभवी लोगों का साथ भी मिलेगा इससे आपका काम आसान हो जायेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबार संबंधी योजनाओं को अपरिचित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी नकल कर सकता है इससे आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। पुरानी प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी बिजनेस में अच्छी डील होगी।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा और मेडिटेशन को रुटीन मे अपनाएंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है।

रसोई गैस संकट : इस तरह क्यों थूकिये कि मुंह पर वापस आये?

निर्मल रानी

अमेरिका,इस्राईल व ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बीच पूरा विश्व कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति को लेकर चिंतित है। युद्ध छिड़ते ही भारत में भी इसका प्रभाव साफ़ नज़र आने लगा। अमेरिका,इस्राईल व ईरान युद्ध के कारण ईरान के नियंत्रण वाले स्ट्रेट ऑफ़ हारमूज़ में शिपिंग रुक गई है ।ग़ौरतलब है कि भारत मध्य पूर्व से अपनी 60 से लेकर 90% तक एल पी जी गैस व कच्चे तेल का आयात इसी मार्ग से करता है। स्ट्रेट ऑफ़ हारमूज़ जल मार्ग बाधित होने के कारण ही सरकार ने घरेलू गैस उपयोगको प्राथमिकता देते हुये कामर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति लगभग बंद कर दी है। साथ ही घरेलू सिलेंडर के दाम में 60 रुपये जबकि कमर्शियल में 115 रूपये तक की बढ़ोतरी की भी की गयी है। इस दौरान रसोई गैस के लिये जगह जगह लोगों की क़तारें देखने को मिलीं। कहीं कहीं से तो ब्लैक मार्केटिंग की ख़बरें भी सुनाई दीं। लोगों में गैस की क़िल्लत की शंका से दहशत फैल गयी। इससे विशेषकर व्यवसायिक क्षेत्र सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ क्योंकि लगभग 90% होटल-रेस्तरां कमर्शियल एल पी जी सिलेंडर पर निर्भर हैं। राष्ट्रीय रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने इसे एक ऐसा संकट बताया जो 5.7 ट्रिलियन रुपये टर्नओवर और 80 लाख नौकरियों वाले वर्ग को ख़तरे में डाल रहा है। देश के अनेक होटल्स व रेस्तरां में मेन्यू में कटौती करते हुये रोटी, डोसा, पूरी, फ्राई सामग्री, चाय-कॉफ़ी , हॉट ड्रिंक्स आदि हटा दिए गए। इसके बजाये केवल राइस-दाल, सैंडविच या कोल्ड ड्रिंक्स आदि ही परोसे जा रहे हैं। उदाहरण स्वरूप बेंगलुरु व चेन्नई सहित तमिलनाडु में हज़ारों छोटे रेस्त्रां पूरी तरह या कहीं कहीं आंशिक रूप से बंद हो गये । बेंगलुरु होटल एसोसिएशन के अनुसार इस संकट से औसतन 25-30प्रतिशत का राजस्व घाटा हुआ है। सबसे ज़्यादा मार भोपाल में पड़ी जहाँ 40प्रतिशत व्यापार प्रभावित हुये।

उत्तर पुस्तिका

डॉ. प्रशान्त करण, आईपीएस

परीक्षा है, तो प्रश्नपत्र है। प्रश्नपत्र है, तो उत्तर पुस्तिका है। उत्तर पुस्तिका की जड़ में प्रश्न हैं। प्रश्न अनादि-अनंत हैं। कोई ओर-छोर ही नहीं। सृष्टि के प्रारम्भ से ही प्रश्न हैं और अंत अगर कभी हुआ तो वह भी प्रश्न छोड़ जाएगा। प्रश्नों से बचना सम्भव ही नहीं। भारतीय परिवेश में यह राजनीति की तरह है। राजनीति भी प्रश्न। अब प्रश्न हैं, तभी प्रश्न चिन्ह। लेकिन उत्तर चिन्ह मिलते कहाँ? उत्तर चिन्ह न होने के उधेड़बुन, असंजस में प्रश्नपत्र के असमय बाहर आने और समय से पूर्व उत्तर पुस्तिकाओं को रचने का उद्योग चल निकला। इतिहास साक्षी है कि पिछले दिनों कई राज्यों से इसके फूलने-फलने का समाचार चटकारे लेकर पढ़ने के काम आया। इसमें कई राज्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, लेकिन बाजी राजस्थान ने मारी थी। अब बिहार और उत्तर प्रदेश ने भी पिछड़ापन धो दिया!

भारतीय राजनीति में दशकों तक सदाचार, सत्यनिष्ठा, राष्ट्रप्रेम, नैतिकता के प्रश्न ही नहीं उठे। उत्तरपुस्तिका रूपी कुर्सी की ही महत्ता रही। अब कहीं एक दशक से परीक्षा के प्रश्न और उत्तरपुस्तिका दोनों बदलने लगे हैं। समय के परिवर्तन से लिखित परीक्षाओं पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की उत्तर शीट-ओएमआर भारी पड़ने लगी। उत्तर पुस्तिका उद्योग में भी तकनीकी क्रान्ति आयी। ब्लू टूथ और चिप प्रचलित हुए। लेकिन इससे उत्तरपुस्तिका जाँचने वालों के मान-सम्मान और यशोगान में कमी नहीं आयी।

हर कार्यालयों में उच्चस्थ अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारी को सर्वदा कठिन प्रश्नपत्र थमा देता है, जिसका उत्तर उत्तर पुस्तिका में न लिख पाए, जिसका हल वे न कर सकें और उनका मनोबल गिरा का गिरा ही रहे। उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में कोई न कोई कमी वे खोज ही निकालते। यही स्थिति बाजारों में ग्राहकों की हो जाती है। बढ़े मूल्य के व्यापारी के कठिन प्रश्नपत्र के आगे ग्राहक की उत्तरपुस्तिकाओं में अंक ही नहीं मिल पाते! इससे मिलती-जुलती स्थिति वैवाहिक जीवन की अनवरत परीक्षाओं में पति अपने अन्तःपुर के प्रश्नपत्र अपनी उत्तरपुस्तिका में कभी लिख ही नहीं पाया। जिसने भी लिखने का प्रयास किया भी तो वे बेचारे अनुत्तीर्ण ही पाया जाता है।

कुल मिलाकर उत्तर पुस्तिका से महत्वपूर्ण उसे जाँचने वाले हुआ करते हैं। कई स्कूलों के मास्टर, कॉलेजों के प्राध्यापक उत्तरपुस्तिकाओं के जाँचने में इतने पारंगत होते हैं कि बिना लिखी उत्तरपुस्तिकाएँ भी पढ़ लेते हैं और पूरे सही उत्तर को अनपढ़ा करने में सिद्धहस्त होते हैं, क्योंकि उन्हें वैसी उत्तरपुस्तिकाओं पर धन का भार मिल जाता है।

अपनी जीवन की उत्तरपुस्तिका में अल्पतम अंक मिलते रहे हैं। मैं सही वीक्षक की खोज में भटक रहा हूँ। आप मदद नहीं करेंगे?

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

गैस वितरण में पारदर्शिता और समयबद्धता पर प्रशासन सख्त

» डीएसओ और एसडीओ ने गैस एजेंसी संचालकों को दिए कड़े निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) शालिनी खालखो एवं अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढांडा की संयुक्त अध्यक्षता में जिले के सभी गैस एजेंसी संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु जिले में घरेलू एवं कमर्शियल गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना, वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाना और उपभोक्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना रहा। प्रशासन ने स्पष्ट

किया कि गैस जैसी अनिवार्य सेवा में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने सभी गैस एजेंसी संचालकों को कड़ा निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय सारिणी के अनुसार अपनी दुकानों और गोदामों को नियमित रूप से खोलें, ताकि उपभोक्ताओं को अपनी जरूरतों के लिए भटकना न पड़े। अधिकारियों ने वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बरतने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी और काउंटर सेल में किसी भी तरह की धांधली की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं के बीच गैस की कमी को लेकर फैलने वाली किसी भी संभावित भ्रांति को दूर करने के लिए एजेंसी संचालकों को स्पष्ट हिदायत दी गई। अधिकारियों ने कहा कि संचालक सार्वजनिक रूप से यह जानकारी प्रसारित करें कि जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और भंडार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक उपभोक्ता को उनकी बुकिंग की वरीयता के आधार पर ही समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, ताकि वेटिंग पीरियड को न्यूनतम रखा जा सके।

इसके अतिरिक्त, सूचना के अधिकार और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी एजेंसियों को अपने प्रतिष्ठान के बाहर गैस की उपलब्धता, वर्तमान सरकारी दर, वितरण का समय और अन्य आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों का स्पष्ट डिस्प्ले बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि किसी भी एजेंसी द्वारा कालाबाजारी या वितरण में अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध विभागीय नियमों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस बैठक में जिला आपूर्ति विभाग के कर्मियों सहित जिले भर के गैस वितरक उपस्थित रहे।

रामनवमी जुलूस में डीजे पर पाबंदी का बोकारो में पुरजोर विरोध

» सरकार के फरमान को बताया तुगलकी, विधायक की चुप्पी पर उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो की विभिन्न रामनवमी अखाड़ा समितियों की एक संयुक्त और महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सेक्टर-3 थाना मोड़ स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बजरंग विजय अखाड़ा समिति के संजय पांडे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य सरकार द्वारा रामनवमी जुलूस को लेकर जारी किए गए दिशा-निर्देशों पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। बैठक का मुख्य बिंदु बिना डीजे के जुलूस निकालने के सरकारी आदेश का विरोध करना रहा, जिसे अखाड़ा समितियों ने सनातन समाज की आस्था और उत्साह को दबाने वाला कदम करार दिया।

बैठक में उपस्थित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने हेमंत सरकार के इस निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि बिना डीजे के रामनवमी जुलूस निकालने का निर्देश एक 'तुगलकी फरमान' है, जो सनातन समाज के मनोबल को कुचलने का प्रयास प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह राज्य सरकार की तुष्टिकरण नीति का ही परिणाम है। कुमार अमित ने जोर देकर कहा कि सरकार और प्रशासन को ऐसे नियम बनाने चाहिए जो व्यावहारिक हों और जिनका पालन सामान्य जनता आसानी से कर सके। उन्होंने इस निर्देश को लोकतांत्रिक तरीके से वापस लेने की मांग की और बोकारो की विधायक श्वेता सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि सनातन समाज के वोट से जीतकर सदन पहुँचने वाली विधायक का इस संवेदनशील विषय पर चुप रहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैठक के दौरान सभी रामनवमी अखाड़ा समितियों ने एक स्वर में सरकार के इस निर्देश का विरोध करते हुए अपनी पीड़ा साझा की। प्रतिनिधियों ने कहा कि इस नियम की आड़ में पुलिस जुलूस के दौरान अखाड़ा समितियों को बेवजह परेशान करती है। डीजे मशीनों को जब्त करने और संचालकों पर मुकदमा दर्ज करने की धमकियां दी जाती हैं, जिससे उत्सव के माहौल में खलल पड़ता है। कार्यक्रम का संचालन बजरंग अखाड़ा समिति के नरेंद्र सिंह ने किया, जबकि श्रीराम मंडली अखाड़ा समिति के सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नवीन सिंह, केएल गुप्ता, अशोक कुमार, रामाश्रय प्रसाद, संजीव कुमार और जन्मेजय गोस्वामी सहित भारी संख्या में अखाड़ा समितियों के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे, जिन्होंने अपनी धार्मिक परंपराओं के अक्षुण्ण निर्वहन का संकल्प लिया।

जनता दरबार में समस्याएं सुनीं, डीपीआरओ ने किया रक्तदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : मेदिनी नगर स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने बुधवार को जनता दरबार आयोजित कर आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने जमीन कब्जा, दोहरी जमाबंदी, म्यूटेशन समेत कई मामलों से जुड़ी शिकायतें रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

इसी दौरान एक भावुक मामला सामने आया, जब एक फरियादी ने बताया कि उसे तत्काल ए पॉजिटिव रक्त की जरूरत है, लेकिन कहीं भी रक्त उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। यह सुनकर मौके पर मौजूद जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर असीम ने जनता दरबार समाप्त होने के बाद रक्तदान करने का आश्वासन दिया।

जनता दरबार खत्म होते ही डॉक्टर असीम फरियादी को अपने साथ ब्लड बैंक ले गए और रक्तदान कर उसकी मदद की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने आमजनों से नियमित रूप से रक्तदान करने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की।

डीवीसी के श्रवण जांच शिविर में 230 ग्रामीणों का हुआ परीक्षण, निःशुल्क उपकरण भी दिए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : सामाजिक सरोकारों की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने बुधवार को बोकारो थर्मल स्थित ऑफिसर्स क्लब में एक विशेष मानवीय पहल की। डीवीसी सीएसआर एवं अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों के लिए निःशुल्क श्रवण जांच एवं उपकरण वितरण का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन डीवीसी के वरीय जीएम (ओएंडएम) मधुकर श्रीवास्तव, जीएम (एचआर) एए कुजूर, सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी, डीजीएम (हेल्थ) डॉ. एसके झा और पूर्वी हियरिंग केयर के विशेषज्ञों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से

दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

समारोह को संबोधित करते हुए वरीय जीएम मधुकर श्रीवास्तव ने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा कि डीवीसी अपने संयंत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के सर्वांगीण विकास और जनसेवा के लिए निरंतर संकल्पित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक तंगी झेल रहे ग्रामीणों के लिए समय-समय पर आयोजित होने वाले ऐसे स्वास्थ्य शिविर किसी वरदान से कम नहीं हैं। वहीं जीएम (एचआर) एए कुजूर ने बढ़ती उम्र या अन्य स्वास्थ्य कारणों से सुनने की शक्ति खो चुके लोगों की पीड़ा को समझाते हुए कहा कि बाजार में इन उपकरणों की ऊंची कीमत के कारण गरीब तबके के लिए इन्हें खरीदना लगभग असंभव होता है, जिसे ध्यान में रखते हुए डीवीसी ने इस संवेदनशील शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया है।

शिविर की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें कुल 230 लोगों ने अपनी जांच कराई। धनबाद के विख्यात पूर्वी हियरिंग केयर के विशेषज्ञ डॉ. लाखेश्वर मुर्मू एवं डॉ. योगेश कुमार वर्मा की टीम ने गहन परीक्षण के बाद पाया कि लगभग 100 लोग श्रवण दोष से ग्रसित हैं और उन्हें मशीन की तत्काल आवश्यकता है। इस अवसर पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 50 जरूरतमंदों को मौके पर ही श्रवण यंत्र प्रदान किए गए, जबकि शेष 50 चिन्हित लोगों को आगामी 27 मार्च को आयोजित होने वाले अगले चरण में उपकरण वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन दीना नाथ शर्मा ने किया, जिसमें स्वास्थ्य निरीक्षक कृष्णा कुमार और सीएसआर टीम की सुष्मिता बर्णवाल व रमेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा। यह पहल न केवल लोगों की सुनने की क्षमता वापस लाएगी, बल्कि उनके जीवन में आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

चंदनकियारी स्टेडियम की मजबूती और सुविधाओं की होगी सघन जांच

डीसी ने की निर्माण-कार्य की समीक्षा, दिए कड़े निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चंदनकियारी स्थित नवनिर्मित स्टेडियम की वर्तमान स्थिति और वहां खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को लेकर बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य केंद्र स्टेडियम निर्माण कार्य की गुणवत्ता, शेष बचे कार्यों की समय-सीमा और भविष्य में इसे एक उत्कृष्ट खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करना रहा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों की सुविधाएं प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान सबसे पहले स्टेडियम निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा न होने के कारणों पर कड़ी पूछताछ की। इसके पश्चात स्टेडियम में उपलब्ध खेल सुविधाओं जैसे कि मुख्य मैदान, रनिंग ट्रैक और दर्शकों के बैठने के लिए बनाई गई दीर्घा (गैलरी) की वर्तमान स्थिति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों के अभ्यास और दर्शकों के अनुभव के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम वातावरण सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है।

कार्य में तेजी लाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को कड़ा निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्य से संबंधित संपूर्ण जांच प्रतिवेदन शीघ्र जिला प्रशासन को समर्पित करें। साथ ही, उन्होंने बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार को स्वयं स्टेडियम का स्थल निरीक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी। डीडीसी को निर्देशित किया गया है कि वे स्थल निरीक्षण के उपरांत संबंधित पदाधिकारियों के साथ सभी तकनीकी बिंदुओं पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक करें ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल राजू मरांडी और कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल अमृत टोपनो सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन की इस सक्रियता से स्थानीय खिलाड़ियों में एक नई उम्मीद जगी है कि जल्द ही उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के लिए एक आधुनिक और सुसज्जित स्टेडियम उपलब्ध हो सकेगा।

पहाड़ी काली मंदिर में भव्य पूजन, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : प्रखंड के नगरी पंचायत स्थित श्री श्री पहाड़ी काली मंदिर में गुरुवार को भव्य पूजन समारोह आयोजित हुआ। चैत्र अमावस्या के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने माता काली की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालुओं ने बकरे की बलि भी दी।

मंदिर में 13 मार्च से शुरू पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान मंगलवार को ब्राह्मणों के सानिध्य में संपन्न हुआ। अर्द्धरात्रि में मिसरी पूजा कर प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मंगलवार को 10 और बुधवार को 12 बकरों की बलि दी गई। बाद में बलि चढ़े बकरों के मुंड को प्रसाद के रूप में नीलाम किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर बोली लगाई।

पूजा-अनुष्ठान यज्ञाचार्य शुभम पांडेय, आचार्य शिव शंकर पांडेय, वेद व्यास पांडेय, रामदास मिश्रा और दीपक पांडेय ने विधि-विधान से संपन्न कराया। कार्यक्रम में लालदेवराम मांझी, हरि उर्फ झुपर कांदु, नन्दकिशोर साव, अजय कुमार रजक, विनय कुमार साव, देवनारायण नायक, जितेन्द्र दास, विजय कुमार पांडेय, सुधीर पांडेय, नारायण राम, यशोदा देवी, प्रदीप साहु, सुरेन्द्र साहू, सुनीता कुमारी, धनंजय प्रसाद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रामनवमी, ईद और सरहुल को लेकर रजरप्पा थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

» डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, निर्धारित रूट से ही निकलेगा जुलूस, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पा। रामनवमी, ईद और सरहुल पर्व को लेकर बुधवार को रजरप्पा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चितरपुर सीओ दीपक मिंज ने की। बैठक में मुख्य रूप से रजरप्पा के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, अवर निरीक्षक रोहित राज सिंह एवं रंजीत कुमार महतो उपस्थित थे। इस दौरान सभी त्योहारों को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गई।

सीओ दीपक मिंज ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देशानुसार डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, ताकि नवजात बच्चों, बुजुर्गों और हृदय रोगियों को परेशानी न हो। साथ ही सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि त्योहार धूमधाम से मनाएं, लेकिन कानून-व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। रामनवमी का जुलूस निर्धारित रूट से ही निकाला जाएगा और रात 10 बजे तक ही बाजा बजाने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शराबबंदी के लिए आप गुप्त सूचना दें, पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की भट्ठियों को ध्वस्त करने का कार्य करेगी। खुले में मांस की बिक्री पर भी प्रतिबंध रहेगा। अखाड़ा समिति के सदस्यों को जुलूस के दौरान 5-10 वॉलिंटियर्स नियुक्त करने, उन्हें बैज देने और फर्स्ट एड किट रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही जुलूस में किसी भी व्यक्ति के शराब सेवन कर शामिल होने पर रोक लगाने की बात कही गई। संचालन झारखंड आंदोलनकारी चंद्रशेखर पटवा ने किया। बैठक में दुलमी प्रमुख रेणु देवी, उपप्रमुख धर्मधीर महतो, चितरपुर प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह, उपप्रमुख अरशद उल्लाह, बड़कीपोना मुखिया अरविंद कुमार सिंह, चितरपुर पूर्वी मुखिया भानुप्रकाश महतो, होन्हे मुखिया राजीव मेहता, पूर्व मुखिया प्रदीप सिंह, मंजूर खान, हाजी बशीर अंसारी, अयोध्या प्रसाद, दिलीप प्रसाद, मलेश्वर नायक, दिवाकर नायक, राजेंद्र सोनार, सुलेमान अंसारी, अब्दुल हाकिम अंसारी, शेर बहादुर शाह, परवेज आलम, रविंद्र चौधरी, जयप्रकाश कसेरा, तारा प्रसाद, अमृत कुमार, प्रदीप कुमार, पवन कुमार, डब्लू साव, विश्वास पोद्दार, मृत्युंजय महतो, ठाकुरदास महतो, दीपक चंद्र पोद्दार, प्रदीप प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित थे।

बोकारो में सजने वाली है देश की सबसे लजीज सड़क

» 22 को 'फूड-स्ट्रीट' में दिखेगा झारखंडी मिठास और पंजाबी तड़के का संगम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो वासियों के लिए आगामी 22 मार्च की शाम बेहद खास होने जा रही है। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) शहर के इतिहास में पहली बार एक अनूठा प्रयोग करने जा रहा है, जहां सेक्टर-4 स्थित गांधी चौक से बोकारो मॉल तक जाने वाली सड़क एक जीवंत फूड-स्ट्रीट में तब्दील हो जाएगी। शाम 5 बजे से शुरू होने वाले इस एक दिवसीय उत्सव में न केवल देश के विभिन्न प्रांतों के स्वाद चखने को मिलेंगे, बल्कि झारखंड की मिट्टी की सोंधी खुशबू और पंजाब का शाही जायका इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा। इस फूड-स्ट्रीट में 'झारखंड फूड स्टॉल' अपनी सादगी और

पारंपरिक पाक-विधियों के कारण केंद्र बिंदु बनेगा। यहां आने वाले लोग झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से महसूस कर सकेंगे। आगंतुकों के लिए विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के पारंपरिक पिठा जैसे जिल पिठा, डुबुग पिठा, गुड़ पिठा और पनीर पिठा उपलब्ध रहेंगे। साथ ही, झारखंड के घर-घर में लोकप्रिय धुसका, मड़वा (रागी) की रोटी, छिलका, डूम्बु, बर्रा, लेटो और जिल-भाजा जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाया जा सकेगा। शाम की गपशप के लिए चना-मूड़ी के साथ गरमा-गरम आलूचॉप का स्वाद इस अनुभव को और भी यादगार बना देगा।

झारखंडी व्यंजनों के साथ-साथ इस मेले में पंजाब की जीवंत खाद्य संस्कृति की भी जोरदार धमक सुनाई देगी। पंजाबी खान-पान के शौकीनों के लिए पटियाला चाप, मलाई चाप और अफगानी चाप के साथ-साथ दिल्ली- पंजाब के मशहूर छोले-भटूरे, छोले-कुलचे और राजमा-चावल के स्टॉल लगाए जाएंगे। पराठों की विविध किस्मों और पंजाबी शैली की वेज व नॉन-वेज करी के साथ दही-वड़ा का संगम भोजन प्रेमियों को तृप्त कर देगा। मिठास के शौकीनों के लिए फिरनी और पंजाब की शान मानी जाने वाली मलाईदार लस्सी की विभिन्न किस्में इस जायके को पूर्णता प्रदान करेंगी।

बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित यह "फूड-स्ट्रीट" केवल खाने-पीने का माध्यम नहीं, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों को एक सूत्र में पिरोने की एक शानदार पहल है। बीएसएल प्रबंधन ने समस्त शहरवासियों से अपील की है कि वे आगामी रविवार को सपरिवार इस आयोजन का हिस्सा बनें और सड़क पर सजने वाले इस अनूठे उत्सव का आनंद लें। यह पहली बार है जब बोकारो की सड़कों पर इस तरह का भव्य और स्वादिष्ट नजारा देखने को मिलेगा, जो निश्चित रूप से शहर की यादों में एक नया अध्याय जोड़ देगा।

समझौते की अनदेखी पर भड़का आक्रोश, दिवंगत भाकपा नेता के परिजनों ने लौटाई राशि

» 21 लाख की पूरी राशि न मिलने पर दी चक्का जाम की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में करीब साढ़े तीन माह पूर्व एक भीषण हादसे में जान गंवाने वाले नूरी नगर निवासी भाकपा नेता मो. मनीरुद्दीन के परिजनों का धैर्य अब जवाब दे गया है। बुधवार को मुआवजे की राशि को लेकर उपजा विवाद उस समय गहरा गया, जब परिजनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन और डीवीसी अधिकारियों द्वारा लाए गए 5 लाख रुपये के चेक को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। परिजनों का तर्क है कि जब

त्रिपक्षीय वार्ता में 21 लाख रुपये की मुआवजा राशि तय हुई थी, तो समय सीमा बीत जाने के बाद भी महज टुकड़ों में भुगतान करना उनके साथ भद्दा मजाक है। विदित हो कि 9 दिसंबर 2025 को ऐश पौंड में हाईवा की चपेट में आने से मो. मनीरुद्दीन की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसके बाद शव रखकर किए गए जोरदार प्रदर्शन के दौरान डीवीसी के जीएम एएमएस राजेश विश्वास और डीजीएम काली चरण शर्मा की मौजूदगी में एक समझौता हुआ था। समझौते के तहत छाई उठाने वाली कंपनी को फरवरी माह तक 21 लाख रुपये की एकमुश्त राशि देनी थी, साथ ही अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये और मृतक के पुत्र को डीवीसी के तहत अस्थाई नियोजन का आश्वासन दिया गया था। बुधवार को जब बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार और डीवीसी के वरीय प्रबंधक (एचआर) पार्थ सारथी मुखर्जी महज 5 लाख का चेक लेकर पहुंचे, तो मौके पर मौजूद जिला परिषद प्रतिनिधि मंजूर आलम, सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव और पूर्व सरपंच मो. सुजायत ने कंपनी की वादाखिलाफी पर कड़ा ऐतराज जताया।

परिजनों और जनप्रतिनिधियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि साढ़े तीन माह का लंबा वक्त गुजर जाने के बाद भी समझौते की शर्तों का उल्लंघन पूरी तरह से असहनीय है। इस दौरान गोविंदपुर ए पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम और मुखिया विकास सिंह ने भी परिजनों की मांग का पुरजोर समर्थन किया, जिसके कारण अधिकारियों को बिना भुगतान किए ही बैरंग वापस लौटना पड़ा। जनप्रतिनिधियों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है और चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय में पूरी मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो रामनवमी के तुरंत बाद ऐश पौंड का चक्का जाम कर अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ा जाएगा। प्रशासन के इस रुख से न केवल पीड़ित परिवार आहत है, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों में भी भारी असंतोष व्याप्त है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए कौशल विकास कोर्स उपयोगी

वाराणसी , एजेंसी। काशी विद्यापीठ राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में स्वयंसेविकाओं ने लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। पसियाना मलिन बस्ती, हरिजन बस्ती, नई बस्ती, बौलिया एवं मिसिरपुरा के विभिन्न परिवारों में जाकर लोगों से शत प्रतिशत मतदान की अपील की। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रविंद्र कुमार गौतम ने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए कौशल विकास का कोर्स उपयोगी है। इसमें इलेक्ट्रीशियन, रेफ्रिजरेशन, डाटा एंट्री ऑपरेटर का निशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिविर में सुचिता, निहारिका के साथ ही कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनीता, डॉ. भारती कुरील, डॉ. अंजना वर्मा, डॉ. वीणा वादिनी, डॉ. एस एंजेला मौजूद रहे।

कार्यकारिणी सदस्य सूची पर उठे सवाल

आगरा। भारतीय जनता पार्टी की मनोनीत पार्षदों की सूची के साथ ही महानगर की कार्यकारिणी सदस्यों की सूची भी विवाद में आ गई है। सोशल मीडिया पर सदस्यों की सूची को शेयर कर सवाल किया जा रहा है कि एक ही महिला कार्यकर्ता का नाम दो जगह दर्ज कर महिला कोटा पूरा करने की खानापूर्ति की जा रही है। दरअसल, सूची में 15वें नंबर पर दीपिका मित्तल का नाम दर्ज है। वहीं, 69वें क्रम के आगे भी यही नाम दोबारा लिखा गया है। चूंकि इस बार पार्टी ने पदाधिकारियों की सूची में 33 फीसदी आरक्षण लागू करने के निर्देश दिए थे। कहा गया था कि 80 लोगों वाली कार्यकारिणी में 33 फीसदी महिलाओं को रखना अनिवार्य है। ऐसे में जिलाध्यक्षों ने माथापच्ची कर महिला नेताओं को तलाशा और उनके नाम संगठन भेजे। हालांकि अब एक नाम दो बार आने पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने इसकी जानकारी से इन्कार किया। कहा कि टंकण त्रुटि हो सकती है। सूची जारी करने में सभी निर्देशों का पालन किया गया है।

मलियाना पुल के पास वृद्धा से ठग लिए सोने के कुंडल

मेरठ, एजेंसी। दिल्ली रोड पर मलियाना पुल के पास दो लोगों ने एक वृद्धा को अपनी बातों में फंसाकर उसके सोने के कुंडल ठग लिए और भाग गए। वृद्धा के बेटे ने टीपीनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। कंकरखेड़ा के सार्थक सिटी निवासी संदेश सैनी ने बताया कि उनकी मां कमलेश बीमार हैं। भाई योगेश सैनी उन्हें डॉक्टर को दिखाने के लिए मलियाना पुल के पास गया था। वह कुछ सामान लेने चला गया। मां को उसने पुल के पास ही बैठा दिया। इसी दौरान दो युवक उनकी मां के पास आए तथा उन्हें अपनी बातों में फंसाकर सोने के कुंडल ले लिए। वापस आने पर वृद्धा ने योगेश को सोने के कुंडल दो युवकों के ले जाने की बात बताई। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी के शिकार युवक के 33,325 रुपये वापस कराए

गोरखपुर , एजेंसी। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर हुई साइबर ठगी के 33, 325 रुपये पुलिस ने वापस करा दिए। साइबर अपराधियों ने झांसा देकर पीड़ित के खाते से 33,325 रुपये ट्रांसफर कर लिए थे। पीड़ित ने तत्काल जागरूकता दिखाते हुए थाना राजघाट में सूचना दी और एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। जांच में पता चला कि ठगी की रकम का उपयोग रिलायंस से ऑनलाइन गोल्ड खरीदने में किया गया था। साइबर नोडल एसआई वैभव विश्वकर्मा ने तत्परता दिखाते हुए रिलायंस के नोडल अधिकारी से समन्वय स्थापित कर संदिग्ध ट्रांजेक्शन को रुकवाया। इसके बाद साइबर हेल्प डेस्क टीम ने कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि पीड़ित के क्रेडिट कार्ड में रिफंड करा दी।

89.82 लाख रुपये की लागत से बदलेगी जलसाईनाथ मंदिर की तस्वीर

लखनऊ, एजेंसी। सरोजनीनगर स्थित प्राचीन श्री महादेव जलसाईनाथ मंदिर का कायाकल्प होने जा रहा है। मंदिर के सुंदरीकरण और समग्र विकास के लिए करीब 89.82 लाख रुपये की परियोजना पर काम शुरू हो चुका है, जिसके तहत 60 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि जलसाईनाथ मंदिर परिसर के समग्र विकास के तहत इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। परियोजना अंतर्गत यात्री हॉल का निर्माण, शीट रूफिंग युक्त यात्री शेड, बैठने के प्लेटफॉर्म, स्टील रेलिंग, ग्रीन पावर से युक्त इंटरलॉकिंग टाइल्स और आरसीसी बेंच स्थापित किए जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज करेंगी रामलला के दर्शन

बदले समय पर खुलेगा मंदिर, जिले की ओर आने वाले भारी मालवाहक वाहनों पर पूरी तरह रोक रहेगी

लखनऊ, एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे के कारण श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए, बुधवार रात 11 बजे से शहर के विभिन्न हिस्सों में यातायात डायवर्जन लागू कर दिया जाएगा। यह डायवर्जन 19 मार्च को शाम पांच बजे तक या राष्ट्रपति के कार्यक्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।

इस अवधि के दौरान, जिले की ओर आने वाले भारी मालवाहक वाहनों, जैसे ट्रक, ट्रैक्टर और डीसीएम, पर पूरी तरह रोक रहेगी। इन वाहनों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग किया जाएगा। अयोध्या शहर की ओर इन भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इनमें एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, दूध, दवा और अन्य महत्वपूर्ण सामान ले जाने वाले वाहन शामिल हैं।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए, 19 मार्च को रामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को यातायात संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन द्वारा यह कदम सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे यात्रा से पहले यातायात व्यवस्था की जानकारी ले लें और असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

चैत्र नवरात्र और रामनवमी मेले का शुभारंभ 19 मार्च

से हो रहा है। इसी दिन श्रीराम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना भी विधि-विधान से की जाएगी। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। इसके अलावा पांच हजार से अधिक मेहमान समारोह का हिस्सा बनेंगे। इस दिन राम मंदिर एक घंटा पहले सुबह छह बजे से ही खोलने का निर्णय लिया गया है।

यह पहला समारोह होगा जिसमें वीआईपी कार्यक्रम के बावजूद दर्शन व्यवस्था भी सुचारु रूप से चलती रहेगी। राम मंदिर ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि राम मंदिर परिसर में जितनी देर राष्ट्रपति रहेंगी केवल उतनी देर ही दर्शन रोका जाएगा, बाकी दर्शन सुचारु रूप से चलता रहेगा। तय हुआ है कि सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक दर्शन प्रतिबंधित रहे, हालांकि अंतिम निर्णय उसी दिन लिया जाएगा। चैत्र प्रतिपदा से ही राम मंदिर की दर्शन अवधि में भी बदलाव किया जाता है। इसलिए 19 मार्च को राम मंदिर सुबह सात बजे के बजाय सुबह छह बजे खोल दिया जाएगा।

20 मार्च से दर्शन सुबह सात से 12 और दोपहर एक बजे से रात नौ बजे तक होगा। 19 मार्च को होने वाले श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम व 27 मार्च को रामजन्मोत्सव व सूर्य तिलक के आयोजन का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। देश-दुनिया के लोग घर बैठे इस आयोजन के साक्षी बन सकेंगे।

राष्ट्रपति 19 मार्च को सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर परिसर पहुंचेंगी और लगभग चार घंटे तक वहीं रहेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर की व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह खोल दी जाएंगी। इसके बाद प्रतिदिन लगभग पांच हजार श्रद्धालु पास के आधार पर परकोटा सहित परिसर के सभी मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे।

राष्ट्रपति के दौरे के दौरान श्रद्धालु राम लला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष योजना बनाई जा रही है। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब केवल दो प्रमुख कार्य शेष हैं, जिनमें हुतात्मा स्मारक और अस्थायी मंदिर का निर्माण शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि रामलला के सूर्य तिलक की परंपरा को बनाए रखने के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट और ऑप्टिका के साथ 10 वर्षों का अनुबंध किया गया है।

इन-इन जगहों से भारी वाहनों को जाएगा मोड़ा

कूरेभार के पास से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की ओर सुल्तानपुर की दिशा से अयोध्या आने वाले भारी वाहनों को कूरेभार के पास से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह रायबरेली से आने वाले ट्रक और अन्य मालवाहक वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के रास्ते उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा।

आजमगढ़ और अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ से दोस्तपुर के रास्ते पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ने की व्यवस्था की गई है। वहीं, बाराबंकी की ओर से आने वाले भारी वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ होते हुं पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट किया जाएगा।बस्ती की दिशा से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोंडा की ओर भेजा जाएगा। इसी प्रकार गोंडा से अयोध्या की ओर आने वाले भारी वाहनों को नवाबगंज से लकड़मंडी और लोलपुर होते हुए बस्ती की दिशा में डायवर्ट किया जाएगा।

गोरखपुर की ओर से आने वाले वाहनों को लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से सीधे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर भेजा जाएगा। इसके अलावा गोरखपुर, संतकबीरनगर और बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी, कलवारी, टांडा, अकबरपुर और दोस्तपुर के रास्ते भी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट करने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह गोरखपुर और संतकबीरनगर की ओर से आने वाले कुछ वाहनों को खलीलाबाद के मंझरिया तिराहा से कटका, मेंसिर और धनघटा होते हुए बिल्हरघाट फ्लाईओवर के रास्ते अंबेडकरनगर और फिर दोस्तपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर भेजा जाएगा।

ससुराल नहीं यातनागृह

टॉयलेट के दरवाजे कर दिए बंद, फिर रखी ऐसी शर्त; बहू पर जुल्म की कहानी सुनकर कांप जाएंगे

आगरा, एजेंसी। आगरा में दहेज के लिए विवाहिता को टॉयलेट इस्तेमाल करने तक से रोका गया और एक लाख रुपये की मांग की गई। विरोध करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया गया, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आगरा के थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में दहेज लाने पर टॉयलेट और बाथरूम इस्तेमाल करने की शर्त सास ने रख दी। विवाहिता छत पर कपड़ों की आड़ लगाकर नहाने लगी तो देवर ने फोटो खींच लिए। शिकायत पर पति ने पीटकर घर से निकाल दिया। शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

वर्ष 2020 में हुआ था निकाह

पीड़िता ने बताया कि उसका निकाह 16 नवंबर 2020 को जुबैर के साथ हुआ था। आरोप है कि निकाह में एक लाख रुपये कम मिलने की बात कहकर पति जुबैर, सास फरजाना, ससुर शाहिद अली, देवर असद और ननद रोसी व अर्शी लगातार उसे प्रताड़ित करते रहे। पीड़िता को कमरे में न रखकर छत पर रहने को मजबूर किया गया। शौचालय का इस्तेमाल करने के लिए मायके से एक लाख रुपये लाने को कह दिया। टॉयलेट जाने के रास्ते की सीढ़ी का गेट बंद कर दिया।

देवर ने खींच ली अश्लील तस्वीरें

8 जनवरी को नहाते समय देवर असद ने उसकी फोटो खींच ली और विरोध करने पर पति व अन्य ससुरालियों ने पीटा। 8 फरवरी को फिर पिटाई कर उसे घर से निकाल दिया गया। पुलिस से शिकायत करने पर कार्रवाई नहीं हुई तो डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास को प्रार्थनापत्र दिया। इंस्पेक्टर जगदीशपुरा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है।

कुलदीप-वंशिका का रिसेप्शन: आशीर्वाद देने को दिग्गज क्रिकेटरों का लगा जमवाड़ा, सीएम योगी और अखिलेश यादव भी पहुंचे

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और उनकी जीवनसाथी वंशिका सिंह के शाही रिसेप्शन से नवाबों का शहर क्रिकेट, सियासत और शाही चमक-धमक से सराबोर हो उठा। शहीद पथ स्थित होटल में मंगलवार को आयोजित कुल-वंश के इस शाही रिसेप्शन में उस वक्त हर कोई दंग रह गया, जब नवविवाहित जोड़े ने 1960 मॉडल की चमचमाती रोल्स-रॉयस विंटेज कार में सवार होकर एंट्री की। दिल्ली से खास तौर पर मंगवाई गई इस कार ने रिसेप्शन को क्लासिक टच दिया। स्टेज पर जब कुलदीप और वंशिका पहुंचे तो उनकी सादगी ने सबका दिल जीत लिया। कुलदीप ब्लैक कलर के बंद गला सूट में बेहद सजीले लग रहे थे, वहीं वंशिका ने क्रीम कलर की साड़ी पहनी थी, जिस पर लाल पत्थरों (स्टोंस) की बारीक कढ़ाई लुक में चार चांद लगा रही थी।

समारोह का खूबसूरत दृश्य वह रहा जब टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर स्टेज पर पहुंचे और कुलदीप ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शिरकत की। कुलदीप ने उनके भी पैर छुए और वंशिका ने हाथ जोड़कर शालीनता से उनका अभिवादन किया। सीएम ने नवदंपति को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मैदान के धुरंधर और सियासत के दिग्गज भी हुए शामिल : रिसेप्शन में क्रिकेट जगत और राजनीति के कई बड़े दिग्गज शामिल हुए। टीम इंडिया के स्टार

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, शिखर धवन और रविंद्र जडेजा अपनी पत्नी के साथ पहुंचे। उन पर फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी पहुंचकर जोड़े को बधाई दी। मेहमानों की सुविधा के लिए 4 चार्टर्ड प्लेन का विशेष इंतजाम किया गया।

कुलदीप-वंशिका के गांव के लोग भी हुए शामिल : 14 मार्च को मसूरी में शादी रचाने के बाद लखनऊ का यह रिसेप्शन न केवल वीवीआईपी मेहमानों के लिए बल्कि कुलदीप के गांव से आए उन लोगों के लिए भी यादगार बन गया, जिन्होंने अपने लाडले को दूल्हा बनते देख पलकें बिछा दी थीं।

उत्तराखंड के मसूरी में परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी हुई थी। रिसेप्शन में टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर, क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल पहुंच चुके हैं। शिखर धवन और रविंद्र जडेजा पत्नी के साथ आए हैं। होटल में उन पर फूलों की बारिश की गई।

कुलदीप यादव के रिसेप्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे हैं। सीएम ने बुके देकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। कुलदीप ने योगी के पैर छुए। वंशिका ने हाथ जोड़कर नमस्ते किया। सीएम ने कुलदीप और वंशिका को गिफ्ट भी दिया है। स्टेज से जाते समय भी कुलदीप ने पैर छुए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्टेज से उतरकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और कार्यक्रम में बैठ गए। कुलदीप के परिवार और कार्यक्रम में आए हुए गेस्ट भी उनके साथ में सेल्फी और फोटो खिंचवाते नजर आए। इसमें फॉरेन गेस्ट भी शामिल रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षण और सतत अभ्यास बहुत जरूरी-कुलपति

वाराणसी , एजेंसी। आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला के पहले दिन प्रशिक्षण और सतत अभ्यास पर चर्चा हुई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षण और सतत अभ्यास बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण किसी भी अन्य कौशल से कम महत्वपूर्ण नहीं है।

ट्रॉमा सेंटर के स्किल सेंटर में कुलपति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में प्रभावी संवाद केवल सुझाव देने से नहीं, बल्कि प्रशिक्षण और सतत अभ्यास से विकसित होता है। चिकित्सक संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करते हैं, फिर भी भावनात्मक रूप से तनावपूर्ण परिस्थितियों में संवाद प्रभावित हो सकता है। प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि चिकित्सक स्वयं तनावग्रस्त हो जाएं तो

उपचार की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संवाद कौशल एवं भावनात्मक संतुलन का प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने कहा कि चिकित्सा पेशा मूलतः मानवता की निस्वार्थ सेवा पर आधारित है।

एम्स नई दिल्ली के प्रो. संजय राय ने कहा कि संप्रेषण कौशल केवल मरीजों की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसे विनम्रता, सम्मान और आत्ममंथन के साथ विकसित किया जाना चाहिए।

ट्रॉमा सेंटर प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक परिस्थितियों में लागू करने का आह्वान किया। कहा कि वास्तविक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं और उनमें टीमवर्क व सजगता अत्यंत आवश्यक होती है। इस दौरान मास्टर ट्रेनर मनीषा चौधरी, जॉय देब ने कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। संचालन डॉ. आकांक्षा चौधरी, धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजेश मीणा ने किया।

ऑटो रिक्शा परमिट के लिए बदल गए नियम, अब सिर्फ ऑफलाइन आवेदन

आगरा, एजेंसी।

आगरा में 498 सीएनजी ऑटो रिक्शा परमिट अब ऑफलाइन माध्यम से जारी किए जाएंगे। महिला आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। परमिट जारी करने के लिए मोटर वाहन अधिनियम के साथ कुछ अतिरिक्त शर्तें लागू होंगी।

संभागीय परिवहन प्राधिकरण की ओर से नगर निगम क्षेत्र में 498 सीएनजी ऑटो रिक्शा परमिट ऑफलाइन माध्यम से जारी किए जाएंगे। अब तक केवल 2 परमिट ही जारी हो सके हैं। अब आवेदकों से ऑफलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

संभागीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव अरुण कुमार ने बताया कि परमिट जारी करने के लिए मोटर वाहन अधिनियम के साथ कुछ अतिरिक्त शर्तें लागू होंगी। आवेदक के नाम पहले से कोई सीएनजी ऑटो, ई-ऑटो या ई-रिक्शा

पंजीकृत नहीं होना चाहिए तथा उसके पास छह माह के भीतर जारी चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य है। साथ ही आवेदक आगरा नगर निगम क्षेत्र का मूल निवासी होना चाहिए और उसके पास वैध लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। महिला आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी और एक व्यक्ति केवल एक ही आवेदन कर सकेगा।

उन्होंने बताया कि अधूरा आवेदन या दस्तावेज पाए जाने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। आवेदनों की जांच के बाद पात्र अभ्यर्थियों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा, जिसके बाद उन्हें स्वीकृति पत्र जारी किया जाएगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में मरीज की मौत पर बवाल, मारपीट-तोड़फोड़, संस्थान प्रशासन ने विभूतिखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मंगलवार सुबह मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा और तोड़फोड़ हुई। आरोप है कि स्टाफ के साथ मारपीट की गई। संस्थान प्रशासन ने विभूतिखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुडंबा के राजौरी गांव निवासी लाल बहादुर को निमोनिया की शिकायत पर मंगलवार तड़के साढ़े तीन बजे इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. विक्रम सिंह ने बताया कि मरीज की हालत बेहद नाजुक थी, उसे वेंटिलेटर पर रखना था। वेंटिलेटर रखने के लिए मरीज को नली (इंट्यूबेट) डाली जानी थी। मरीज के घरवालों ने सुबह साढ़े पांच बजे तक इसकी सहमति नहीं दी।

इसके लिए परिजनों ने फॉर्म पर हस्ताक्षर भी किए। इसके बाद मरीज की हालत और बिगड़ी, तो सुबह साढ़े छह बजे परिजनों ने सहमति दी। तब तक मरीज की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी और उसे बचाना मुश्किल हो गया था। तमाम प्रयासों के बावजूद मरीज को

बचाया नहीं जा सका। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा करते हुए मारपीट और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

जांच के बाद कार्रवाई

संस्थान प्रशासन ने इमरजेंसी में मारपीट और तोड़फोड़ की घटना की तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

मैसेज आया पर सिलिंडर लापता, एजेंसी के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में मची गैस सिलिंडर की हायतौबा के बीच अब उपभोक्ताओं के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। कई उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने बुकिंग कराई। इसके कुछ दिन बाद उनके पास डिलीवरी का मैसेज तो आया पर सिलिंडर नहीं आया। उपभोक्ता एजेंसी पहुंचे तो वहां सिलिंडर खत्म होने की बात कहकर लौटा दिया जा रहा है। नियमों के अनुसार बिना ओटीपी के सिलिंडर डिलीवरी नहीं हो सकती है। सैकड़ों उपभोक्ता इस समस्या से परेशान हैं। टीम ने बर्रा पांच स्थित इंडेन गैस एजेंसी के बाहर लाइन में लगे लोगों से बातचीत की तो हकीकत सामने आई। बर्रा-4 निवासी अशोक अरोड़ा ने बताया कि एक सप्ताह पहले गैस बुक कराई थी। शनिवार से वह लगातार एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। सोमवार को उनके मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज भी आ गया लेकिन एजेंसी पहुंचने पर उन्हें साफ कह दिया गया कि सिलिंडर नहीं है।

पांच घंटे इंतजार के बाद भी नहीं मिला सिलिंडर : बर्रा-5 के मोनू दुबे ने 12

मार्च को बुकिंग कराई थी। मैसेज मिलने के बाद उम्मीद जगी लेकिन रविवार को नंबर आने से पहले ही सिलिंडर खत्म हो गए। सोमवार को फिर मैसेज आने पर वह एजेंसी पहुंचे जहां उन्हें दोबारा लाइन में लगा दिया गया। करीब पांच घंटे इंतजार के बाद भी उन्हें सिलिंडर नहीं मिला। बर्रा निवासी मनीष ने 11 मार्च को बुकिंग कराई थी।

एजेंसी संचालक सिलिंडर देने में जता रहे हैं असमर्थता : पहले उन्हें दो दिन बाद आने को कहा गया, फिर जब लाइन में लगे तो नंबर आते ही सिलिंडर खत्म हो गया। वह पिछले दो दिनों से लगातार लाइन में लग रहे हैं, लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिल पाया। इनके पास भी डिलीवरी का मैसेज आया है। सैकड़ों उपभोक्ताओं के साथ यही स्थिति बनी हुई है। डिलीवरी का मैसेज दिखाने के बावजूद एजेंसी संचालक सिलिंडर देने में असमर्थता जता रहे हैं।

बुकिंग का मैसेज आया पर सिलिंडर एक हफ्ते बाद : रसोई गैस सिलिंडर के लिए उपभोक्ता एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। कुछ लोग तो घर में सिलिंडर की डिलिवरी न किए जाने की शिकायत भी कर रहे हैं। बुकिंग तो हो रही है। और मैसेज भी आ रहे हैं लेकिन सिलिंडर एक हफ्ते बाद मिल रहा है। कुछ उपभोक्ताओं के यहां तो 10 दिन से सिलिंडर नहीं है। मंगलवार को भी गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लाइन देखी गई।

इंडक्शन बिके तो बिजली की खपत भी बढ़ी : गैस की किल्लत शुरू होने के बाद से अचानक इंडक्शन की मांग बढ़ी है। इससे बिजली की खपत भी बढ़ी है। केस्को के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 14 मार्च को बिजली की खपत 398 मेगावाट थी, जो इस साल 14 मार्च को 516 मेगावाट हो गई।

इस तरह बिगड़ रही स्थिति : अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच गैस संकट की आशंका ने बुकिंग में अचानक विस्फोट कर दिया है। 11 से 15 मार्च 2026 के बीच शहर में 4,90,658 सिलिंडरों की बुकिंग दर्ज की गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या मात्र 1,76,722 थी। अभी भी करीब तीन लाख लोग सिलिंडर के इंतजार में हैं। डिलीवरी का मैसेज आने के बाद भी लोगों को दो से तीन दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सीरिया-लीबिया जंग में शामिल रहा यूएस नागरिक भारत में गिरफ्तार, एनआईए ने 6 यूक्रेनी भी पकड़े

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने 13 मार्च को दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता से 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें यूक्रेन के छह और एक अमेरिकी नागरिक शामिल है। एजेंसी के मुताबिक ये लोग भारत खासकर नॉर्थ-ईस्ट में उग्रवाद को समर्थन कर रहे थे। साथ ही म्यांमार के सशस्त्र समूहों तक हथियार पहुंचाने, लड़ाकों को ट्रेनिंग देने और ट्रेनिंग कैंप्स को सपोर्ट कर रहे थे। इसके लिए यूरोप से मंगाए गए ड्रोन का इस्तेमाल करने की तैयारी थी, जिसमें ड्रोन चलाना, बनाना और उसे रोकने की तकनीक शामिल थी। गिरफ्तार लोगों में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैन डाइक भी शामिल है। मैथ्यू 2011 के लीबिया सिविल वॉर और सीरिया गृह युद्ध में सत्ता के खिलाफ लड़ाई में विदेशी फाइटर के रूप में शामिल हुआ था। उसने रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेनी युवाओं को भी ट्रेनिंग दी है। NIA ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू के अलावा यूक्रेन के हुर्बा पेट्रो, तारास स्लीव्याक, इवान सुकमानोव्स्की, मारियन स्टेफानकिव, मैक्सिम होनचारुक और विक्टर कामिंस्की को भी गिरफ्तार किया है। इन पर आतंकवादी साजिश (धारा 18) और BNS के तहत केस दर्ज किया है। इस बीच यूक्रेन ने भारत को विरोध पत्र भेजकर अपने नागरिकों की रिहाई की मांग की है।

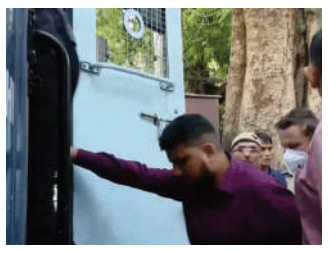

बस किराया बढ़ा तो बुजुर्ग को पार्सल करने की कोशिश, बेंगलुरु में कूरियर खुला तो जिंदा निकला

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक परिवार ने बुजुर्ग को बोरे में बांधकर कूरियर से पार्सल करने की कोशिश की। परिवार ने यह कदम बस किराया बढ़ने के विरोध में उठाया। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया। कूरियर सेंटर के कर्मचारियों को बोरे में हलचल दिखी तो उन्होंने उसे खोलकर देखा। अंदर से एक बुजुर्ग व्यक्ति निकला। इसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक परिवार एक निजी कूरियर सेंटर पहुंचा और कहा कि वे बुजुर्ग को पार्सल करना चाहते हैं। बोरी में बंद होने के कारण बुजुर्ग को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। पुलिस की पूछताछ में बुजुर्ग की बेटी ने बताया कि यह पूरा मामला सोशल मीडिया रील बनाने के लिए किया गया था। परिवार ने बुजुर्ग को एक बोरी में डालकर यह स्टंट किया। परिवार ने पुलिस और लोगों से माफी मांगी। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह का स्टंट किसी की जान को खतरे में डाल सकता है और इसके गंभीर कानूनी परिणाम हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया। परिवार से वीडियो के जरिए माफी मंगवाकर सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया।

असम कांग्रेस के प्रद्युत बोरदोलोई ने बीजेपी जॉइन की

गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने बुधवार को बीजेपी जॉइन कर ली। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। वे असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मुझे घुटन महसूस हो रही थी। मेरा अपमान किया जा रहा था। बीजेपी आज कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि पार्टी 126 विधानसभा सीटों में से 89 पर चुनाव लड़ेगी। बाकी 37 में से असम गण परिषद (एजीपी) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने 5 DIG और 13 IAS अधिकारियों का तबादला कर दिया। आयोग ने कई जिलों में नए जिला मजिस्ट्रेट (DM) नियुक्त किए हैं, जिन्हें जिला चुनाव अधिकारी (DEO) की जिम्मेदारी भी दी गई है। केरल विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने 21 कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट जारी की है। इससे पहले गुरुवार को पार्टी ने 22 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। कांग्रेस और बीजेपी भी केरल में पहले कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी कर चुकी है।

यूपी-दिल्ली छोड़कर पूरे देश में बारिश का अलर्ट, कर्नाटक के धारवाड़ में ओले गिरे, कालघाटगी बना मिनी कश्मीर

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश के कई हिस्सों में पिछले तीन दिनों से आंधी, बारिश और ओले गिरने का दौर जारी है। IMD के मुताबिक 18 मार्च से स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इस वजह से मौसम विभाग ने आज पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को छोड़कर पूरे देश में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के विदर्भ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है, जबकि हिमाचल और छत्तीसगढ़ में ओले गिरने की भी आशंका है। इधर, कर्नाटक के धारवाड़ जिले की कालघाटगी में भारी बारिश हुई। इसके साथ ओले गिरे। सड़कों पर, घरों पर ओलों की मोटी परत जम गई। इससे यह इलाका मिनी कश्मीर की तरह नजर आने लगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में मंगलवार को भी बर्फबारी हुई। कठुआ के सरथल, हिमाचल के कुल्लू और लाहौल स्पीति में बर्फबारी जारी है। मेघालय में भी खराब मौसम का असर देखने को मिला। रीभोई में तेज आंधी और भारी बारिश से 1028 घरों को नुकसान हुआ है। करीब 5000 लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान उमलिंग और जिरांग ब्लॉक के गांवों में हुआ।

आदि कैलाश यात्रा 1 मई से शुरू होगी, उत्तराखंड में 14,500 फीट ऊंचाई पर खुलेंगे मंदिर के कपाट

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में आगामी 1 मई को शिव-पार्वती मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही आदि कैलाश यात्रा शुरू हो जाएगी। पिथौरागढ़ में 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पावन धाम के द्वार खुलना यात्रा के औपचारिक शुभारंभ का प्रतीक है। इसके साथ ही, उच्च हिमालयी क्षेत्रों के सीमांत गांवों में शीतकालीन प्रवास (माइग्रेशन) खत्म कर ग्रामीणों की वापसी का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। कुटी गांव में ग्राम प्रधान नगेंद्र सिंह कुटियाल और पुजारियों की बैठक हुई, जिसमें रं समाज की परंपरा के तहत व्यवस्थाओं पर चर्चा के बाद कपाट खोलने का निर्णय लिया गया। इस दौरान पुजारी चेत सिंह कुटियाल, गोपाल सिंह, बिरेंद्र सिंह और हरीश कुटियाल आदि ने महत्वपूर्ण राय रखी। ग्राम प्रधान के अनुसार, आस्था के इस द्वार के खुलने से सीमांत गांवों में एक बार फिर रौनक लौट आएगी। ग्रामीण अपना शीतकालीन प्रवास समाप्त कर वापस अपने गांवों की ओर लौटना शुरू करेंगे। इसके साथ ही, श्रद्धालु पवित्र आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के दर्शन व पूजन कर सकेंगे। ग्राम प्रधान ने बताया, ज्योलिंगकांग क्षेत्र में कचरा फैलने की समस्या को देखते हुए इस बार श्रद्धालुओं को कूड़ा एकत्र करने के लिए बैग और पानी की बोतलें दी जाएंगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक भी किया जाएगा। स्थानीय होम स्टे संचालक कुंवर सिंह कुटियाल का कहना है कि पहले पूरी यात्रा पैदल होती थी, लेकिन अब सड़क बनने से श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। टूर ऑपरेटर गुलाब सिंह कुटियाल ने बताया कि बढ़ती संख्या से स्थानीय युवाओं को होम स्टे और टैक्सी के जरिए रोजगार मिल रहा है।

वेनेजुएला-ईरान के बाद क्यूबा पर हमला कर सकता है अमेरिका

ट्रम्प बोले- क्यूबा को हासिल करके रहूंगा, 65 साल से दोनों देशों में विवाद

एजेंसी, हवाना

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह 'क्यूबा को अपने कब्जे में लेने' का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा, "किसी न किसी रूप में क्यूबा को लूंगा... चाहे मैं उसे आजाद करूं या अपने नियंत्रण में ले लूं। मैं उसके साथ कुछ भी कर सकता हूं।" न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प के इस बयान को काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। अमेरिका के इतिहास में कई राष्ट्रपति क्यूबा के साथ तनावपूर्ण रिश्तों में रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इस तरह खुलेतौर पर क्यूबा पर कब्जा करने की बात नहीं कही थी। इस साल ट्रम्प पहले ही वेनेजुएला और ईरान में सैन्य कार्रवाई कर चुके हैं। ऐसे में उनके बयान को सिर्फ मजाक या अचानक कही गई बात नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक संभावित अगला कदम समझा जा रहा है। अमेरिका और क्यूबा के संबंध 65 साल से खराब चल रहे हैं।

अमेरिका ने क्यूबा को होने वाली तेल सप्लाई रोकी: ट्रम्प ने इससे पहले रविवार को एयर फोर्स वन में भी कहा था, "मैं क्यूबा को संभाल रहा हूं... जल्द ही हम कोई डील करेंगे या जो करना होगा करेंगे।" उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी प्राथमिकता पहले ईरान है, उसके बाद क्यूबा। असल में, अमेरिका पहले से ही क्यूबा पर दबाव बना रहा है। जनवरी से अमेरिका ने क्यूबा को हो रही तेल सप्लाई को लगभग रोक दिया है। दूसरे देशों को भी चेतावनी दी जा रही है कि वे क्यूबा को तेल न दें। हाल ही में अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने कोलंबिया से क्यूबा जा रहे एक तेल टैंकर को भी रोक लिया। इसका असर क्यूबा में साफ दिख रहा है। 9 जनवरी के बाद से वहां कोई बड़ी तेल सप्लाई नहीं पहुंची है। वहां हालात तेजी से खराब हो रहे हैं। क्यूबा के ब्लैक मार्केट में पेट्रोल करीब 35 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है रोजाना बिजली कट रही है, सोमवार को पूरे देश में ब्लैकआउट हुआ। अस्पतालों में सर्जरी टल रही हैं। दवाइयों की कमी हो रही है और खाने की समस्या बढ़ रही है। इन हालात में क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ गया है।

ट्रम्प से डील की कोशिश कर रहा क्यूबा: क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल ने हाल ही में देश को संबोधित करते हुए माना कि अमेरिका से बातचीत चल रही है और जल्द ही अर्थव्यवस्था खोलने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। साथ ही खबर यह भी है कि अमेरिका चाहता है कि क्यूबा के राष्ट्रपति पद से डियाज-कैनेल हटें। हालांकि, अमेरिका फिलहाल कास्त्रो परिवार के खिलाफ सीधी कार्रवाई की बात नहीं कर रहा है। यह रणनीति वैसी ही है जैसी वेनेजुएला में अपनाई गई थी। यानी ट्रम्प क्यूबा में सरकार बदलने के बजाय उसे अपने हिसाब से चलने के लिए मजबूर करना चाहते हैं।

चीन जा रहा रूसी तेल का जहाज अब भारत की ओर मुड़ा, 21 मार्च को पहुंचेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

रूस का एक तेल टैंकर, जो पहले चीन जा रहा था, अब रास्ता बदलकर भारत आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'एक्वा टाइटन' नाम का यह जहाज रूस के बाल्टिक सागर से तेल लेकर निकला था और उसे चीन के रिजाओ पोर्ट जाना था। लेकिन मार्च के बीच में साउथ चाइना सी पहुंचते ही इसने अपना रास्ता बदल लिया और अब यह 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि भारत ने अचानक रूस से तेल खरीदना बढ़ा दिया है।

असल में, ईरान में चल रहे युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट से आने वाली तेल सप्लाई पर असर पड़ा है। इसी बीच अमेरिका ने भारत को कुछ समय के लिए रूस से ज्यादा तेल खरीदने की छूट दे दी। इसके बाद भारत ने सिर्फ एक हफ्ते में करीब 3 करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया। अब हालत यह है कि भारत की लगभग सभी बड़ी रिफाइनरियां रूसी तेल खरीद रही हैं। इसी वजह से कई जहाज, जो पहले चीन जा रहे थे, अब अपना रास्ता बदलकर भारत की तरफ आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 7 टैंकर ऐसा कर चुके हैं।

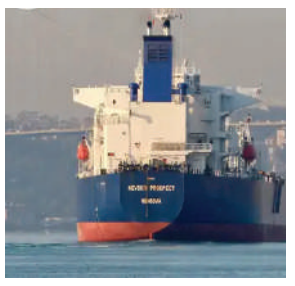

इसी तरह 'जौजू एन' नाम का एक और टैंकर, जो रूस के ब्लैक सी से कजाखिस्तान का तेल लेकर चीन जा रहा था, उसने भी अपना रास्ता बदल लिया है और अब भारत के सिक्का पोर्ट की तरफ आ रहा है।

माना जा रहा है कि आगे चलकर जापान और साउथ कोरिया जैसे देश भी फिर से रूस से तेल खरीदना शुरू कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो तेल की कीमतों पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, ईरान युद्ध के कारण बने हालात में रूस अब भारत के लिए एक बड़ा तेल सप्लायर बनता जा रहा है और इस समय चीन से ज्यादा प्राथमिकता भारत को मिल रही है।

भारत ने जंग के बीच ईरान को मेडिकल मदद भेजी

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत ने ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, यह खेप ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और मेडिकल सप्लाई शामिल हैं। भारत में ईरान के दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय लोगों का आभार जताया। दूतावास ने कहा कि यह मदद सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई है और इसे भारत के लोगों की ओर से मिला सहयोग बताया। दूतावास ने मेडिकल सप्लाई सौंपने का वीडियो भी शेयर किया।

दूसरी ओर इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के इंटेलिजेंस मंत्री इस्माइल खातिब को एयरस्ट्राइक में मार गिराया है। हालांकि इस दावे की ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय जहाज 'जग लाडकी' गुजरात पहुंचा: भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा स्थित अडाणी पोर्ट्स पर पहुंच गया है। यह UAE के फुजैराह पोर्ट से होर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए आया है। इसपर 80,886 मीट्रिक टन(लगभग 5.8–6 लाख बैरल) कच्चा तेल लदा है। भारत में हर रोज लगभग 5.5–5.6 मिलियन बैरल (करीब 90 करोड़ लीटर) तेल की खपत होती है।

पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को तैयार रूस, बोला- वो खुद बात करे, पाक के पास सिर्फ 11 दिन का ऑयल रिजर्व

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में रूसी राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा है कि रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल देने के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक पाकिस्तान की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक मांग नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान खुद पहल करता है, तो रूस उसे कम कीमत पर तेल सप्लाई कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल की कीमत करीब 70 से 76 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यही कीमत 95 से 105 डॉलर प्रति बैरल के बीच है। वहीं, पाकिस्तान के पेट्रोलियम सचिव ने संसद की एक समिति को बताया कि देश के पास फिलहाल सिर्फ 11 दिन का कच्चा तेल बचा है। वहीं, पेट्रोल 321 PKR (पाकिस्तानी रुपए) और डीजल 335 PKR प्रति लीटर मिल रहा है।

पाकिस्तान होर्मुज से तेल लाने के लिए ईरान से बात कर रहा: पाकिस्तान सरकार ईरान से बात कर रही है ताकि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लाने की इजाजत मिल सके। अगर मंजूरी मिलती है, तो पाकिस्तान के चार जहाज इस रास्ते से तेल ला सकते हैं। साथ ही अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल के बाद देश में गैस की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि LNG की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। पाकिस्तान का करीब 70% तेल मिडिल ईस्ट से आता है, लेकिन जंग के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। डीजल की कीमत 88 डॉलर से बढ़कर 187 डॉलर और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंच गया है। पहले जहां तेल 4-5 दिन में पहुंच जाता था, अब रेड सी के रास्ते आने में करीब 12 दिन लग रहे हैं।

पाकिस्तान में कतर से आने वाली गैस सप्लाई बंद: अधिकारियों ने यह भी बताया कि कतर से आने वाली गैस सप्लाई लगभग बंद हो गई है। मार्च में आने वाले 8 LNG कार्गो में से सिर्फ 2 ही पहुंचे, जबकि अप्रैल में भी आधे से ज्यादा कार्गो नहीं पहुंच सकते। ऐसे में गैस की सप्लाई घट सकती है और सरकार घरेलू इस्तेमाल के लिए गैस बचाने पर विचार कर रही है। हालात को संभालने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने 23 अरब पाकिस्तानी रुपए की सब्सिडी देने का फैसला किया है, जो मोटरसाइकिल और रिक्शा चलाने वाले करीब 3 करोड़ लोगों को दी जाएगी। यह पैसा सरकार की बचत से दिया जाएगा, जो खर्च कम करने की पॉलिसी से आया है। सरकार रोजाना तेल के स्टॉक पर नजर रख रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में अभी तेल की सप्लाई ठीक है और लोगों को बेवजह पेट्रोल जमा करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई जमाखोरी की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में एथेनॉल से भरा टैंकर पलटा, आग लगी नेशनल हाईवे पर 200 मीटर तक लपटें फैली

एजेंसी, सांचौर (जालोर)

राजस्थान के जालोर जिले में जैसलमेर-जामनगर नेशनल हाईवे (NH-68) पर एथेनॉल से भरा टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद सड़क पर 200 मीटर तक लपटें फैल गईं। टैंकर का ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि उसके साथ बैठा भाई समय रहते कूद गया। हादसा बुधवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, टैंकर बाड़मेर से गुजरात की तरफ जा रहा था। इस दौरान सिंवाड़ा ओवरब्रिज पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सांचौर एसडीएम प्रमोद कुमार और सिंवाड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था: चितलवाना थाने के ASI मोहनलाल ने बताया- गुजरात नंबर (GJ-12-BZ-9820) का टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था। हादसे में बाड़मेर के गुड़ामालानी के मोखावा निवासी ड्राइवर सुखराम (34) पुत्र देदाराम मेघवाल की मौत हो गई। सुखराम के बुआ के बेटे नरसीराम (26) पुत्र जोधाराम मेघवाल समय रहते टैंकर से कूद गया और उसकी जान बच गई। नरसीराम को सिंवाड़ा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया।

टैंकर में भरा था एथेनॉल: बाड़मेर के आथेथला निवासी बाबूराम मेघवाल ने बताया- ये टैंकर मुरलीधर कंपनी (जामनगर) का है। टैंकर भंटिडा (पंजाब) से कांडला (गुजरात) जा रहा था। इसमें एथेनॉल भरा था। मैं भी इसी कंपनी में काम करता हूं। नरसीराम और सुखराम मेरे रिश्तेदार है। भंटिडा से एक अन्य ड्राइवर भी टैंकर में था, जो गुड़ामालानी उतर गया था।

घायल बोला- टैंकर में क्या था, मुझे नहीं पता: घायल नरसीराम ने बताया- मैं मामा के बेटे सुखराम के साथ गुड़ामालानी से टैंकर में बैठा था। इस दौरान सिवाड़ा के पास गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटते ही अचानक आग लग गई। जैसे-तैसे मैं बाहर निकल गया, लेकिन सुखराम गाड़ी में फंस गया। टैंकर में क्या था, मुझे पता नहीं है।

ड्राइवर जिंदा जला, भाई ने कूदकर जान बचाई

टायर फटने जैसी आवाज आई और टैंकर पलटा: प्रत्यक्षदर्शी जीवाराम मेघवाल ने बताया- जहां पर हादसा हुआ, उसके पास ही मेरा खेत है। जब मैं खेत में काम कर रहा था, तभी टायर फटने जैसी आवाज आई। देखा कि एक टैंकर का अचानक बैलेंस बिगड़ गया और सर्विस रोड की तरफ पलट गया। टैंकर का पिछला हिस्सा डिवाइडर पर टिक गया। इसी दौरान तेल का रिसाव होने लगा। ओवरब्रिज की ढलान के कारण तेल नीचे तक चला गया और आग फैल गई। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद गुड़ामालानी से एक निजी कंपनी की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची।

गुजरात विधानसभा परिसर में बम की धमकी

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात में कई अहम स्थानों को बम ब्लास्ट से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार सुबह आए ईमेल के बाद गांधीनगर में विधानसभा को खाली करवाकर चेक किया। इसके साथ मुंद्रा पोर्ट पर सुरक्षा को अलर्ट किया गया। ईमेल में अहमदाबाद के स्कूलों में भी ब्लास्ट की धमकी दी गई है। ईमेल में कच्छ जिले के मुंद्रा पोर्ट पर खड़े एलपीजी टैंकर को मिसाइल से उड़ाने की भी धमकी दी गई है। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल को गुजराती हिंदू चरमपंथी बताया गया है।

अहमदाबाद में स्कूलों को भी दी धमकी: ईमेल में अहमदाबाद के तीन स्कूलों में ब्लास्ट की धमकी दी गई है। इन स्कूलों में मेमनगर स्थित महाराजा अग्रेशन स्कूल, घाटलोडिया स्थित कैलोरेक्स स्कूल और शांति एशियन स्कूल के नाम शामिल हैं। जांच टीमों ने तीनों स्कूलों की भी जांच की, लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला।

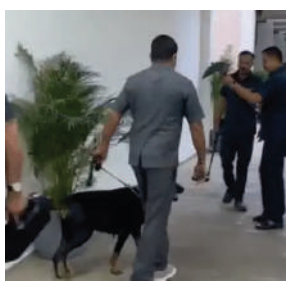

सदन की कार्यवाही एक घंटे की देरी से शुरू हुई: ईमेल मिलते ही पुलिस, बम स्क्वॉड और अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं। विधानसभा से सभी विधायकों और मंत्रियों को सदन से बाहर निकाला गया और तलाशी अभियान चलाया गया। जांच में कोई संदिग्ध वस्तु न मिलने पर सदन की कार्यवाही एक घंटे की देरी से 10 बजे शुरू हुई। गौरतलब है कि 16 फरवरी, 2026 को शुरू हुआ बजट सत्र 23 दिनों तक यानी 25 मार्च तक चलेगा। इस सत्र की 26 बैठकें होंगी। कल, व्यापार सलाहकार समिति की बैठक में यूसीसी विधेयक को सदन में लाने के मुद्दे पर चर्चा हुई और इसे सदन में किस दिन प्रस्तुत किया जाए, इस पर विचार-विमर्श किया गया। अंत में, 25 मार्च की तारीख तय की गई।

गुरुग्राम में 'दूर जाकर शराब पियो' कहने पर मर्डर

एजेंसी, गुरुग्राम

गुरुग्राम में बुजुर्ग मर्डर केस में बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों के बीच शराब पीने को लेकर कहासुनी हुई थी। बुजुर्ग ने आरोपी मोनू को पहले ठेके के पास शराब न पीने के लिए कहा। इसके बाद आरोपी रास्ते में ही खड़ा होकर शराब पीने लगा तो बुजुर्ग ने उसे दूर जाकर शराब पीने के लिए फिर टोका। इससे गुस्साए मोनू ने जगदीश को जमकर पीटा। छाती पर बैठकर पत्थर से उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ कई वार किए। आरोपी बुजुर्ग को अधमरा छोड़कर मौके से फरार हो गया।

इसके बाद परिजनों ने जगदीश को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। आरोपी मोनू उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

डुन्डाहेड़ा गांव में जगदीश सोमवार देर शाम सड़क के पास से गुजर रहा था। पास में ही मौजूद ठेके के पास मोनू शराब पी रहा था। जगदीश ने उसे रास्ते में शराब नहीं पीने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी में ही दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। इसी दौरान बुजुर्ग जगदीश ने मोनू को अचानक थप्पड़ मार दिया। जिससे मोनू गुस्से में आ गया और उसने भी हाथापाई शुरू कर दी। दोनों के बीच काफी देर तक मारपीट चलती रही।

बिलासपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का विवादित बयान, बोले- 'योगी असली हिंदू नहीं'

एजेंसी, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सत्तारूढ़ दलों और केंद्र की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गौरक्षा से लेकर यूजीसी के नए नियमों जैसे कई मुद्दों पर सरकार को घेरा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि योगी असली हिन्दू नहीं हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। बातचीत के दौरान कई राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वे लगातार गौ रक्षा का मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन सरकारें इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज को दबाने के लिए सत्तारूढ़ दल हिस्ट्रीशीटरों का सहारा ले रहे हैं। उनकी बात सुनने के बजाय उसे दबाने की कोशिश की जा रही है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि गौ रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकारें गंभीर नहीं हैं।

यूजीसी के नए नियमों को लेकर भी शंकराचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे 'हिंदुओं को बांटने वाला' और 'राष्ट्रद्रोह' करार देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में इस कानून को लागू नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के नियम समाज में विभाजन पैदा करते हैं और इससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण छात्रों और शिक्षकों ने भी आपत्ति जताई है। उनकी मुख्य चिंताएं दो बिंदुओं पर केंद्रित हैं, एक झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान हटाने से फर्जी मामलों की संख्या बढ़ने की आशंका और नियमों में केवल एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का उल्लेख होने से जनरल कैटेगरी को बाहर रखा जाना, जिसे वे भेदभावपूर्ण मानते हैं।

सनातन धर्म को अंदर से खतरा: सनातन धर्म पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि इसे बाहरी लोगों से नहीं, बल्कि अंदर के 'कालनेमियों' से खतरा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां की नीयत केवल वोट हासिल करना है, हिंदुओं के हित में काम करने की मंशा नजर नहीं आती।

शंकराचार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर विवादित बयान देते हुए कहा कि उन्हें खुद को साबित करने के लिए 40 दिन का समय दिया गया था, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हुए। इस आधार पर उन्होंने कहा कि योगी 'असली हिंदू नहीं' हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

डी विलियर्स ने बुमराह को बताया टी20 का महान खिलाड़ी

एजेंसी, दुबई

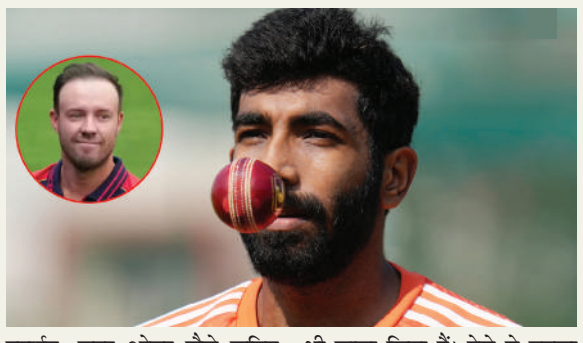

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर रहे एबी डी डीविलियर्स ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टी20 का सबसे महान खिलाड़ी बताया है। डीविलियर्स के अनुसार क्रिस गेल, विराट कोहली और राशिद भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं पर बुमराह की बात ही कुछ और है। डीविलियर्स के अनुसार बुमराह को सबसे आगे बताने का कारण ये है कि हालात कैसे भी हों वह टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं।डीविलियर्स के अनुसार बुमराह में कई प्रकार की खूबियां हैं। वह नई और पुरानी गेंद, दोनों से प्रभावी गेंदबाजी करते हैं। इसके अलावा दबाव में विकेट लेने की क्षमता, डेथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन, सुपर ओवर जैसे कठिन अवसरों पर मैच जिताने की क्षमता उनमें है। कुल मिलाकर देखो जाये तो आप किसी भी समय गेंद बुमराह को दे सकते हैं, और वह मैच जिता सकते हैं। डीविलियर्स ने अपनी करियर के दौरान आइपीएल सहित दुनिया की कई टी20 लीग खेली हैं। आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने गेल और विराट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया हैं। ऐसे मे उनका बुमराह को सबसे बेहतर बताना काफी महत्व रखना है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकीब जावेद ने भी बुमराह की जमकर प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि बुमराह का अनोखा एक्शन बल्लेबाजों को लय में नहीं आने देता। इसी दौरान उन्होंने बुमराह की तुलना पाक के युवा स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी। जिसके बाद प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल करते हुए कहा कि बुमराह के सामन तारिक कहीं नहीं हैं। ऐसे में तुलना नहीं हो सकती। आकिब की तुलना को लेकर सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी भी जतायी। उनका कहना था कि इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिये। कई लोगों ने इसे गलत तुलना बताया, कुछ ने बुमराह की क्लास को अलग स्तर का बताया। आम तौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों को ही महान माना जाता है पर जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने बुमराह को महान बताया है, उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी कितनी प्रभावशाली है। वहीं अब गेंदबाजों का भी महत्व इस प्रारुप में सामने आ रहा है।

कैमरुन, होल्डर सहित आईपीएल में ये खिलाड़ी आईपीएल में अपने को साबित कर पायेंगे ?

एजेंसी, मुम्बई

इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रुप दे रही हैं। 28 मार्च से शुरु हो रहे इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर के अलावा चार युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। इन खिलाड़ियों को नीलामी में उनकी टीमों ने करोड़ों रुपये में खरीदा था। अब देखन है कि ये खिलाड़ी अपने को साबित करने में सफल रहते हैं या नहीं। जिस प्रकार मोटी रकम इन खिलाड़ियों को दी गयी है उसको देखते हुए टीम चाहेंगे कि ये अब अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करें। वहीं ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से अपने को साबित करना चाहेंगे।

कैमरून ग्रीन- कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा है। ग्रीन एक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं। इसके अलावा वह अच्छी गेंदबाजी भी करते हैं। केकेआर ने उन्हें एक मैच विजेता के तौर पर शामिल किया है।

जेसन होल्डर- गुजरात टाइटंस ने जेसन होल्डर को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वह एक अनुभवी ऑलराउंडर हैं, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का काफी अनुभव है। उनकी गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी टीम के लिए लाभदायक साबित होगी। वह किसी भी प्रकार के हालातों में खेल सकते हैं उन्हें कप्तानी का भी अनुभव है।

मथेशा पथिराना- श्रलंका के मथेशा पथिराना को कोलकाता नाइटराइडर्स ने 18 करोड़ रुपये में खरीदा है। इससे पता चलता है कि वह कितने अच्छे गेंदबाज हैं। वह खासकर डेथ ओवर्स के एक बेहतरीन गेंदबाज माने जाते हैं। यॉर्कर और अनोखे एक्शन के लिए जाने जाते हैं। टीम को उम्मीद रहेगी कि विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लागाये रहें।

प्रशांत वीर- चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में प्रशांत वीर को 14.20 करोड़ रुपये में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। कम आधारमूल्य के बावजूद इतनी बड़ी रकम मिलने से उनकी प्रतिभा साफ झलकती है। वह एक ऑलराउंडर के रूप में टीम को संतुलन देते हैं और टीम उन्हें भविष्य के सितारे के तौर पर अपने साथ रखना चाहती है।

कूपर कॉनोली- पंजाब किंग्स ने कूपर कॉनोली को 3 करोड़ रुपये में खरीदा है। युवा ऑलराउंडर कॉनोली अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी से टीम को मजबूती दे सकते हैं। टीम उन्हें एक लंबे समय के निवेश के तौर पर देखती है।

आकिब नबी- दिल्ली कैपिटल्स ने ऑलराउंडर आकिब नबी को 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह गेंद और बल्ले दोनों से प्रभावित कर सकते हैं। नबी की खूबी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी है। टीम को उनसे बीच के ओवरों में मैच का रुप पलटने की उम्मीदें रहेंगी।

10 जुलाई से शुरु होंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एजेंसी, एथेंस

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूर्नामेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वे ग्रेग शिप्पर्ड की जगह लेंगे और जून से अपना कार्यभार संभालेंगे। ग्रेग का कार्यकाल उनके अनुबंध में एक साल शेष रहते हुए ही समाप्त कर दिया गया था। 48 वर्षीय हैडिन नवंबर 2014 में क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। हैडिन अपने साथ कोचिंग का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। हैडिन ने इससे पहले डैरेन लेहमैन और जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सहायक और फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स के सहायक कोच हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के भी सहायक कोच रह चुके हैं। हैडिन ने एक बयान में कहा, "एनएसडब्ल्यू क्रिकेट मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है और मुख्य कोच के रूप में इस टीम में फिर से शामिल होना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है।'' उन्होंने कहा, "मैं हमारे मौजूदा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि एनएसडब्ल्यू क्रिकेट में एक नई जान फूंकी जा सके और एक ऐसी टीम बनाई जा सके जिसकी खेल शैली दमदार और विशिष्ट हो, जिस पर हम सभी गर्व कर सकें।" क्रिकेट एनएसडब्ल्यू के मुख्य कार्यकारी ली जर्मन ने कहा कि ब्रैड एक बेहद सम्मानित कोच हैं, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी स्तर पर अनुभव है। साथ ही उन्हें एनएसडब्ल्यू की खेल शैली की गहरी समझ भी है। हमें गर्व है कि ब्रैड हमारी ब्लूज टीम का मार्गदर्शन करेंगे और हम जून से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुम्बई : हरभजन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी। जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं ryan रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआत में रखा जाएगा। दोनों को एक साथ उतारना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास रोहित शर्मा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं।

संक्षिप्त

आईपीएल के दौरान तनाव कम करने हुक्का पीते हैं धोनी : बिलिंग्स

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते रहे हैं। मैदान पर अपनी शांत कप्तानी के लिए "कैप्टन कूल" के नाम से लोकप्रिय रहे धोनी निजी जिंदगी में काफी रिजर्व स्वभाव के माने जाते हैं। इसलिए उनके बारे में प्रशंसकों को ज्यादा कुछ नहीं पता चलता है पर अब आईपीएल में सीएसके की ओर से खेले इंग्लैंड के क्रिकेटर सैम बिलिंग्स ने कहा है कि धोनी हुक्का पीने के शौकीन हैं। बिलिंग्स के अनुसार आईपीएल टूर्नामेंट में धोनी होटल के कमरे में हुक्का पीते हैं और टीम के एक खिलाड़ी उनके लिए हुक्का तैयार करता है। बिलिंग्स के अनुसार ये हुक्का उनक लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद तैयार करते हैं। उनके अनुसार, आईपीएल के दौरान टीम के अधिकतर खिलाड़ी मैच के बाद होटल के बार में जाकर समय बिताते थे। जिससे की मैच के तानव से उबर सकें। इस दौरान खिलाड़ियों को गपशप का भी अवसर मिल जाता था पर धोनी इससे अलग रहते हुए एकांत में हुक्का पीते थे। वह कभी भी बार में जाते नहीं दिखे। धोनी के लिए हुक्का सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि टीम को एक-साथ जोड़े रखने का भी तरीका रहा है। बिलिंग्स और कोच माइकल हसी ने कहा कि धोनी का होटल रूम टीम के लिए पूरे समय किसी लाउंज जैसा रहता है, क्योंकि धोनी प्रशंसकों की भीड़ के कारण होटल बार या किसी कैफे में नहीं जा सकते, इसलिए वो अपने रूम को ही अपनी अलग जगह बना लेते थे। बिलिंग्स के अनुसार धोनी को हुक्का पसंद था और वे इसका आनंद अपने कमरे में ही उठाते रहते थे। उनके पास इसके लिए एक अलग स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहता था, जो हुक्के से जुड़ी सभी तैयारियों का ध्यान रखता था। इस हुक्का डिप्लोमेसी के कारण सीएसके आपस में जुड़ी रिती थी।

आईपीएल 2026: आरसीबी टीम से जुड़े विराट, भुवनेश्वर और क्रुणाल

एजेंसी, बेंगलुरू

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले टीम से जुड़ गए हैं। आईपीएल के इस सीजन की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। आरसीबी अपने अभियान की शुरुआत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में करेगी। आरसीबी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए इन स्टार खिलाड़ियों के पहुंचने की पुष्टि की। आरसीबी ने एक्स पर विराट के आगमन के बारे में पोस्ट करते हुए लिखा, "उन्हें देखने की जरूरत नहीं है.. यह जानने के लिए कि वे आ रहे हैं। कैलेंडर देखें। संकेत मिल जाएंगे। 'स्विंग किंग' भुवनेश्वर भी टीम में शामिल हो गए हैं। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह शांति लाते हैं, लेकिन उनका प्रभाव जबरदस्त है। भुवी घर लौट आए हैं और यह अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार हैं। हमारे स्विंग किंग को अपना प्यार दिखाएं। पडिक्कल भी टीम से जुड़ गए हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में नंबर तीन पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि 2020 में पदार्पण किया। 2026 में भी हमारे ही। बेंगलुरु के अपने स्टार बॉय, देवदत्त पडिक्कल आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। क्रुणाल के टीम से जुड़ने पर फ्रेंचाइजी ने पोस्ट कर लिखा कि औरा 'के' से शुरू होता है और 'एल' पर खत्म होता है। वह वापस आ गया है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि बेंगलुरु का मौसम आज थोड़ा और ठंडा हो गया है। 12वीं मैन आर्मी, हमारे 'क्लच गॉड' क्रुणाल पांड्या पर अपना प्यार बरसाना शुरू कर दो। पिछले सीजन में विराट कोहली ने 15 पारियों में 54.75 के औसत और 144.71 के स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे, जिसमें आठ अर्धशतक शामिल थे।कोहली 267 आईपीएल मैचों में आठ शतक और 63 अर्धशतकों के साथ 8,661 रन बना चुके हैं। पिछले सीजन भुवनेश्वर आरसीबी के लिए तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, जिन्होंने 14 मैचों में 28.41 के औसत से 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट ले चुके हैं। वहीं क्रुणाल ने आरसीबी के लिए पिछले सीजन में 15 मैचों में 17 विकेट लेने के साथ बल्ले से 109 रन भी बनाए थे।

वेस्टइंडीज सीरीज से पहले सोफी मोलिनक्स अपनी हर भूमिका निभाने के लिए तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी मोलिनक्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए खुद को तैयार बताया है। उन्होंने कहा है कि वह अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। टी-20 सीरीज से दोनों टीमें आगामी आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी तैयारियों को और तेज करने का लक्ष्य रखेंगी। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में भारत, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमों के साथ रखा गया है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ग्रुप बी का हिस्सा हैं। मोलिनक्स पीठ की चोट के कारण घर पर भारत के खिलाफ खेले गए आखिरी वनडे मैचों में नहीं खेल पाईं थीं, लेकिन कैरेबियन चुनौती से पहले वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। आईसीसी के अनुसार मोलिनक्स ने मंगलवार को सेंट विंसेंट में कहा कि यह निश्चित है, मैं अपनी भूमिका निभाने और मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हूं। मैं लड़कियों के साथ मैदान में वापस आने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मोलिनक्स ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उपलब्धता के अलावा वह क्या भूमिका निभाएंगी। यह देखना बाकी है कि मोलिनक्स सभी छह व्हाइट-बॉल मैचों में खेलेंगी या नहीं। क्योंकि, उन्होंने संकेत दिया है कि टी-20 मैचों के बाद खेले जाने वाले 50 ओवर के मुकाबलों से उन्हें आराम दिया जा सकता है ताकि जून में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए उनका शरीर तैयार हो सके। मोलिनक्स ने आगे कहा कि यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला है क्योंकि टी-20 विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा मैच नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि हर मैच बहुत महत्वपूर्ण है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वेस्टइंडीज इस सीरीज को टी-20 विश्व कप की तैयारी के तौर पर देखेगी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए पूरी ताकत के साथ उतरेगी। टीम की कप्तान हेली मैथ्यूज ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सीरीज है और मुझे लगता है कि यह इस बात का अच्छा परीक्षण होगा कि हम एक टीम के रूप में इस समय कहां हैं। उम्मीद है कि हम कुछ अच्छे परिणाम देख पाएंगे और इस सीरीज से बहुत सारी सकारात्मक बातें सीख पाएंगे।

सीरीज कार्यक्रम

पहला टी-20 मैच : 19 मार्च, सेंट विंसेंट।दूसरा टी-20 मैचः 21 मार्च, सेंट विंसेंट।तीसरा टी-20 मैचः 23 मार्च, सेंट विंसेंट।

पहला वनडेः 27 मार्च, सेंट किट्स।दूसरा वनडेः 29 मार्च, सेंट किट्स।तीसरा वनडेः 2 अप्रैल, सेंट किट्स।

बल्लेबाज ओली पोप को भरोसा- एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी दिखाएंगे अपना सर्वश्रेष्ठ

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप का मानना है कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी आना बाकी है। इस सीरीज में इंग्लैंड को 4-1 से हार मिली थी और खराब फॉर्म के चलते पोप को टीम से बाहर भी होना पड़ा था। 28 वर्षीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया में खेले शुरुआती तीन टेस्ट मैचों में कुल 125 रन बनाए, जो उनके स्तर के हिसाब से काफी निराशाजनक रहा। दौरे के बाद जब इंग्लैंड टीम की प्रतिबद्धता पर सवाल उठे तब पोप ने इसे आत्ममंथन और नए सिरे से तैयारी का मौका माना। अब उनका पूरा ध्यान खुद को बेहतर बनाने पर है, ताकि आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में वापसी कर सकें। एशेज के दौरान छह पारियों में से एक में भी पोप पचास रन नहीं बना पाए और चौथे व पांचवें टेस्ट में उन्हें बेंच पर बैठा दिया गया था। उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में जैकब बेथेल को शामिल किया गया था। आईसीसी के अनुसार सरे के प्री-सीजन मीडिया डे पर पोप ने कहा कि मुझे अपनी स्थिति का पता था। टीम से बाहर होना मुश्किल था, लेकिन उस समय यह सही फैसला था। उन्होंने आगे कहा कि बातचीत का मकसद बस यही था कि वापस जाकर खूब रन बनाऊं और अगर इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में जगह न मिले तो यह सुनिश्चित करूं कि मैं देश का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित होऊं। अगर कुछ होता है तो यह सुनिश्चित करना है कि मेरी जगह लेने के लिए मैं ही सही खिलाड़ी हूं। मैंने बहुत टेस्ट क्रिकेट खेला है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि मेरे बल्लेबाजी के सर्वश्रेष्ठ दिन अभी आने बाकी हैं। पोप ने 'इंग्लैंड एशेज जीतने को लेकर गंभीर नहीं थी' आरोपों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक लोकप्रिय टीम बनना चाहते हैं और दुर्भाग्य से ऑस्ट्रेलिया में हमारे प्रदर्शन ने ऐसा होने नहीं दिया। मैं समझ सकता हूं कि लोगों को ऐसा क्यों लगा। यह धारणा कि हम बेफिक्र थे, शायद सबसे मुश्किल बात थी। हर खिलाड़ी एशेज सीरीज के दबाव को संभालने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि हर कोई सिर्फ जीतना चाहता था। मुझे लगता है कि शायद कभी-कभी हमारे मन में यही बात थी कि हम टेस्ट मैच के दबाव को कम करने के लिए, जैसा कि हमने पिछले दौरों में किया था, इसे एक सामान्य सीरीज की तरह लें ताकि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो पाया। अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए पोप ने माना कि उन्होंने अपनी स्वाभाविक शैली से हटकर खेलने की कोशिश की, जो उनके लिए नुकसानदायक साबित हुई। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि इसमें कोई बड़ी तकनीकी खामी थी, शायद मैं उस समय अनजाने में ही गेंदबाजों पर दबाव डालने के लिए कुछ ज्यादा ही उत्सुक था। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और इस पर विचार करता हूं, तो शायद यही मेरी गलती थी। अब पोप का पूरा फोकस घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन कर इंग्लैंड टेस्ट टीम में वापसी करना है।

सीएसके ने फोस्टर को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया

एजेंसी, मुम्बई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फोस्टर को टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। फोस्टर टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके जिम्मेदारी टीम के खिलाड़ियों के क्षेत्ररक्षण कौशल को निखारना रहेगा। पिछले सत्र में टीम इस क्षेत्र में कमजोर साबित हुई थी। फोस्टर को कोच के तौर पर लंबा अनुभव है और इसी को देखते हुए सीएसके ने उन्हें जोड़ा है। सीएसके के पास पहले ही कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और एरिक सिमंस जैसे दिग्गज हैं, इसके बाद भी फोस्टर को शामिल करने से साफ है कि टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है। फोस्टर ने साल 2001 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 23 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। साल 2018 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में काफी अनुभव वह सफलता हासिल की है। हाल ही में उनके मार्गदर्शन में जनवरी 2026 में डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 खिताब जीता था। इसके अलावा वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच भी रहे हैं। फोस्टर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के भी कोच रहे हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ क्षेत्ररक्षण के सहायक कोच रहे हैं। ऋतुराज की कप्तानी में सीएसके अपने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच खेलेगी। शुरुआती मुकाबलों में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उसे खेलना है। पीछले सत्र में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे वहीं इस बार टीम ने कई नये खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलावा किया है जिससे उसे जीत की उम्मीद रहेगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

गुड़ी पड़वा कैसे और क्यों मनाते हैं लोग?

क्या है परंपरा

हिन्दू धर्म में गुड़ी पड़वा का त्योहार हर साल चैत्र महीने के पहले दिन बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन को उगादि के नाम से भी जाना जाता है. 19 मार्च को मनाया जाएगा. हिंदू धर्म में नववर्ष की शुरुआत चैत्र मास से होती है. महाराष्ट्र में हिंदू नववर्ष को गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जाता है. बता दें कि गुड़ी का अर्थ है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है. इसके अलावा यह दिन फसल दिवस का प्रतीक भी माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु व ब्रह्मा जी की पूजा भी की जाती है. लोग इस दिन घर को रंगोली, फूल-माला आदि से सजाते हैं और कई तरह के पकवान बनाते हैं. गुड़ी पड़वा के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले स्नान आदि के बाद विजय के प्रतीक के रूप में घर में सुंदर गुड़ी लगाती हैं और उसका पूजन करती हैं. यह पर्व विशेष तौर पर कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश में मनाया जाता है.

ऐसे मनाया जाता है गुड़ी पड़वा

- गुड़ी पड़वा के दिन लोग अपने घरों की सफाई कर रंगोली और आम या अशोक के पत्तों से अपने घर में तोरण बांधते हैं.
- घर के आगे एक झंडा लगाया जाता है जिसे गुड़ी कहा जाता है.
- एक बर्तन पर स्वस्तिक बनाकर उस पर रेशम का कपड़ा लपेट कर रखा जाता है.
- इस दिन सूर्यदेव की आराधना के साथ ही सुंदरकांड, रामरक्षास्रोत और देवी भगवती की पूजा-मंत्रों का जप किया जाता है.
- स्वास्थ्य कामना हेतु नीम की कोपल गुड़ के साथ खाई जाती हैं. इससे लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है.
- गुड़ी पड़वा के दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं. एक-दूसरे के घर मिलने के लिए जाते हैं.
- इस पर्व में पूरन पोली और श्रीखंड बनाया जाता है. मीठे चावल भी बनाएं जाते हैं, जिसे शक्कर-भात भी कहा जाता है.
- इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है और लोग गुड़ी फहराते हैं और - गुड़ी फहराने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है.

गुड़ी पड़वा से जुड़ी मान्यता

- पौराणिक कथाओं के अनुसार, गुड़ी पड़वा का दिन सृष्टि की रचना के रूप में मनाया जाता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन ही भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया था. इसलिए इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा का विशेष महत्व है.

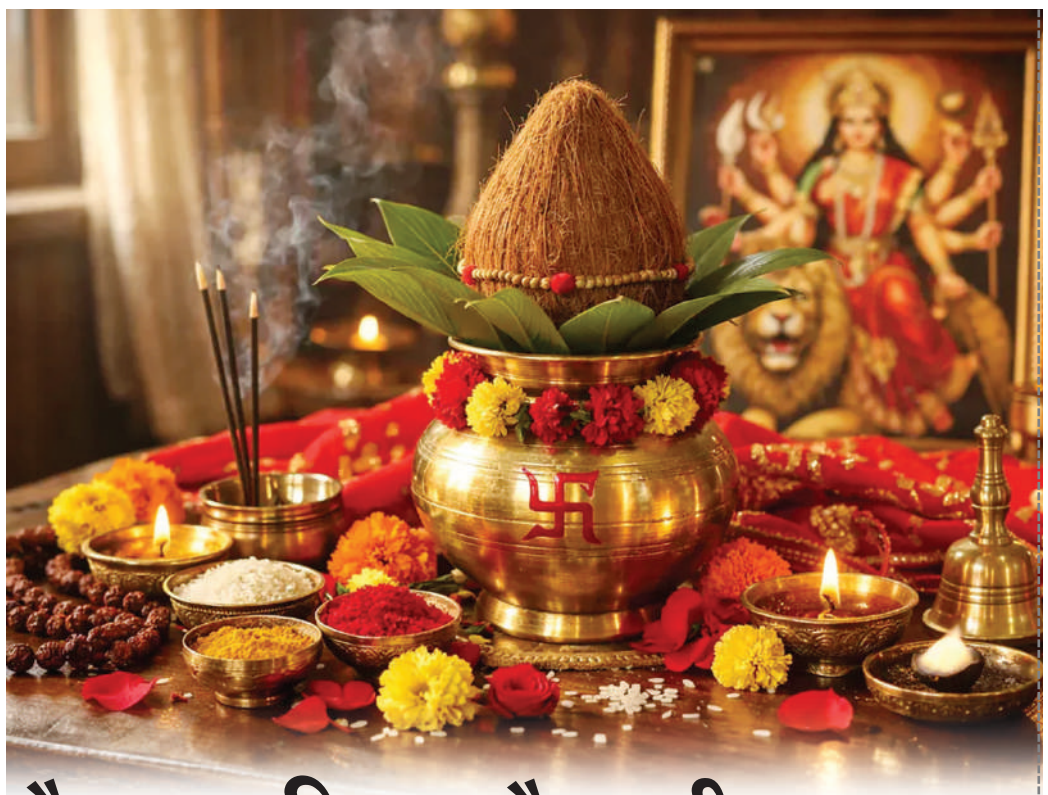

चैत्र नवरात्रि कब है? तारीख, कलश स्थापना मुहूर्त, पारण और हवन

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है। पहले दिन कलश स्थापना के साथ 9 दिनों की पूजा प्रारंभ होती है। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं। दुर्गा अष्टमी और महानवमी को हवन होता है। दशमी के दिन पारण करते हैं।

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना करते हैं, उसके साथ ही नवरात्रि का प्रारंभ हो जाता है। पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं। मातारानी के भक्त पूरे 9 दिन तो कुछ लोग पहले दिन और दुर्गा अष्टमी को व्रत रखते हैं। जिसकी जैसी क्षमता है, वैसे वह नवरात्रि व्रत और पूजन करता है. दुर्गा अष्टमी और महा नवमी के दिन कन्या पूजन करते हैं। उसके बाद हवन होता है और फिर पारण करके व्रत को पूरा करते हैं।

चैत्र नवरात्रि तारीख

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 19 मार्च को सुबह में 06 बजकर 52 मिनट पर होगा। यह तिथि 202 मार्च को प्रातः 04 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। उसके बाद से द्वितीया लग जाएगी। ऐसे में चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च दिन गुरुवार से होगा।

कलश स्थापना मुहूर्त

19 मार्च को चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाएगी। सुबह में कलश स्थापना का मुहूर्त 6 बजकर 52 मिनट से लेकर 7 बजकर 43 मिनट तक है। सुबह में कलश स्थापना के लिए 50 मिनट का शुभ समय प्राप्त होगा। जो लोग सुबह में कलश स्थापना नहीं कर सकते हैं, वे दोपहर में अभिजीत मुहूर्त 12 बजकर 05 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट के बीच कर सकते हैं। दोपहर में कलश स्थापना के लिए 48 मिनट का मुहूर्त है।

9 दिनों की है चैत्र नवरात्रि

इस बार की चैत्र नवरात्रि 9 दिनों की है। ऐसी नवरात्रि को अत्यंत ही शुभ फलदायी माना जाता है. 19 मार्च से प्रारंभ होने वाली नवरात्रि 27 मार्च को महा नवमी तक चलेगी। 27 मार्च को चैत्र नवरात्रि का समापन होगा।

चैत्र नवरात्रि हवन और पारण

चैत्र नवरात्रि का हवन दुर्गा अष्टमी और महा नवमी के दिन होता है. 9 दिनों का व्रत रखने वाले लोग पारण दशमी के दिन करते हैं। कुछ स्थानों पर नवमी को ही कन्या पूजा के बाद लोग पारण कर लेते हैं। जो लोग चैत्र नवरात्रि का हवन दुर्गा अष्टमी को करते हैं, वे 26 मार्च को करेंगे और जो लोग महानवमी को हवन करते हैं, वे 27 मार्च को करेंगे। 9 दिनों के व्रत का पारण 28 मार्च को सूर्योदय के बाद किया जाएगा।

नवरात्रि के नौ दिनों का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करने का विधान होता है। हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है। इसके प्रथम दिन पर शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना की जाती है और अगले 9 दिनों तक देवी के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। पंचांग के अनुसार, इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च, गुरुवार से शुरू हो रही है।

चैत्र नवरात्रि पालकी से आएंगी मां दुर्गा, जाएंगी हाथी से

चैत्र नवरात्रि का आरंभ इस बार 19 मार्च से हो रहा है। नवरात्रि में इन पावन दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि में मां दुर्गा का आगमन और प्रस्थान तय करता है कि आने वाले दिनों पर कैसा प्रभाव देखने को मिलेगा। मां दुर्गा के वाहन नवरात्रि किस दिन से शुरु होगा और किस दिन समाप्न होगा इससे तय किया जाता है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ इस बार 19 मार्च गुरुवार से होने वाला है। ऐसे में मां दुर्गा का वाहन पालकी होगा।

मां दुर्गा का आगमन चैत्र नवरात्र 2026

शशिसूर्ये गजारूढ़ा , शनिभौमे तुरंगमे ।
गुरुशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता ।।
फलम् - गजे च जलदा देवी , छत्रभङ्ग तुरंगमे ।
नौकायां सर्व सिद्धिस्यात् दोलायां मरणं ध्रुवम् ।।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के अनुसार, जब भी नवरात्रि का आरंभ 19 मार्च गुरुवार से हो रहा है तो तब तब मां दुर्गा का आगमन पालकी पर होता है। वहीं, नवरात्रि का समापन 27 मार्च को होने वाला है। जब भी मां दुर्गा का आगमन डोली पर होता है तो यह एक शुभ संकेत नहीं माना जाता है। ऐसा होने पर युद्ध जैसा हालात बनते हैं और लोगों में रोग आदि बढ़ता है। साथ ही आर्थिक उतार चढ़ाव और सामाजिक अशांति फैल सकती है।

मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन

शशिसूर्यदिने यदि सा विजया, महिषा गमनेरूज शोकरा,
शनिभौमे यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला,
बुधशुक्रे यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा,
सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा ।।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण में बताया गया है कि जब भी माता शुक्रवार के दिन प्रस्थान करती हैं तो उनका वाहन हाथी होता है। मां दुर्गा जब भी हाथी पर प्रस्थान करती हैं तो तब अच्छी वर्षा होती है। साथ ही हिंदू नववर्ष के राजा गुरु रहेंगे। यह भी अच्छी वर्षा का संकेत दे रहे हैं। वहीं, हिंदू नव वर्ष में रोहिणी वास समुद्र में होने के कारण कुछ स्थानों पर अति बारिश के कारण जन धन हानि योग भी बन रहे हैं।

नवरात्र के दिन मां दुर्गा का वाहन

पंड़ित राकेश झा के मुताबिक श्रीमददेवी भागवत महापुराण में कहा गया है कि अगर नवरात्रि का आरंभ रविवार या सोमवार को होता है तब माता का वाहन हाथी होता है। शनिवार और मंगलवार के दिन जब भी मां दुर्गा आगमन करती हैं तब माता का वाहन घोड़ा होता है। वहीं, गुरुवार और शुक्रवार से नवरात्र का आरंभ होने से मां दुर्गा का आगमन डोलीझ पालकी से होता है। बुधवार के दिन नवरात्र का आरंभ जब होता है तो मां दुर्गा का आगमन तब नाव पर होता है।

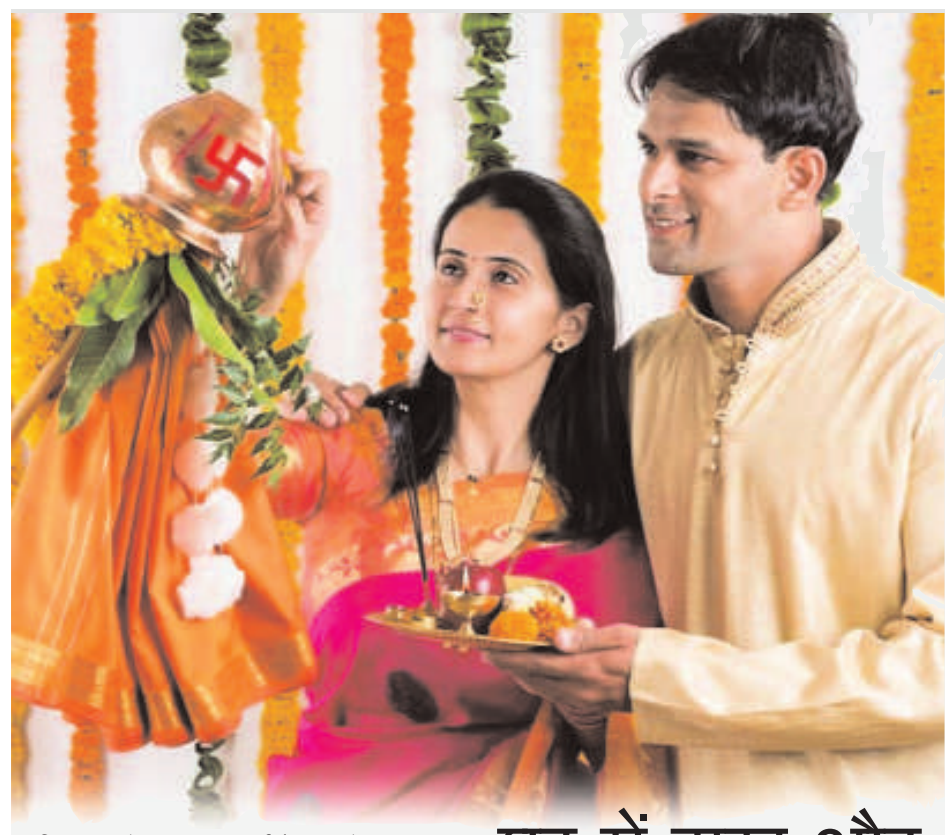

घर में सुख और समृद्धि लाता है गुड़ी पड़वा

हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होती है। महाराष्ट्र में मुख्य रूप से हिंदू नववर्ष जिसे नव-सवंत्सर भी कहा जाता है, गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा का भारत के दक्षिणी राज्यों में उगादी के नाम से भी जाना जाता है। गुड़ी पड़वा दो शब्दों से मिलकर बना है। गुड़ी शब्द का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा का अर्थ होता है प्रतिपदा तिथि से। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी गुड़ी पड़वा के मौके पर लोग अपने घर में विजय पताका के रूप में गुड़ी सजाते हैं और उत्साह के साथ इसे मनाया जाता है। ऐसे मान्यता है कि गुड़ी पड़वा पर्व को मनाने पर घर में सुख और समृद्धि आती है और घर की नकारात्मक ऊर्जाएं खत्म हो जाती हैं। गुड़ी पड़वा से जुड़ी दिलचस्प बातें -

नव संवत्सर के राजा

19 मार्च से हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 की शुरूआत हो रही है। इस नव वर्ष के प्रथम दिन के स्वामी को पूरे वर्ष का स्वामी माना जाता है।

सृष्टि के निर्माण का दिन

धार्मिक मान्यता के अनुसार गुड़ी पड़वा के दिन ही ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना का कार्य आरंभ किया था और सतयुग की शुरुआत इसी दिन से हुई थी। यही कारण है कि इसे सृष्टि का प्रथम दिन या युगादि तिथि भी कहते हैं। इस दिन नवरात्रि घटस्थापन, ध्वजारोहण, संवत्सर का पूजन इत्यादि किया जाता है।

वानरराज बाली पर विजय

रामायण काल में जब भगवान राम की मुलाकात सुग्रीव से हुई तो उन्होंने श्री राम को बाली के अत्याचारों से अवगत कराया। तब भगवान राम ने बाली का वध कर वहां के लोगों को उसके कुशासन से मुक्ति दिलाई। मान्यता है कि यह दिन चैत्र प्रतिपदा का था। इसलिए इस दिन गुड़ी या विजय पताका फहराई जाती है।

शालिवाहन शक संवत

एक ऐतिहासिक कथा के अनुसार शालिवाहन नामक एक कुम्हार के लड़के ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिए और इस सेना की मदद से दुश्मनों को पराजित किया। इस विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक संवत का प्रारंभ भी माना जाता है।

हिंदू पंचांग की रचना का काल

प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री ने अपने अनुसन्धान के फलस्वरूप सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीने और वर्ष की गणना करते हुए हिंदू पंचांग की रचना की थी। इस दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था। इसी दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था, इसी दिन से रात्रि की अपेक्षा दिन बड़ा होने लगता है।

भगवान राम लौटे थे अयोध्या

धर्म शास्त्रों की मान्यताओं के अनुसार गुड़ी पड़वा के दिन ही भगवान राम ने रावण का वध करके माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने राज्य अयोध्या लौटे थे।

पहली बार छत्रपति शिवाजी ने मनाया था यह पर्व

ऐसी मान्यता है कि मुगलों से युद्ध करने के बाद जब मराठों के राजा छत्रपति शिवाजी की जीत हुई थी तब शिवाजी ने पहली बार गुड़ी पड़वा का त्योहार मनाया था। तभी से महाराष्ट्र में सभी लोग इस त्योहार को बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाते आ रहे हैं।

फसल की पूजा करने का महत्व

गुड़ी पड़वा पर मराठियों के लिए नया हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इस दिन लोग फसलों की पूजा आदि भी करते हैं।

नीम के पत्ते खाने की परंपरा

ऐसी परंपरा है कि गुड़ी पड़वा पर लोग नीम के पत्ते खाते हैं। मान्यता है कि गुड़ी पड़वा पर नीम की पत्तियों का सेवन करने से खून साफ होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है।

सूर्यदेव की पूजा का महत्व

गुड़ी पड़वा पर सूर्यदेव की विशेष पूजा आराधना की जा जाती है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग गुड़ी पड़वा पर सूर्यदेव की उपासना करते हैं उन्हे आरोग्य, अच्छी सेहत और सुख- समृद्धि मिलती है।

19 या 20 मार्च कब है गुड़ी पड़वा

चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नए साल की शुरुआत होती है। महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में इसे 'गुड़ी पड़वा' के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसी दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ भी हो रहा है। साल 2026 में गुड़ी पड़वा की तारीख को लेकर कुछ लोगों में कन्फ्यूजन है कि यह 19 मार्च को है या 20 मार्च को? तो चलिए यहां पंचांग के अनुसार इसकी सही तिथि और समय जानते हैं।

गुड़ी पड़वा 19 या 20 मार्च कब है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 19 मार्च सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 20 मार्च को सुबह 04 बजकर 52 मिनट पर होगा। ऐसे में गुड़ी पड़वा का पर्व 19 मार्च को मनाया जाएगा।

विजय पताका (गुड़ी) फहराने का शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 4:51 से 5:39 बजे तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 2:30 से 3:18 बजे तक
गोधुली मुहूर्त - शाम 6:29 से 6:53 बजे तक
निशिता मुहूर्त - सुबह 12:05 से 12:52 बजे तक

क्यों है इस बार का नववर्ष खास?

इस साल गुड़ी पड़वा का आगाज कई शुभ योग में हो रहा है। 19 मार्च को ही चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होगा। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना शुरू की थी और छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी विजय के बाद पहली बार गुड़ी फहराने की परंपरा शुरू की थी।

गुड़ी पड़वा पर क्या करें?

- घर के मुख्य द्वार को आम के पत्तों और फूलों के तोरण से सजाएं।
- द्वार पर सुंदर रंगोली बनाएं।
- बांस की लकड़ी पर सुंदर वस्त्र बांधकर उस पर तांबे या चांदी का लोटा उल्टा रखकर नीम की पत्तियों और चीनी की माला से सजाएं। इसे घर के ऊंचे स्थान या खिड़की पर लगाएं।
- इस दिन सुबह नीम की पत्तियों, गुड़ और इमली का मिश्रण खाया जाता है, जो जीवन के सुख-दुख और सेहत के संतुलन का प्रतीक है।

गुड़ी पड़वा 2026 पर्व का महत्व

गुड़ी पड़वा वसंत ऋतु के आगमन और फसलों की कटाई को दर्शाता है; रबी की फसल। त्योहार एक पौराणिक दिन से जुड़ा है जिसमें हिंदू निर्माता भगवान हिंदू भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड और समय का निर्माण किया। कुछ हिस्सों में, यह स्वर्ण लंका के राजा रावण पर अपनी जीत और शालिवाहन कैलेंडर की शुरुआत के बाद अयोध्या में भगवान राम की ताजपोशी का सम्मान करता है। महाराष्ट्र के ग्रामीण हिस्सों में ऐनी फेल्डहॉस के अनुसार, गुड़ी पड़वा का त्योहार शिव के नृत्य और गुड़ी कावड़ से भी जुड़ा हुआ है, जिसे एक बड़े समुदाय द्वारा मनाए गए शिव मंदिर में एक साथ ले जाया गया था।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, 'मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं।' इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, 'पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।' सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा; 'अक्सर 2' विवाद पर की बात

सलमान खान के साथ 'वीर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली जरीन खान की तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी। हालांकि, जरीन का करियर कटरीना जैसा सफल नहीं रहा। जबकि 'हाउसफुल 2' और 'हेट स्टोरी 3' जैसी कमर्शियल फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। लेकिन 2017 में आई 'अक्सर 2' बाद में विवादों में घिर गई। जरीन का दावा है कि उन्हें अपनी ही फिल्म के प्रीमियर में आमंत्रित तक नहीं किया गया था।

'अक्सर 2' को लेकर हुए विवाद पर की बात

हाल ही में मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट के साथ बातचीत के दौरान जरीन खान ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। 'हेट स्टोरी 3' के बाद के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'हेट स्टोरी' करने के बाद बहुत से लोग खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे। वे कहते थे, 'क्योंकि वह अभिनय नहीं कर सकती, इसलिए उसने कपड़े उतारने का फैसला किया।' जरीन ने अनंत महादेवन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मेकर्स ने शुरू में इस प्रोजेक्ट को एक स्टाइलिश नॉयर फिल्म के रूप में पेश किया था। उन्हें आश्वासन दिया था कि इसमें 'हेट स्टोरी 3' की तरह बोल्ड सीन नहीं होंगे। उन्होंने बड़ी ही सधी हुई अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई नफरत की कहानी नहीं बना रहे हैं। हम एक जॉनर नॉयर बना रहे हैं।' मैंने सोचा, ठीक है। लेकिन सेट पर पहुंचते ही, हर दूसरा सीन या तो किस के साथ खत्म होता।

मेकर्स जानबूझकर इंटिमेसी सीन करने को कहने लगे

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने उनसे कहा, 'मुझे इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आपने मुझे बिल्कुल अलग ब्रीफ दिया था। अब सिर्फ इसलिए कि आपने वह फिल्म देखी है, आप ये सब जोड़ना चाहते हैं।' बाद में मुझे एहसास हुआ कि निर्देशक रीढ़विहीन थे। वह निर्माताओं को कहानी का एक संस्करण बताते थे और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम डिजाइनर शाहिद आमिर को दूसरा। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, टीम के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ते गए। मेकर्स अचानक मुझसे लगभग हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ उत्तेजक करने को कहने लगे। वो भी सिर्फ इसलिए कि मैंने पहले ऐसी एक फिल्म की थी। यह ठीक नहीं है।

इसलिए पूरी की फिल्म

हालांकि, बढ़ते तनाव के बावजूद जरीन ने फिल्म पूरी की। उनका कहना है कि मैं नखरे दिखाने वाली नहीं हू। मुझे पता है कि लोगों का पैसा दांव पर लगा है, इसलिए मैं हमेशा बातचीत करके बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हूं। लेकिन फिल्म पूरी होते-होते हालात इतने बिगड़ गए थे कि मुझे अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में भी नहीं बुलाया गया। जरीन ने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें काम करने में मुश्किल व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया था।

'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' के सीक्वल की सही समय पर घोषणा करेंगी जोया अख्तर

निर्माता-निर्देशक जोया अख्तर का मानना है कि रोमांटिक फिल्में जल्द ही हिंदी सिनेमा में फिर से प्रमुखता हासिल कर सकती हैं। उनका कहना है कि कहानी कहने के रुझानों का एक साइकिल होता है, जो घूमकर वापस आता है। उनके अनुसार, विभिन्न शैलियां अक्सर सेचुरेशन के दौर से गुजरती हैं, जिसके बाद दर्शक उनकी अपील को फिर से पहचानते हैं। यही कारण है लव स्टोरी भी फिर से वापस लौटेंगी। जोया अख्तर ने बताया कि वह कहानियों को लिखने और विकसित करने के लिए किस तरह का दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस तरह से काम नहीं करती। जैसे, मैं यह नहीं सोचती कि 'अब लोग यह ढूंढ रहे हैं, तो चलो मैं यह लिखती हूं।' लेकिन अगर आप पिछले 10-15 साल पर नजर डालें, तो बदलाव आया है। सब कुछ बदलता है। अगर आप इसे चक्रीय रूप से देखें, तो शायद प्रेम कहानियां फिर से लौट आएंगी।अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए जोया ने बताया कि हमारी फिल्म 'दहाड़ 2' की शूटिंग चल रही है। रीमा कागती इसकी शूटिंग कर रही हैं। मैं अपने लिए दो स्क्रिप्ट लिख रही हूं। रीमा के लिए हमने एक स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। हम फिलहाल अन्य निर्देशकों के साथ मिलकर कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें तैयार करके निर्माण कर सकें। बातचीत के दौरान जोया अख्तर से उनकी सुपरहिट फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के सीक्वल को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछा गया। इस पर ज्यादा कुछ बोलने से बचते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी आधिकारिक जानकारी सही समय आने पर ही दी जाएगी।

एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट में साथ आएंगे मोहित रैना और प्रियामणि

मोहित रैना और साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि जल्द ही एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। 'देवों के देव महादेव' से घर-घर में पहचान बनाने वाले मोहित की नई फीचर फिल्म की जिम्मेदारी निर्माता हर्ष महादेश्वर ने उठाई है। यह एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट होगा, जिसका टाइटल फिलहाल तय नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बाइसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का नतीजा है। कहानी एक वास्तविक अप्रवासी परिवार से प्रेरित बताई जा रही है, जो अमेरिका में अपनी सांस्कृतिक पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। भावनात्मक और सांस्कृतिक टकराव इस फिल्म का सेंटर पॉइंट होंगे। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 में शुरू होने की योजना है। अधिकांश फिल्मांकन न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में किया जाएगा, जबकि कुछ अहम हिस्से दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भी शूट होंगे।

'धुरंधर 2' में कैमियो करने वाले थे अनिल कपूर फिर क्यों नहीं किया काम?

फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज नजदीक आ रही है। फैंस इसे लेकर उत्साहित हैं। वह इससे जुड़े अपडेट जानना चाहते हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म को लेकर एक जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में कैमियो रोल के लिए आदित्य धर ने उनसे संपर्क किया था। हालांकि उन्हें एक बड़ी वजह के चलते इसे ठुकराना पड़ा। अनिल कपूर ने खुलासा किया है कि उन्हें दूसरे प्रोजेक्ट में काम करने की वजह से 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल को ठुकराना पड़ा। इंडिया टुडे से बातचीत में अनिल कपूर ने कहा 'धुरंधर 2 के लिए आदित्य धर मेरे पास आए थे। वह चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा कैमियो करूं। अनिल कपूर ने आगे बताया कि वह पहले वाला प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहते थे, हालांकि वह 'धुरंधर 2' में कैमियो करना चाहते थे। उन्होंने कहा 'उन तारीखों में मैं दूसरे फिल्ममेकर के साथ काम कर रहा था। मैंने आदित्य से कहा मैं यह कैमियो करना पसंद करूंगा, लेकिन मैंने पहले ही किसी से वादा किया है। वह फिल्म को रिलीज करने वाले हैं। यह अच्छी फिल्म है। इसमें मेरा घाटा है लेकिन कोई बात नहीं।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं। अनिल कपूर हाल ही में फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए थे। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था और इसमें राधिका मदान और खुशबू सुंदर भी उनके साथ थीं।

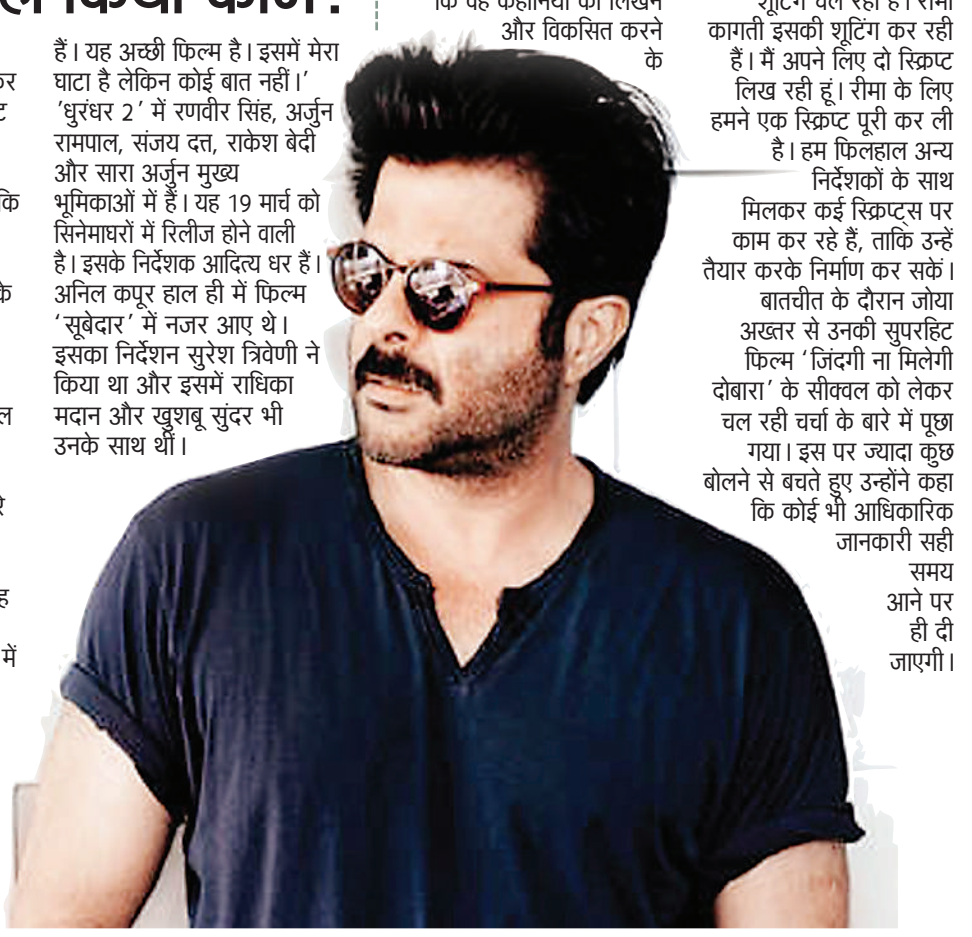

अपनी बायोपिक बनाने पर बोले राजपाल यादव

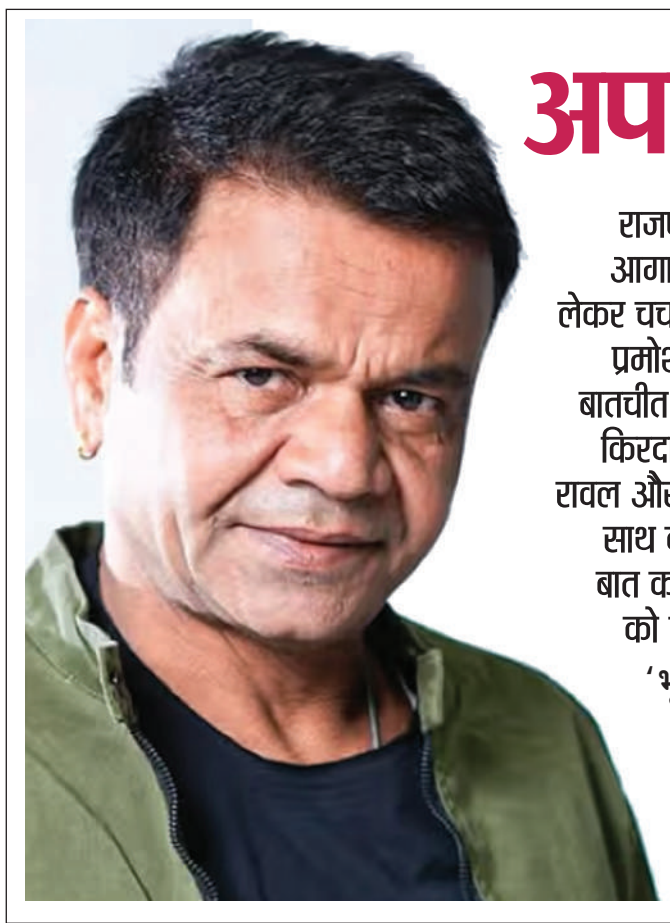

राजपाल यादव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्टर फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान बातचीत में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और अक्षय कुमार, परेश रावल और असरानी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने अपनी बायोपिक को लेकर भी अपनी राय रखी।

'भूत बंगला' का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात

'भूत बंगला' को एक शानदार फिल्म बताते हुए राजपाल ने कहा, 'भूत बंगला की कहानी बहुत दिलचस्प है और मुझे इसमें एक अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं इसके लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं। यहां आपको स्लैपस्टिक कॉमेडी के साथ भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन की खासियत है कि वे मुझसे अलग-अलग तरह के कॉमन मैन के किरदार करवाते हैं। हर फिल्म में किरदार की मानसिकता अलग होती है और यही चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है।

हर फिल्म अलग होती है

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से इसकी तुलना पर राजपाल कहते हैं, 'पिछले सौ साल के सिनेमा में आगे के सिनेमा की झलक आती है। अब तक कई हॉरर फिल्में बनी हैं और सबकी अपनी क्वालिटी है। यह नई फिल्म है। यह अपने आप में एक अलग कहानी है वो भी बिल्कुल अलग ट्रीटमेंट के साथ। दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव राजपाल आगे कहते हैं, 'अक्षय भाई, परेश भाई और दिवंगत असरानी सर...ये सभी दिग्गज कलाकार हैं। इनके साथ काम करना हमेशा सीखने जैसा होता है। पिछले 20 साल से कई फिल्मों में साथ काम करते हुए एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।' अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि अक्षय में कूट-कूटकर एनर्जी भरी है। उनके साथ काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

असरानी के साथ खास यादें

दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए राजपाल भावुक हो गए। वो बोले- 'हमने बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना अपने आप में एक अनुभव है। शूटिंग के दौरान एक शाम हम साथ बैठकर गाजर का हलवा खा रहे थे और बातचीत कर रहे थे। वो पल मेरे लिए बहुत खास है।'

सीन कटने की चिंता नहीं

मल्टीस्टार फिल्मों में सीन कट होने के डर पर राजपाल यादव का कहना है कि ये सब डायरेक्टर का इंटरप्रिटेशन होता है। एक अभिनेता को इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए कि उसका सीन रहेगा या कट जाएगा। फिल्म अपने आप में एक विज्ञान है और उसमें एडिटिंग के दौरान बहुत चीजें बदलती रहती हैं

मुझे जानने के लिए मुझे पढ़ना पढ़ेगा

अंत में अपनी बायोपिक के सवाल पर राजपाल मुस्कुरा दिए। बोले- 'राजपाल की बायोपिक बनने से पहले राजपाल को पढ़ना पड़ेगा। मेरी 40 साल की कहानी को दो मिनट में बताना आसान नहीं है।'

अपनी इमेज से खुश हूं

अपनी इमेज पर एक्टर ने कहा कि मैं अपनी बनी हुई इमेज से खुश हूं। मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि हर किरदार की मानसिकता नई हो। मैंने कभी भी अपने किरदारों को रिपीट नहीं किया। मुझे सिनेमा से प्यार है और मैं हर तरह की फिल्म में खुद को फिट करने की कोशिश करता हूं।

सिनेमा समय के साथ चलता है

सिनेमा में बदलाव और कॉमेडी फिल्मों पर अभिनेता ने कहा कि समय के साथ सिनेमा भी बदलता है। पहले कॉमेडी फिल्मों का दौर अलग था। अब सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स के दौर में चीजें बदल गई हैं। लेकिन सिनेमा हमेशा समय के साथ चलता है।